@NewsRotary /RotaryNewsIndia

रोटरी समाचार

July 2017

Vol.35, Issue 1 Annual Subscription Rs.420

Rotary

मिलिए रो इ
के नए अध्यक्ष
इयान राय्सली
और उनकी पत्नी
जूलियट से।

एटलाँटा सम्मेलन का सितारा

माइक्रोसॉफ्ट के संस्थापक बिल गेट्स, जिनका बिल एंड मेलिंडा गेट्स फाउंडेशन, 2007 से रोटरी के साथ मिलकर पोलियो उन्मूलन की लड़ाई लड़ रहा है, एटलाँटा सम्मेलन के, खचाखच भरे सम्मेलन सभा मंडप में दर्शकों का चहीता सितारा बन गये। उन्होंने 'शून्य पोलियो' की स्थिति हासिल करने अगले तीन सालों में 300 मिलियन डॉलरों की अतिरिक्त राशि देने का प्रण लिया। जब गेट्स ने, पोलियो का खात्मा करने में, रोटरी की 30 साल की लड़ाई के बारे में विस्तृत विवरण पेश किया तथा दुनिया भर में, खासकर संघर्षग्रस्त क्षेत्रों, खतरनाक परिस्थितियों में रोटेरियनों के कठिन प्रयासों और कड़ी मेहनत की खुले दिल से, बारंबार सराहना की तो दर्शकों ने जोश के साथ खड़े होकर उनकी वाहवाही की और सभा मंडप तालियों की गड़गड़ाहट से गूँज उठा।

मूलशब्द और तस्वीर: रशीदा भगत

विषयसूची

14 एक दशक से पोलियो मेरी सर्वोच्च प्राथमिकता
माइक्रोसॉफ्ट संस्थापक बिल गेट्स एटलांटा कन्वेंशन में खचाखच श्रोताओं को संबोधित करते हुए। शून्य पोलियो को पाने के लिए उन्होंने अगले तीन वर्षों में अतिरिक्त 300 मिलियन डॉलर का आश्वासन दिया।

24 एटलांटा में सालगिरह का दोहरा जश्न
अटलांटा में दक्षिणी एशिया रिसेप्शन में सालगिरह का दोहरा जश्न मनाया गया। टीआरए ट्रस्टी चैयर कल्याण बेनर्जी का 75वां जन्मदिन और रोटरी फाउंडेशन का सौंवा।

28 एक सामाजिक प्रसारक
रोटरी इंटरनेशनल के अध्यक्ष इयान राय्सली और पत्नी जूलीयट के बारे में सब कुछ जानिये।

38 हैप्पी अवर्स ले आये, हैप्पी विलेज और हैप्पी स्कूल
रोटरी क्लब पुणे फार ईस्ट के सदस्यों के लिए पिकनिक का अंत हैप्पी विलेज के रूप में हुआ।

46 रतन टाटा बने एक AKSसदस्य
रोटरी क्लब बॉम्बे के सदस्यों के लिए रोटरी क्लब बॉम्बे ने एक नये आर्च क्लम्फ सदस्य मशहूर उद्योगपति और समाजसेवी रतन टाटा का परिचय कराया।

52 रोटरी की हृदय-स्पर्शी सेवा
मंडल 3040 के तीन दिवसीय RAHAT स्वास्थ्य शिविर में मध्यप्रदेश के 60 हज़ार ग्रामीणों की जांच की गई।

56 RYE पर्यटकों के लिए अतुल्य भारत
रोटरी क्लब अहमदाबाद वेस्ट का धन्यवाद। 11 देशों के 19 युवाओं ने भारत की सैर की। यह जीवंत सर्वोत्तम था।

66 आपके गवर्नरों से मिलिये
इस संस्करण के साथ हम आपके लिए आपके नए मंडल गवर्नरों की योजनाएं और कार्यक्रम लाएं हैं।

58 माचु पिच्चु का इंकान किला
पेरू के एंडीज़ पहाड़ों में ऊंचाई पर स्थित जादुई इंकान किले की एक रिपोर्ट।

मुख्य पृष्ठ पर : रो इं अध्यक्ष इयान राय्सली पत्नी जूलीयट के साथ

चित्र : द रोटेरियन के लिए मोनिका लोजिंस्का द्वारा

रोटरी की बकाया राशि: अधिकार का इस्तेमाल करो

जून अंक में रो इं निदेशक के सन्देश (*अपनी पत्रिका की बकाया राशि का भुगतान करें, मई*) के साथ आपकी अपील 1 जुलाई के पहले मैगज़ीन के देय शुल्क को चुकाइए, मुझे रोटरी क्लबों की वर्तमान दशा दुखी एवं चिंतित करती है।

प्रत्येक रोटरी क्लब विभिन्न व्यवसायों के ऐसे प्रतिष्ठित नेतृत्वकर्ताओं को नए सदस्यों के रूप में प्रवेश देने के लिए आमंत्रित करता है। वर्गीकरण समिति और निदेशक मंडल द्वारा बहुत विचार-विमर्श के बाद सदस्यता प्रस्ताव बनाया जाता है। बहुत से क्लब अर्ध-वार्षिक बकाया राशि के लिए बिल बनाते है, जिसमे रो इं दक्षिण एशिया कार्यालय की बकाया राशि शामिल होती है, और *रोटरी समाचार* की बकाया राशि का भुगतान 30 दिनों के भीतर किया जाना चाहिए। लेकिन सदस्य आमतौर पर समय पर भुगतान नहीं करते हैं और क्लब के अध्यक्ष अक्सर रोटरी के संविधान और उप-नियमों के अनुसार अनुशासनात्मक कार्यवाही करने के अनिच्छुक होते हैं। इसलिए बकाया शुल्क भेजने में देरी होती है।

मंडल गवर्नर, उनके दौरों के दौरान, अध्यक्ष से एवं प्रत्येक क्लब के निर्वाचित अध्यक्ष से मुलाकात करते हैं और उन बकाया देय शुल्कों की जांच करते है जो क्लब अध्यक्षों एवं क्लब सदस्यों के आकस्मिक या असावधानीपूर्ण रवैये के कारण बनते हैं।

क्लब का प्रत्येक सदस्य रु420 प्रति वर्ष चुकाता है। वर्ष 2016-17 में *रोटरी समाचार* को देय शुल्क रु40 लाख था जिसका मतलब एक वर्ष तक लगभग 10,000 सदस्यों ने उनकी सदस्यता राशि नहीं चुकाई। और, जैसे कि हमारे क्षेत्र में औसत क्लब सदस्य संख्या 40 है, इसका मतलब 240 क्लबों ने पूरे एक वर्ष तक उनकी बकाया राशि नहीं चुकाई। रोटरी नेतृत्वकर्ताओं को नेतृत्व करने के साथ-साथ कार्यवाही करनी होगी क्योंकि वे आर्थिक मामलों के प्रति आँखें नहीं मूँद सकते क्योंकि यह रोटरी संस्थान की संरचना को कमजोर बनाता है।

कैलाश प्रसाद गुप्ता,
रोटरी क्लब उदयपुर, मंडल - 3052

मैंने रो इं निदेशक की अपील (*अपनी पत्रिका की बकाया राशि का भुगतान करें, मई अंक*) पढ़ी। मैं सुझाव देता हूँ कि संबंधित डीजीयों को क्लब-अनुसार बकाया राशियों की सूची भेजी जानी चाहिए इस अनुरोध के साथ कि वे बकायेदार क्लबों के एजीयों के माध्यम से बकाया राशि दिलवाने में मदद करें। इससे उन क्लबों से सामंजस्य स्थापित करने में मदद मिलेगी जिन्हें अब भी पत्रिका का बकाया चुकाना है।

डॉ सुदाम बासा, रोटरी क्लब भुवनेश्वर - मंडल 3262

रोटेरियन गुप्ता और बासा को उनके समर्थन के लिए धन्यवाद। डीजीयों को पहले से ही समय-समय पर उनके मंडलों की बकाया राशि की जानकारी दी जा रही है।

संपादक

दुनिया को रोटरी के कार्यों को जानने दीजिये

जून अंक में रोटेरियनों के लिए प्रकाशित सन्देश *आइये, दुनिया को अपने काम की कीमत बताएं* की मैं प्रशंसा करता हूँ। रोटरी में मेरे 36 वर्षों के दौरान, मैंने रोटेरियनों को महान कार्य करते हुए देखा है परन्तु उसका मीडिया या समाज में उचित ढंग से प्रदर्शन नहीं हुआ।

मैंने एक रक्त दान शिविर के दौरान LocalCircles.com की मदद ली ताकि जरूरतमंद मरीज़ और दानकर्ता समय पर अस्पताल पहुँच सके। इसके अलावा, LocalCircles के सदस्य उनकी आगामी परियोजना की जानकारी 'कार्यक्रम' कॉलम में दे सकते हैं। मैंने ऐसा 1 जुलाई को होने वाले रक्त दान शिविर के लिए किया है। नई दिल्ली स्थित रोटरी ब्लड बैंक, तुगलकाबाद इस समुदाय का हिस्सा है और LocalCircles.com पर पोस्ट करके रक्त के जरूरतमंद लोगों की मदद कर रहा है।

पीपी टी डी भाटिया,
रोटरी क्लब दिल्ली मयूर विहार - मंडल 3012

उत्कृष्ट सम्पादकीय और लेख। इसे बरकरार रखिये

रशीदा भगत को पर्यावरण के महत्वपूर्ण मुद्दे को जून अंक के संपादकीय - *पौधा रोपो, क्रांति शुरू करो* - में उठाने के लिए मेरी शुभकामनाएं जिसे यदि जोश एवं मिशन के साथ लागू किया जाये, तो भावी पीढ़ियाँ हमारा धन्यवाद करेंगी। मंडल 3131 के पीडीजी विवेक अरान्हा को कुछ अलग एवं उत्कृष्ट करने - उनके मंडल में अमलतास के हजारों पेड़ लगाने - के लिए सलाम जिसकी कोई तुलना नहीं है और जो रोटरी जगत के प्रत्येक कोने से प्रशंसा पाने का हकदार है।

हर कोई पेड़ लगाने की बात करता है लेकिन कोई भी ध्यान नहीं दे रहा है। जंगलों और शहरी एवं ग्रामीण इलाकों दोनों में पेड़ों को लगातार गिराया जा रहा है।

राज कुमार कपूर,
रोटरी क्लब रूपनगर - मंडल 3080

मुझे हर महीने *रोटरी समाचार* पढ़ना बहुत अधिक पसंद है। प्रत्येक अंक में एक या दो बेहतरीन लेख होते है। जून महीने में दो लेख सर्वश्रेष्ठ थे - *सुपर एजर्स का उदय* और आईपीएस अधिकारी अर्चना रामसुंदरम पर *बाधायें चूर-चूर हुई*। इसे बरकरार रखिये। भगवान भला करें।

सुशु कमलानी, रोटरी क्लब बॉम्बे मिडटाउन - मंडल 3141

जून अंक की सम्पादकीय *पौधा रोपो, क्रांति शुरू करो* समय की मांग है। मुझे मेरे 15 वर्षीय बेटे

आरआईडीई भास्कर के विचारों को लागू कीजिये

लेख ग्लोबल ग्रांट की निगरानी करने जल्द ही एक पैनल (जून अंक), जो समय की मांग है, को पढ़ना आनंदित कर देने वाला है। मंडल 3070 में, लेखा बनाने में कोई पारदर्शिता नहीं है और किसी भी गवर्नर ने कभी भी नियमावली के अनुसार 90 दिनों के भीतर, या उसके बाद भी, बैलेंस शीट प्रस्तुत नहीं की है। भावी नेतृत्वकर्ताओं के प्रशिक्षण के संदर्भ में, पेट्स या मंडल बैठक बस एक तस्वीर खिंचवाने का कार्यक्रम है और इन बैठकों में मंडल नेतृत्वकर्ता केवल उनकी छवि को बढ़ावा देने का प्रयास करते है और उनके खेमे के प्रत्याशित उम्मीदवारों के लिए प्रकट रूप से वोट माँगने के लिए मंच का इस्तेमाल करते हैं, जबकि प्रशिक्षण को कम प्राथमिकता दी जाती है।

मंडल बैठकों और पुरस्कार समारोहों के आयोजन में समय और पैसा बर्बाद किया जा रहा है। वीडियो के माध्यम से प्रशिक्षण (जैसा आरआईडीई सी. भास्कर द्वारा सुझाया गया था) एक उत्कृष्ट विचार है और इसका जोशीले ढंग से अनुसरण किया जा सकता है क्योंकि आधुनिक तकनीक को समय एवं खर्च को कम करने के लिए काम में लाना चाहिए। आने वाले रो इं निदेशक के विचारों को ध्यान में रखना चाहिए और उसका सभी मंडल गवर्नरों द्वारा सम्मान किया जाना चाहिए।

एच. एस. खुराना,

रोटरी क्लब लुधियाना - मंडल 3070

एक प्रेरणा स्रोत

लेख भारतीय रोटेरियनों की गुणवत्ता एवं सहभागिता को बेहतर बनाना है, इतना आकर्षक है कि मैंने इसे दो बार पढ़ा। आरआईडीई सी. भास्कर द्वारा व्यक्त किये गए विचार और संपादक की लेखन कला प्रशंसनीय है। वह हर रोटेरियन के लिए प्रेरणास्रोत है। मैं क्लबों को मजबूत बनाने, आने वाले पदाधिकारियों एवं रोटेरियनों के लिए बेहतर प्रशिक्षण, और वैश्विक अनुदान परियोजनाओं की निगरानी करने के उनके विचारों से सहमत हूँ। टीआरएफ निधि का उचित ढंग से उपयोग हो रहा है या नहीं इस बात को सुनिश्चित करने के लिए एक सुयोग्य अधिकारी द्वारा सभी परियोजनाओं के हिसाब किताब की जाँच और निगरानी की जानी चाहिए।

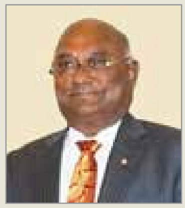

भारत में सदस्यता बढ़त अच्छी है, लेकिन डीजीईयों के ज़ोर देने के कारण आने वाले क्लब अध्यक्ष गुणवत्ता को ताक पर रखकर जो भी लोग उबलब्ध है उनको पकड़कर क्लब की सदस्यता बढ़ाने में लगे हुए है।

रो इं मंडल द्वारा डीजीयों के चुनाव में, धर्म-पिता, 'बड़ा भाई', राजा निर्माता और गुटबंदी जैसे भ्रष्टाचार को खत्म करने के लिए उठाये गए कदमों के बावजूद भी यह बहुत अधिक व्याप्त है। हर रोटेरियन को डीजी के चुनाव के लिए मतदान करना चाहिए, और मतदान लोकतांत्रित गुप्त मतपत्र द्वारा करना चाहिए ताकि कुरीतियों को कम किया जा सकें।

रामकृष्ण के, रोटरी क्लब पुत्तूर - मंडल 3181

पोलियोप्लस शिक्षा के लिए धन्यवाद

मुझे *रोटरी समाचार* पिछले कई वर्षों से मिल रहा है जब से वर्ष 2000 से मैं एक रोटेरियन हूँ। रशीदा भगत द्वारा सम्पादक का पद सँभालने के बाद से पत्रिका का पूरा प्रस्तुतीकरण बदल गया है। पूरा खाका और प्रकाशित विषय इतने मज़ेदार हो गए है कि पूरी पत्रिका को एक बार में पढ़ने का मन करता है।

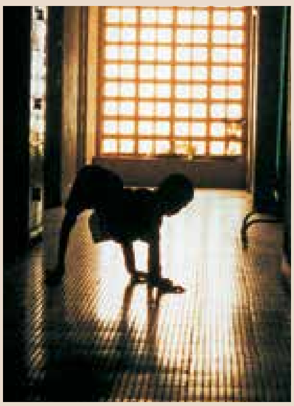

पोलियोप्लस पर लेख (*पोलियोप्लस में प्लस क्या है?*, जून अंक) अत्यंत शिक्षाप्रद है, और साथ ही पोलियो के संपूर्ण इतिहास को सरल शब्दों में व्यक्त किया गया है। हम में से बहुत से लोगों को नहीं मालूम था कि पोलियोप्लस में प्लस कैसे जुड़ा। डॉक्टर टी. जैकब जॉन ने खूबसूरती से ना केवल पोलियो उन्मूलन के लिए भारत की पहलों का बल्कि दुनिया भर में यूआईपी की शुरुआत करने का भी वर्णन किया।

मुझे विश्वास है कि ऐसे विषय रोटेरियनों को शिक्षित करेंगे और उनमें से बहुतों को उनकी बिरादरी में उनके विचारों को साझा करने के लिए प्रेरित करेंगे।

रमेश खेरा, रोटरी क्लब भोपाल हिल्स - मंडल 3040

नीलांश का एक छोटा लेकिन ताकतवर सन्देश याद आया जो उसने तब दिया जब हम इस लेख और पेड़ लगाने की महत्ता पर चर्चा कर रहे थे। उसने कहा, ''अगर पेड़ वाई-फाई दे सकते, तो शायद इंसान को उनकी महत्ता को अंदाजा होता। लेकिन दुर्भाग्यवश, वे केवल ऑक्सीजन पैदा करते हैं।''

ताकतवर शब्द हमारी पीढ़ी की गलत प्राथमिकताओं पर निशाना साधते हुए।

आर. मुरली कृष्ण, पूर्व अध्यक्ष,

रोटरी क्लब बेरहमपुर - मंडल 3262

मैं रोटरी में 33 वर्षों से हूँ और पहले से अधिक उत्साहित हूँ। इयान राय्सली के वर्ष को रोटरी अंतर्राष्ट्रीय अध्यक्ष के रूप में देखने की आशा करता हूँ (*हाज़िर जवाब और ज़िंदादिल*, जून अंक), और एटलांटा समारोह में धरती के कुछ महान लोगों के इकठ्ठा होने की प्रतीक्षा करता हूँ।

फिलिप स्मिथ,

रोटरी क्लब स्मेथपोर्ट - मंडल 7280

अपने विचार संपादक को भेजें: rotarynews@rosaonline.org; rushbhagat@gmail.com **पर ई-मेल करें।**

Governors Council

RI Dist 2981	DG	P S Ramesh Babu
RI Dist 2982	DG	Dharmesh R Patel
RI Dist 3000	DG	P Gopalakrishnan
RI Dist 3011	DG	Ravi Choudhary
RI Dist 3012	DG	Sattish Singhal
RI Dist 3020	DG	G V Rama Rao
RI Dist 3030	DG	Dr K Sunder Rajan
RI Dist 3040	DG	Dr Zamin Hussain
RI Dist 3053	DG	Rajkumar Bhutoria
RI Dist 3054	DG	Maullin Manubhai Patel
RI Dist 3060	DG	Ruchir Anirudh Jani
RI Dist 3070	DG	Parvinder Jit Singh
RI Dist 3080	DG	Praveen C Goyal
RI Dist 3090	DG	Bagh Singh Pannu
RI Dist 3110	DG	Vinay Kumar Asthana
RI Dist 3120	DG	Ranjeet Singh
RI Dist 3131	DG	Abhay Gadgil
RI Dist 3132	DG	Vyankatesh Vithal Channa
RI Dist 3141	DG	Prafull J Sharma
RI Dist 3142	DG	B M Sivarraj
RI Dist 3150	DG	J Abraham
RI Dist 3160	DG	Madhu Prasad Kuruvadi
RI Dist 3170	DG	Anand Kulkarni
RI Dist 3181	DG	M M Chengappa
RI Dist 3182	DG	G N Prakash
RI Dist 3190	DG	Asha Prasanna Kumar
RI Dist 3201	DG	Vinod Krishnan Kutty
RI Dist 3202	DG	Sivashankaran P M
RI Dist 3211	DG	Suresh Mathew
RI Dist 3212	DG	Chinnadurai Abdullah
RI Dist 3231	DG	Jawarilal Jain K
RI Dist 3232	DG	R Srinivasan
RI Dist 3240	DG	Sunil Saraf
RI Dist 3250	DG	Vivek Kumar
RI Dist 3261	DG	Harjit Singh Hura
RI Dist 3262	DG	Ajay Agarwal
RI Dist 3291	DG	Brojo Gopal Kundu

Board of Permanent Trustees & Executive Committee

PRIP	Rajendra K Saboo	RI Dist 3080
PRIP	Kalyan Banerjee	RI Dist 3060
PRID	Sudarshan Agarwal	RI Dist 3011
PRID	Panduranga Setty	RI Dist 3190
PRID	Sushil Gupta	RI Dist 3011
PRID	Ashok Mahajan	RI Dist 3140
PRID	Yash Pal Das	RI Dist 3080
PRID	Shekhar Mehta	RI Dist 3291
PRID	P T Prabhakhar	RI Dist 3230
PRID	Dr Manoj D Desai	RI Dist 3060
RID	C Basker	RI Dist 3000

Executive Committee Members (2017–18)

DG B M Sivarraj Chair – Governors Council	RI Dist 3142
DG R Srinivasan Secretary – Governors Council	RI Dist 3232
DG Abhay Gadgil Secretary – Executive Committee	RI Dist 3131
DG Vivek Kumar Treasurer – Executive Committee	RI Dist 3250
DG P Gopalakrishnan Member – Advisory Committee	RI Dist 3000

ROTARY NEWS / ROTARY SAMACHAR

Editor
Rasheeda Bhagat

Senior Assistant Editor
Jaishree Padmanabhan

Send all correspondence and subscriptions to

ROTARY NEWS TRUST
3rd Floor, Dugar Towers, 34 Marshalls Road
Egmore, Chennai 600 008, India.
Phone : 044 42145666
e-mail : rotarynews@rosaonline.org
Website : www.rotarynewsonline.org

Printed by Mukesh Arneja at Thomson Press (India) Ltd, Plot A-9, Industrial Complex, Maraimalai Nagar 603209, India and published by Mukesh Arneja on behalf of Rotary News Trust from Dugar Towers, 3rd Flr, 34, Marshalls Road, Egmore, Chennai 600 008. Editor: Rasheeda Bhagat.

The views expressed by contributors are not necessarily those of the Editor or Trustees of Rotary News Trust or Rotary International. No liability can be accepted for any loss arising from editorial or advertisement content. Contributions – original content – is welcome but the Editor reserves the right to edit for clarity or length. Content can be reproduced, but with permission from RNT.

संपादक
का संदेश

एक अविस्मरणीय सम्मेलन

एटलांटा सम्मेलन, जहाँ रोटरी फ़ाउंडेशन ने दुनिया में अपने अच्छे कार्य करने का सौंवा जन्मदिन मनाया, और जिसकी रूपरेखा तय करने में कई वर्षों की मेहनत लगी, कई मायनों में एक अद्वितीय उत्सव था।

दुनिया के लगभग हर उस देश से जिसकी आप कल्पना कर सकते हैं, 40,000 से ज़्यादा रोटेरियनों की भागीदारी वाले इस कन्वेंशन को बिल्कुल सूक्ष्मता से संचालित किया गया था। निश्चित रूप से उसकी सबसे बड़ी उपलब्धि थी माइक्रोसॉफ़्ट के प्रतिष्ठित संस्थापक और परोपकारी बिल गेट्स की उपस्थिति, और साथ ही उनका रोटरी से इस कदर प्रभावित होना कि वे रोटेरियनों की प्रशंसा करते नहीं थके। खचाखच भरे विशाल जॉर्जिया वर्ल्ड कॉंग्रेस सेंटर में जहाँ सामान्य सत्रों तक पहुँचने के लिये एक किलोमीटर से ज़्यादा पैदल चलना पड़ता था, गेट्स ने अपने विनम्रता भरे भाषण से श्रोताओं को सम्मोहित कर दिया। बार-बार तालियों की गूँज के बीच अपने भाषण में उन्होंने नये चर्चित शब्द, 'जीरो प्लस', के बहुत करीब पहुँचने का लगभग पूरा श्रेय रोटेरियनों को ही दे दिया। उनके स्वर या अर्थ में ऐसा कहीं कोई संकेत नहीं था कि पोलियो उन्मूलन के लिये उनका खुद का भी कितना बड़ा योगदान और समर्थन रहा है। यदि वहाँ उपस्थित लोगों को इस बात की जानकारी नहीं होती तो उन्हें इस बात का ज़रा सा भी आभास ही नहीं हो पाता।

यदि उन चंद छोटे लम्हों को छोड़ दिया जाये जब उन्होंने संख्याओं का ज़िक्र किया, तो उनकी उद्घोषणा पर कि अगर रोटरी अगले तीन वर्षों में 150 मिलियन डॉलर जमा करने के अपने लक्ष्य पर टिकी रहती है तो वे हर एक डॉलर के बदले में दो डॉलर देंगे, हॉल तालियों की गड़गड़ाहट से लगातार गूँजता रहा। उन्होंने कहा, हम मिल कर ज़ीरो प्लस की कामयाबी के लिये 450 मिलियन डॉलर जमा करेंगे। इससे 2007 से शुरू हुई हमारी साझेदारी की कुल राशि लगभग डेढ़ अरब डॉलर हो जाएगी। यह बिल्कुल अद्भुत बात है। इसमें अगर वह राशि मिला दी जाए जिसे कनाडा, जर्मनी, यूरोपियन कमिशन, जापान, और खाड़ी के देशों ने अपने साझेदारों के साथ मिलकर देने का वादा किया है, तो रोटरी पृथ्वी से पोलियो के उन्मूलन करने के लिये अगले तीन सालों में 1.2 अरब डॉलर जमा कर लेगी। लेकिन यह कहते हुए कि यह राशि पोलियो की कहानी का सिर्फ़ एक हिस्सा है, गेट्स ने पिछले 30 वर्षों में दुनिया भर में, खास कर भारी ज़ोखिम वाले संघर्ष क्षेत्रों में, बच्चों को पोलियो की खुराक देकर उनके इम्यूनाइज़ेशन में अभूतपूर्व योगदान के लिये रोटेरियनों के काम की सराहना कर उन्हें भावविभोर कर दिया।

कन्वेंशन का एक और सुनहरा क्षण रहा टीआरएफ़ ट्रस्टी चेयर कल्याण बैनर्जी का भावोत्तेजक भाषण। वे वहाँ जमा रोटेरियनों को यादों के उस सफ़र पर ले गये जब चमत्कारी दृष्टिवाले आर्च सी क्लंफ़ को एक के बाद एक विश्वयुद्ध से जूझ रही और महामंदी से त्रसित दुनिया में 26.5 डॉलर की छोटी सी राशि से एंडोमेंट फ़ंड की शुरुआत करने में दिक़्क़त हो रही थी। बैनर्जी ने कहा, उन्हें यह जानकर घोर आश्चर्य होगा कि उस ही फ़ाउंडेशन ने आज सौ साल बाद दुनियाभर के रोटेरियनों के उदार दिलों की बदौलत अपने अति महत्वपूर्ण कार्यक्रमों और परियोजनाओं के लिये 3.7 अरब डॉलर प्रदान किये हैं।

भारतीय रोटेरियनों के लिए किसी भी कन्वेंशन में साउथ एशिया रिसेप्शन बड़ा आकर्षण होता है, और उसमें रोटरी इंटरनेशनल के विश्व स्तर के ज़्यादातर नेता शिरकत करते हैं। यह मानना शायद उचित होगा कि वहाँ पर परोसा जानेवाला स्वादिष्ट भारतीय भोजन इस कहानी का सिर्फ़ एक पहलू है, और विश्व स्तर के नेता भारतीय रोटेरियनों द्वारा किये जा रहे असाधारण मानवतावादी कार्यों को मान्यता देने और उन्हें प्रोत्साहित करने के लिये इसमें उपस्थित होते हैं। इस साल बैनर्जी के 75वें जन्मदिन ने इस रिसेप्शन को और भी विशिष्ट बना दिया था, और उनकी पत्नी बिनौता की अनुपस्थिति में भारतीय रोटरी दुनिया के दूसरे दिग्गज नेता पीआरआईपी राजेंद्र के साबू और उनकी पत्नी उषा द्वारा बर्थडे ब्वॉय को दुलारना और उन पर गर्मजोशी से स्नेह और सौहार्द्रता उंड़ेलना देखकर सभी को आनंद आ रहा था।

रशीदा भगत

संवहनीय सेवा में सर्वश्रेष्ठ

प्रिय साथी रोटेरियनों,

रोटरी में आने के उतने ही कारण है जितने रोटेरियन है - शायद कुछ अधिक ही हो। परन्तु हम में से प्रत्येक व्यक्ति रोटरी में इसलिए है क्योंकि यह हमारी अपनी जिंदगियों में कुछ जोड़ती है। रोटरी के माध्यम से, *हम दुनिया में परिवर्तन ला रहे है*; और जितना अधिक हम इसमें शामिल होते है, उतना अधिक रोटरी हम में से प्रत्येक में परिवर्तन लाती है। रोटरी हमें बेहतर व्यक्ति बनने की चुनौती देती है: उन तौर-तरीको में मत्वाकांक्षी बनने के जो मायने रखते है, उच्चतर लक्ष्यों के लिए संघर्ष करने में, और हमारे दैनिक जीवन में स्वयं से बढ़कर सेवा को सम्मिलित करने के लिए।

जिस प्रकार का परिवर्तन रोटरी क्लब और व्यक्तिगत रोटेरियन उनकी सेवा के माध्यम से लाते है यह हमेशा उनका स्वयं का निर्णय होगा। एक संगठन के रूप में, हम तीन रणनीतिक प्राथमिकताओं से मार्गदर्शित होते है जिन्हें हमारे मंडल ने हमारी रणनीतिक योजना में तय किया है: हमारे क्लबों को समर्थन देना एवं मजबूत बनाना, हमारी मानवता की सेवा पर ध्यान देना एवं उसे बढ़ाना, और रोटरी की सार्वजनिक छवि एवं जागरूकता में वृद्धि करना।

आगामी वर्ष में, हमारे क्लबों को विशाल मात्रा में संवर्धित ऑनलाइन उपकरणों की सारणी का समर्थन प्राप्त होगा, जिसमें एक नया *rotary.org*, रोटरी संस्थान की सरल अनुदान आवेदन प्रक्रिया, एक बेहतर मेरी रोटरी अनुभव, और एक पुनर्निर्मित रोटरी क्लब सेंट्रल शामिल होगा। जब हम हमारे क्लबों को मजबूत बनाने की सोचते है, हमारी सदस्यता में दो विशेष चुनौतियाँ सामने आती है: हमारा लिंग संतुलन और हमारी औसत आयु। हमारे क्लबों को मजबूत रखने के लिए, हमें एक ऐसी सदस्यता बनाने की आवश्यकता है जो उस समुदाय को दर्शाए जिसकी हम सेवा करते है और जो आने वाली पीढ़ियों के लिए भी ज्ञानपूर्ण नेतृत्वकर्ताओं को विकसित कर सके।

अनेक वर्षों तक, एक विचार हमारी सभी सेवाओं के मध्य में रहा है: संवहनीयता। संवहनीय सेवा का मतलब है कि हमारा काम रोटरी की प्रत्यक्ष सहभागिता की समाप्ति के बाद भी निरंतर सकारात्मक प्रभाव डालता रहे। हम कुआँ खोदकर आगे नहीं बढ़ते है; हम सुनिश्चित करते है कि समुदाय उन कुओं का रखरखाव कर सके और उनकी मरम्मत कर सके। यदि हम एक चिकित्सालय बनाते है, हम सुनिश्चित करते है कि चिकित्सालय बिना हमारी निरंतर सहायता के भी चलता रहे। और बात जब पोलियो की आती है, हम उसे रोकने पर कार्य नहीं कर रहे है, हम उसे खत्म करने पर कार्य कर रहे है।

संवहनीय सेवाओं में पोलियो उन्मूलन सर्वश्रेष्ठ है। यह एक ऐसा निवेश है जो ना केवल दीर्घकालिक बल्कि स्थायी लाभ को जन्म देगा, एक वैश्विक स्तर पर। कार्य पूर्ण होने तक यह हमारी पहली प्राथमिकता है और इसे रहना ही होगा।

112 वर्षों तक, रोटरी ने अधिक जिंदगियों में, अधिक तरीकों से परिवर्तन लाये है, इतने अधिक तरीकों से जिन्हें हम ना कभी गिन सकते है और ना जान पाएंगे। आज, हम में से प्रत्येक के पास एक मशाल है, जिसमें आग पॉल हैरिस ने लगायी थी और जिसे पीढ़ी दर पीढ़ी आगे बढ़ाया गया, *रोटरी: परिवर्तन ला रही हैं।*

इयान एच.एस. राय्सली
अध्यक्ष, रोटरी इंटरनेशनल, 2017-18

रो इं निदेशक

का संदेश

आइये, एक परिवर्तन लायें

प्रिय रोटेरियनों,

रोटरी वर्ष 2016-17 अनेक सकारात्मक बातों के साथ समाप्ति पर आ गया है: क्लबों द्वारा शानदार प्रदर्शन, उत्कृष्ट सामूहिक कार्य और संस्थान को बड़े योगदान। इसके साथ ही, वर्ष के दौरान, विश्व भर में रोटरी ने क्लब स्तर पर 35,000 से अधिक नेतृत्वकर्ताओं का निर्माण किया है जिन्हें 'पूर्व अध्यक्ष' के नाम से जाना जाता है और मंडल स्तर पर लगभग 535 नेतृत्वकर्ताओं का निर्माण किया है जिन्हें 'पूर्व गवर्नर' के नाम से जाना जाता है। हमारे संगठन से जुड़ने, उसकी सेवा करने एवं उसे मजबूत बनाने के लिए अनेक नए क्लबों को अधिकृत किया गया है। यह सभी कुछ रोटरी के 116 वर्ष के शानदार इतिहास में एक और पृष्ठ जोड़ने के लिए है। बहुत कम संगठन इतने समय तक जीवित रहते है; और उसमें भी कुछ ही उतनी तेजी से बढ़ना जारी रखते है जितना रोटरी ने उसके 117वें वर्ष में दाखिल होने तक जारी रखा।

नया रोटरी वर्ष (2017-18) नेतृत्व में परिवर्तन देखेगा। प्रत्येक वर्ष प्रत्येक नेतृत्व के स्तर पर होने वाला यह बदलाव बहुत से रोटेरियनों को उनके नेतृत्व के कौशल को दिखाने का अवसर प्रदान करता है और अन्य रोटरियनों को नए जोश एवं ऊर्जा के साथ सेवा करने के लिए प्रोत्साहित करता है।

वर्तमान समय में बदलाव एक अचल कारक है। बदलाव अवसर लाता है। हमें इसे थामना चाहिए और हमारा अच्छा कार्य जारी रखने के लिए इसका इस्तेमाल करना चाहिए ताकि हम जिनकी सेवा करते है उनके बेहतर भविष्य को सुनिश्चित कर सके। एक बार जब किसी ने एक किसान से पूछा, ''तुम आज क्या कर रहे हो?'' किसान ने उत्तर दिया, ''मैं पूर्व में किये गए कठिन परिश्रम का आनंद ले रहा हूँ।'' हम किसान की सूक्ष्म प्रतिक्रिया को समझते है: आखिरकर हमारी भी 116 से अधिक वर्षों की विरासत है। परन्तु आने वाला कल क्या लायेगा इसका विचार हमेशा हमारे दिमाग में खटकता रहता है, बेहतर करने के लिए हमें प्रेरित करते हुए।

अब, किसान जानता है कि जो खेत आज बंजर है उन्हें कल फसल के लिए तैयार करने के लिए, आज ही मिट्टी को जोतना होगा और बीजों को बोना होगा ताकि अच्छी पैदावार हो सके। यह विचार किसान के दिमाग में चल रहा है। नियोजन, समन्वयन, प्रक्रिया एवं कठिन परिश्रम की आवश्यकता होती है। और ऐसा कहा जाता है कि काणी के ब्याह में सौ जोखिम होते है। अंततः, सफलता सभी कार्यों को सही समय पर करने के बाद मिलती है।

हम रोटेरियन यह जानते है कि रातोंरात सफलता जैसा कुछ नहीं होता है। थॉमस एडिसन ने एक बार कहा था: बुद्धिमान व्यक्ति में एक प्रतिशत प्रेरणा और 99 प्रतिशत पसीना होता है। सर्वश्रेष्ठ तब होता है जब हम कुछ सीखते है, उसका निरंतर अभ्यास करते है, उसमें सुधार करते है और फिर अधिक सीखते रहना जारी रहते है। सीखना एक सतत प्रक्रिया है। सीखना व्यक्तिगत होता है - यह हमारी जरूरत, हमारी सीखने की रीति और हमारे नियोजन के अनुसार परिवर्तित होता है।

हमारे चारों ओर स्थित समुदायों की सेवा करने के लिए रोटरियन सुविचारित योजनाओं एवं रणनीतियों के साथ एवं 200 देशों में 1.2 मिलियन रोटरियनों की सेना के साथ कार्य करते है।

1 जुलाई से, हमारे पास पूरे 12 महीने होंगे:

12 महीने:

- अवसरों के
- चुनौतियों के
- हमारी नेतृत्व क्षमताओं को साबित करने का वक्त
- कार्यवाहियाँ और परिणाम
- रोटरी में नए सदस्यों को शामिल करना
- हमारे समुदायों की आवश्यकताओं को समझना
- दलों के रूप में बातचीत एवं कार्य करना
- रोमांचक अनुभव
- बेहतर कार्य करने के लिए हमारे सम्प्रेषण कौशलों का विकास
- रोटरी की सच्ची भावना में परिचितों को दोस्तों में तब्दील कीजिये
- खुशी, ऊर्जा एवं जोश और
- टीआरएफ के माध्यम से लायक परियोजनाओं में योगदान देना।

हमारे पूरे 12 महीनो का पूर्ण उपयोग करने के लिए, मेरे प्यारे पथ प्रदर्शकों, मंडल अफसरों एवं क्लब अफसरों के हमारे भली-भांति प्रशिक्षित दल के माध्यम से रोटरी के लक्ष्यों को हासिल करने के लिए आगे बढ़िये!

C. B...

सी भास्कर

निदेशक, रोटरी इंटरनेशनल

फाउंडेशन न्यासी

अध्यक्ष का संदेश

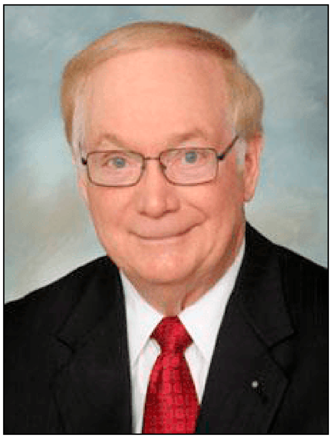

संस्थान और एक विचार की शक्ति

यह कल ही की बात लगती है जब मैं 26 साल का था और रोटरी का एकदम नया सदस्य बना था। जब मैं मेरी तीसरी बैठक से चूक गया और मेल-मिलाप करने में विफल रहा, मेरे प्रायोजक ने मुझे नीचे बैठाया और पहली बार वास्तव में रोटरी के मूल्यों को समझाया। मैंने उनके शब्दों को दिल पर लिया और तब से कोई भी बैठक नहीं चूका। अब, 49 साल बाद, लगभग उस दिन तक - रोटरी क्लब लॉस एन्जेलेस (एलए5) का गौरवान्वित सदस्य रहते हुए - मैं इस वर्ष रोटरी संस्थान के ट्रस्टियों के अध्यक्ष के रूप में सेवा देने के लिए सम्मानित और विनीत हूँ।

संस्थान की शुरुआत एक साधारण विचार से हुई: दुनिया में अच्छा करने के लिए। सौ साल बाद, हमें पता है कि क्या हुआ था - जैसा कि हमने इस वर्ष संस्थान के शताब्दी वर्ष के उत्सव के दौरान जाना।

उन वर्षों के दौरान, रोटरियनों ने हजारों कार्यक्रमों, परियोजनाओं एवं छात्रवृत्तियों के लिए 4.1 बिलियन डॉलर से अधिक इकठ्ठा करके निवेश किये। संक्षिप्त में, संस्थान एक विचार की शक्ति का जीवंत इतिहास है। एक रोटेरियन अपना विचार उसके क्लब से साझा करता है या करती है, और - संस्थान की अनुदान की राशी की सहायता से - अद्भुत चीज़ें होती है।

एक रोटेरियन बनने का यह एक रोमांचक समय है। रोटरी संस्थान की द्वितीय शताब्दी का यह प्रथम वर्ष है, और हम मानव इतिहास की सबसे अद्भुत उपलब्धियों में से एक में भाग लेने की कगार पर है: पोलियो उन्मूलन। बत्तीस साल पहले, पोलियोप्लस शुरू हुआ और उसने एक उत्प्रेरक के रूप में सेवा दी जिसने दुनियाभर के रोटरियनों एवं साझेदारो को इसमें शामिल किया। आज पोलियो मानव इतिहास में उन्मूलित होने वाली दूसरी बीमारी बनने की राह पर है। सीएनबीसी, एक अग्रणी वैश्विक मीडिया आउटलेट, ने हाल ही में रोटरी संस्थान को दुनिया को बदलने वाले शीर्ष दस धर्मार्थ संगठनों की अपनी सूची में तीसरे स्थान पर रखा।

आगामी महीनों में मैं अगले वर्ष एवं उससे आगे के लिए हमारे संस्थान के लक्ष्यों पर चर्चा करने की उम्मीद करता हूँ। मुझसे अपने विचार *paul.netzel@rotary.org* पर साझा कीजिये। स्वयं से पूछिए, कोई समस्या जो मेरे समीप और करीब है से निपटने के लिए मैं क्या कर सकता हूँ? आपकी मदद करने के लिए आप संस्थान को कैसे शामिल करेंगे? याद रखिये, इसमें - एक महान संगठन के साथ में - केवल एक विचार के साथ एक व्यक्ति की एवं रोटरी के उन शाश्वत मूल्यों की आवश्यकता है जो मैंने पूर्व में सीखे थे। यह कल ही की बात लगती है।

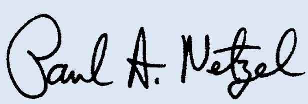

पॉल ए. नेटज़ेल

फाउंडेशन न्यासी अध्यक्ष

कैंसर की देखभाल में गुणवत्ता मामले

पूर्व की अपेक्षा अधिक बच्चे कैंसर से जीवित बच रहे हैं। अधिकांश प्रकार के कैंसर पूर्ण रूप से ठीक किए जा सकते हैं किंतु या तो उसके लिए अधिक सुविधाएँ सज्जित नहीं थीं अथवा लोग सजग नहीं थे। कारण भिन्न थे, कुछ मरीज विशिष्ट और कुछ तुच्छ थे। उदाहरण के लिए, अस्पताल तक जाने के लिए धन न होना अथवा यहाँ उनका साथ देने के लिए कोई नहीं, ऐसा नहीं कहा जाना कि बीमारी चार अथवा पाँच मुलाकातों में पूर्ण रूप से ठीक की जा सकती है, इत्यादि।

आँकड़े खुलासा करते हैं कि प्रत्येक वर्ष हमारे राज्य में लगभग 6000 से 8000 बच्चों में कैंसर की पहचान होती है। हमारे राज्य में ठीक होने की समग्र दर का आकलन 10% किया जाता है जब विश्वव्यापी मानक 90% से तुलना की जाती है।

उन बच्चों में से 40% BPL से संबंध रखते हैं। कैंसर का उपचार बहुत महँगा है और इन लोगों के लिए वहनीयता के परे है, जिसका परिणाम मृत्य होता है। वंचित वर्ग के बच्चों के पास कोई साधन अथवा वित्तीय सहायता नहीं होती है। बसावर्तकम इंडो अमेरिकन कैंसर हॉस्पिटल एंड रिसर्च इंस्टिट्यूट (BIACHRI) आप जैसे संरक्षकों के उदार दानों के माध्यम से निशुल्क उपचार प्रदान करने के पदों में ऐसे लोगों की सहातया करता है। उपचार में आवश्यकता के आधार पर कीमोथेरेपी, रेडियोथेरेपी और सर्जरी सम्मिलित होती है।

हम कैंसर से लडने वाले बच्चों की देखभाल को सुधारने के लिए हमारे प्रयास में आपकी उदार सहायता की वास्तव में प्रशंसा करते हैं। आपका योगदान आयकर अधिनियम की धारा 80G के अंतर्गत खढ लाभों का पात्र है।

प्राप्त दानों का खाता पृथक रूप से रखा जाता है और उल्लेखित उद्देश्य के लिए न्यायपूवर्क खर्च किया जाता है

हम ₹50,000 और अधिक के दानदाताओं को स्वयं और दंपत्ति के लिए एक प्रशंसात्मक कैंसर चेक, ₹25,000/- और अधिक के दानदाताओं को स्वयं के लिए एक प्रशंसात्मक कैंसर चेक और ₹10,000/- हम स्वयं के लिए कैंसर जाँच पर 10% छूट प्रदान कर रहे हैं।

समय निर्धारण के लिए कृपया संपर्क कीजिए +91 95537 98500, +91 98493 98879

For those using EFT/ NEFT/ RTGS payment System INR donations to the following Bank Account.

Name of the Account: **Smt. Nandamuri Basavataraka Rama Rao Memorial Cancer Foundation Corpus Fund A/c.**

Bank Account No.: **151411100000070**

Name & Address of the Bank: Andhra Bank, Road No. 14, Banjara Hills, Hyderabad - 500 034

MICR Code No.: 500011118 | IFSC Code No.: ANDB0001514 | SWIFT Code: ANDBINBB

You can also pay Online or with your Credit Card. Visit our **www.induscancer.com**

Please download form from our website and send in duly filled along with your cheque/ DD to the below address

BASAVATARAKAM INDO-AMERICAN CANCER HOSPITAL & RESEARCH INSTITUTE

Dept. of Corporate Affairs and Strategic Alliance

BASAVATARAKAM INDO-AMERICAN
CANCER HOSPITAL AND RESEARCH INSTITUTE

Promoted by Smt. Nandamuri Basavataraka Ramarao Memorial Cancer Foundation and Indo-American Cancer Organisation

Road No. 14, Banjara Hills, Hyderabad - 500 034 India T: +91 40 2355 1235 Ext. 2315

WINNER 2015
CNBC TV18 & ICICI LOMBARD India Healthcare Awards, 2014
Best Single Speciality Hospital "ONCOLOGY"

Amongst India's
15 Best Cancer Hospitals
The WEEK-NIELSEN Survey, 2013 & 2014

www.induscancer.com **Toll-free: 1800 4253 6666**

An IRYLA in the Maldives

Rotary Club of Mulund, D 3141, is hosting an International RYLA in the Maldives from September 8 to 13, for youngsters between age 15 and 30. The event is supported by RC Malé, D 3220, and Districts 3141 and 3220. The tour is ex-Thiruvananthapuram (Trivandrum) in Kerala and charges include airfare from Trivandrum to Malé and back, accommodation, food, activities, awards, participation certificate and sight-seeing. Passport should be valid till March 13, 2018. Visa is on arrival.

For details contact, District Convenor & RYLA Chair Deepak Lala at 9821096054/ dmlala75@yahoo.co.in, or Vijay Thapar at 9820690239.

District Wise TRF Contributions as on May 2017

(in US Dollars)

District Number	APF	PolioPlus*	Other Restricted	Endowment Fund	Total Contributions
India					
2981	2,95,487	23,539	0	0	3,19,026
2982	36,964	16,692	0	0	53,655
3000	2,80,136	0	69,105	70,382	4,19,623
3011	11,43,030	45,123	2,59,220	4,38,373	18,85,746
3012	2,30,549	24,322	79,143	8,000	3,42,015
3020	52,388	12,985	0	1,06,914	1,72,287
3030	-5,129	0	-1,76,099	-8,825	-1,90,053
3040	8,972	414	25,712	0	35,098
3051	27,963	424	0	0	28,386
3052	-14,952	0	53,175	0	38,223
3053	34,298	0	0	12,500	46,798
3060	1,37,444	1,241	33,315	88,510	2,60,509
3070	98,481	1,368	15,722	0	1,15,572
3080	1,21,097	36,861	1,79,455	53,895	3,91,308
3090	48,704	0	0	0	48,704
3110	42,009	26,815	2,63,100	0	3,31,924
3120	45,116	626	30,000	0	75,742
3131	3,55,942	49,000	3,10,519	1,24,955	8,40,415
3132	59,737	3,713	16,877	10,462	90,788
3141	9,52,721	76,703	4,58,725	35,960	15,24,110
3142	1,88,542	1,617	5,250	5,000	2,00,409
3150	1,85,540	21,871	1,54,760	97,585	4,59,756
3160	1,32,311	3,198	3,000	0	1,38,510
3170	1,54,649	22,752	75,294	62,305	3,14,999
3181	1,88,544	4,118	27,261	0	2,19,923
3182	79,925	2,476	24,709	35,373	1,42,483
3190	5,28,097	2,592	1,88,710	74	7,19,473
3201	91,640	10,647	93,094	0	1,95,381
3202	38,585	2,850	0	15	41,450
3211	1,37,044	1,015	3,505	18,015	1,59,579
3212	1,26,984	25,992	49,265	4,000	2,06,241
3230	2,93,620	17,376	1,94,664	36,177	5,41,837
3240	1,27,528	11,361	0	9,483	1,48,372
3250	28,106	0	722	0	28,828
3261	28,815	100	1,21,140	0	1,50,055
3262	1,33,500	5,762	1,27,208	2,000	2,68,470
3291	1,47,350	5,450	93,108	9,875	2,55,783
India Total	**65,68,809**	**4,59,001**	**27,79,658**	**12,21,027**	**1,10,28,496**
3220 Sri Lanka	1,42,723	490	915	11,068	1,55,196
3271 Pakistan	74,760	1,16,362	20,011	100	2,11,234
3272 Pakistan	1,02,823	22,575	0	4,000	1,29,398
3281 Bangladesh	2,08,110	31,771	1,05,617	10,000	3,55,498
3282 Bangladesh	85,115	4,157	27	3,000	92,298
3292 Nepal	3,26,190	1,471	2,25,591	0	5,53,251
South Asia Total	**75,08,530**	**6,35,827**	**31,31,819**	**12,49,195**	**1,25,25,372**
World Total	**11,36,39,748**	**2,92,95,236**	**1,26,84,207**	**2,36,39,459**	**17,92,58,649**

** Excludes Bill and Melinda Gates Foundation.*

Source: RI South Asia Office

Häcker
kitchen. germanMade.

DELHI	MUMBAI	BENGALURU	KOCHI	COIMBATORE	CHENNAI	HYDERABAD	AHMEDABAD	LUDHIANA	JAIPUR	INDORE	THRISSUR
9313134488	9322987229	9740999350	9895058285	9500210555	9442081111	9700058285	9879538977	9815048222	9414058718	9425803599	7025991000

E-mail: info@hacker-kitchens.com
Website: www.haecker-india.com / www.haecker-kuechen.com

पोलियो एक दशक से मेरी सर्वोच्च प्राथमिकता है

रशीदा भगत

वह आये, देखे और आगे बढ़े' इस उक्ति का सही अर्थ यदि समझना है तो आपको विशालकाय जॉर्ज कन्वेंशन सेन्टर के बड़े सभागार में 'एटलांटा कन्वेंशन' में उपस्थित रहना चाहिए था, जहाँ माइक्रोसॉफ्ट के संस्थापक बिल गेट्स ने मौजूद श्रोताओं को ध्यान-मग्न और मंत्रमुग्ध कर दिया था। उस समय सेन्टर के भीतर ही हॉल में पहुँचने में 20 मिनट लगे, क्योंकि शाब्दिक तौर पर कहें तो आपको एक बार में एक-एक कदम अपने आपको चलाना पड़ा।

दुनिया के प्रत्येक देश का प्रतिनिधित्व करती रोटेरियंस की वह विराट एसेम्बली, बिल गेट्स द्वारा रोटरी की प्रशंसा में बोले गए एक-एक शब्द पर, आत्ममुग्ध होकर खुशी से आनन्दित हो उठी। विशेषकर पोलियो उन्मूलन के लिए बार-बार उनके द्वारा रोटरी के योगदान का जिक्र करने पर समूचा हॉल कई बार तालियों की गड़गड़ाहट से गूँज उठा।

वास्तव में बिल गेट्स ने पूरे सदन को यह कह कर विचारमग्न कर दिया कि रोटरी आगामी तीन वर्ष में यदि 150 मिलियन डॉलर की राशि एकत्रित करने के अपने लक्ष्य पर कायम है तो वे प्रति डॉलर के सामने दो डॉलर ''मैच'' करेंगे और इस तरह अगले तीन वर्ष में ''**हम मिलकर पोलियो को 'जीरो' करने के लिए 450 मिलियन डॉलर जुटा सकते हैं।**''

और, इस 450 मिलियन डॉलर की राशि को मिलाकर वर्ष 2007 से अब तक हमारी कुल साझेदारी लगभग 1.5 बिलियन डॉलर की हो जायेगी, जो अद्भुत है। इसके साथ ही आगामी तीन वर्ष में पोलियो से लड़ने के लिए कनाडा, जापान, यूरोपीयन कमीशन, यूएई द्वारा करीब **1.2 बिलियन डॉलर की भारी राशि की आगामी तीन वर्ष में देने का वचन दिया गया।**

हालांकि बिल गेट्स ने एकत्रित रोटेरियंस को याद दिलाया कि 30 वर्ष पहले शुरू पोलियो उन्मूलन अभियान में धन जुटाना रोटरी के नेतृत्व की कहानी का एक हिस्सा है, लेकिन तभी से पोलियो को एक चुनौती भरे एजेण्डा के रूप में समूचे विश्व के सामने जिस तरह रोटरी ने रखा, वैसी किसी ने कल्पना ही नहीं की थी। अमरीका और यूरोपीय राजधानियों में रोटेरियंस ने पोलियो के खिलाफ संघर्ष को लेकर फंडिंग के लिए जो जोर दिया, वह उसके काबिल है। अधिक जोखिम वाले देशों में उन्होंने इस बात को सुनिश्चित किया कि वहाँ की सरकार और नेता पोलियो उन्मूलन के कार्य पर फोकस रखें। बिल गेट्स ने दोहराया कि रोटरी कार्यकर्ताओं ने अद्भुत कार्य किया है। ऐन ली हूजे, जिन्हें बचपन में पोलियो हो गया था, ने पृथ्वी पर ऐसे खतरनाक स्थानों की 25 से भी अधिक यात्रायें की है, जापान के शिशु रोग विशेषज्ञ डॉ. योही सेकिबा ने हाल 60 रोटरी कार्यकर्ताओं की टीम के साथ लगातार 16वें वर्ष नई दिल्ली की यात्रा का नेतृत्व किया है .... और हजारों रोटेरियंस ने जोखिम उठाकर प्रभावित देशों में अनगिनत घण्टे बच्चों का टीकाकरण करने में बिताये हैं।

सेतु-निर्माण

लेकिन बाकी सभी अन्य बातों के अलावा रोटरी कार्यकर्ताओं ने जब आवश्यकता थी तब सेतु-निर्माण

वर्ष 2000 से पोलियो टीके की दस बिलियन खुराक 20 मिलियन कार्यकर्ताओं की फौज और अग्रिम पंक्ति के हजारों स्वास्थ्य कार्यकर्ताओं की वैश्विक टीम ने वितरित की।

का कार्य किया। आईवरी कोस्ट में मेरी आइरिन रिचमॉण्ड आहुआ ने उस समय जोरदार कार्य किया जब वहाँ नये मिलट्री शासक ने तख्ता पलट के बीच राष्ट्रीय प्रतिरक्षण दिवस (NID) को रद्द कर दिया। आहुआ ने अपील की कि ''बड़ों ने जो टकराव पैदा किया है, उसका खामियाजा बच्चों को नहीं भुगतना चाहिए'' और कुछ दिन बाद वहाँ के शासक जनरल ने पुनः निर्धारित प्रतिरक्षण दिवस (NID) के उद्घाटन कार्यक्रम की अध्यक्षता की।

पाकिस्तान में रोटरी कार्यकर्ताओं ने इस्लामी विद्वानों और धार्मिक नेताओं के साथ लगातार कार्य करते हुए पोलियो के प्रति वहाँ जो अविश्वास था, उसे दूर किया। आज वही सब पोलियो कार्यक्रम की पैरवी कर रहे हैं। रोटरी ने वहाँ उच्च जोखिम वाले क्षेत्रों को आर्थिक सहायता दी। ''इन प्रयासों ने ही 2014 से पाकिस्तान में 306 पोलियो के केसेस से आज सिर्फ दो केसेस पर लाया है।''

सार्वजनिक स्वास्थ्य प्रयास

वैश्विक पोलियो उन्मूलन पहल एकल महत्वाकांक्षी जनतास्वास्थ्य प्रयास है। ''साल 1988 में125 देशों से आज इस तरह के केवल 3 देश बचे है ... और 30 वर्ष पहले एक घण्टे में 40 पोलियो के केस होते थे, आज वर्ष 2016 के पूरे वर्ष में केवल 40 से भी कम केस सामने आये हैं।''

पोलियो में ''हम'' कितना दूर आ चुके हैं, इसका अहसास करने के लिए अतीत में जाना जरूरी था। ज्यादा समय नहीं बीता है, पोलियो सब जगह था। अमेरिका वर्ष 1994 में पोलियो मुक्त हुआ, इसी क्रम में पश्चिमी प्रशांत क्षेत्र 2000 में, यूरोप 2002 में, दक्षिण पूर्व एशिया और भारत वर्ष 2014 में पोलियो मुक्त घोषित हुए। इस वर्ष केवल कुछ मुट्ठी भर केस हमारे पास है, जो तीन देशों पाकिस्तान, नाइजीरिया और अफगानिस्तान में है। हमारे प्रयासों का 'स्केल' अभूतपूर्व है।

वर्ष 2000 से पोलियो टीके की 10 बिलियन खुराक 20 मिलियन कार्यकर्ताओं की फौज और अग्रिम पंक्ति के हजारों स्वास्थ्य कार्यकर्ताओं की वैश्विक टीम ने वितरित की है।

''लेकिन, इन आँकड़ों का सबसे महत्वपूर्ण प्रभाव यह कि आज 16 मिलियन से भी अधिक लोग अपने पैरों पर चल रहे हैं, अन्यथा वे पोलियो के कारण विकलांग हो जाते।''

एक सवाल जो हर कोई पूछ रहा है, उसे स्पष्ट करते हुए बिल गेट्स ने कहा कि प्रत्येक व्यक्ति को इस बात का अचरज है कि यह अभियान इतना लम्बा क्यों चला, जबकि वास्तविक योजना के मुताबिक पोलियो वर्ष 2000 तक खत्म होना था ''जबकि मैं भी इसमें शामिल था और एक दशक से पोलियो मेरी सर्वोच्च प्राथमिकता रही है। हम सबको इस बात पर सहमत होना चाहिए कि यह हमारी कल्पना से ज्यादा मुश्किल कार्य है।''

यह जबाव पोलियो उन्मूलन अभियान की महत्वकांक्षा को मजबूती देते हुए आश्वस्त कर रहा था कि धरती पर 7.5 बिलियन की आबादी में पोलियो के केस ''जीरो'' है, ''करीब 200 मिलियन वर्ग मील तक 'नो पोलियो' और इस क्षेत्र में ऐसी जगह भी है, जहाँ युद्ध भी था, ऐसे देश भी थे जहाँ जन स्वास्थ्य प्रबन्धन का कोई अस्तित्व नहीं था। इसका मतलब बच्चों के पास पृथ्वी पर ऐसी दुर्लभ जगहों पर जाना, जो पहुँच से भी बाहर है और ना केवल एकबार बल्कि बार-बार जब तक कि बच्चों की सुरक्षा के प्रति पूरी तरह आश्वस्त ना हो जाए।''

मजबूती और नवीनता

रोटरी के पोलियो कार्यक्रम की प्रशंसा करके भावुक हुए जन हितैषी बिल गेट्स ने इसकी ''मजबूती और नवीनता'' के लिए धन्यवाद दिया। रोटरी ने हमेशा ''नये-नये विचारों का सृजन, सीखे हुए सबक से नये कार्यक्रमों का निर्माण और नई परिस्थितियों के अनुकूल ढ़ालना, जैसे गुणों के कारण मुझे पूरा विश्वास है कि हम पोलियो को 'जीरो' कर देंगे।

हमारे सामने चुनौतियाँ बहुत थी लेकिन हमने हमेशा एक के बाद एक उन पर विजय पाते गये। अफगानिस्तान में सुरक्षा सम्बन्धी चुनौतियों के अलावा, बाकी अधिकांश देश पोलियो मुक्त है, क्योंकि वहाँ जो लोग पोलियो का कार्यक्रम चला रहे हैं उन्होंने वहाँ यह समझ बनाने में सहयोग दिया है कि पोलियो से मुक्ति पाने का एकमात्र तरीका राजनीति, धर्म और सामाजिक-विभाजन से उपर उठकर सोचना है।''अस्थिरता वाले क्षेत्रों में काम करना असाधारण रूप से चुनौतीपूर्ण है, और अग्रिम पंक्ति के स्वास्थ्य कार्यकर्ताओं ने यह जोखिम उठाया और अपने जीवन

रो इं अध्यक्ष जॉन जर्म, माइक्रोसॉफ्ट संस्थापक बिल गेट्स का स्वागत करते हुए।

की कुरबानियाँ दी, और जितनी जल्दी इसमें प्रगति होगी यह गायब हो जायेगा। नाइजीरिया में गत वर्ष दो साल के अन्दर के बाद पुनः पोलियो का एक केस सामने आया, यह इस बात का स्मरण दिलाता है कि संघर्ष वाले क्षेत्रों में इस बीमारी को समाप्त करना कितना मुश्किल है। सौभाग्य से नाइजीरिया सरकार ने तत्परता से अनुकूल कार्य किया।''

दूसरी चुनौती अभिभावकों द्वारा गलतफहमी और भय से अपने बच्चों को पोलियो से बचाव की दवा पिलाने से इन्कार करना था, लेकिन नाइजीरिया, अफगानिस्तान और पाकिस्तान में पारम्परिक और धार्मिक नेताओं को इस अभियान में शामिल करने से उनके सोच में बड़ा अन्तर आया।

पोलियो योद्धा

इस सम्बन्ध में उदाहरण देते हुए बिल गेट्स ने बताया कि उत्तरी नाइजीरिया के राज्य कानो के एक प्रतिष्ठित पारम्परिक नेता 'एमीर' ने एक बार लोगों को आश्वस्त करने के लिए पोलियो दवा की पूरी शीशी (VI-L) का सेवन कर लिया था। पाकिस्तान की एक टीकाकरण कार्यकर्ता फियाज बीबी अपने आपको बुर्के से कवर करके सप्ताह के पाँच दिन तीन मील दूर स्थित डिस्पेन्सरी से पोलियो की दवा लेकर आती है और अपने समुदाय के 105 परिवारों में वितरित करती है। ''तापमान 110 डिग्री F हो सकता है, और फियाज ग्रामीणों की उसको धूरती असहमत आँखों को भी अक्सर महसूस करती है, लेकिन फियाज अपने गाँव के हर कोने और नुक्कड़ तक जाती है, क्योंकि उसका मानना है कि यह उसका नैतिक दायित्व है कि गाँव का प्रत्येक बच्चा पोलियो से सुरक्षित रहे।''

यह सफलता इसलिए किसी कि कुछ क्षेत्रों, जहाँ बच्चों का टीकाकरण नहीं हुआ, उन्हें चिन्हित कर लिया गया, लेकिन बड़ी चुनौती कम से कम पोलियो के साथ विषाणु के अन्तिम अवशेष में ढूंढ़ना है, जो बहुत मुश्किल है। इस वाइरस को पूर्ण रूप से रोकने के लिए हमें यह जानना होगा कि यह अभी कहाँ छिपा है? यह करने के लिए हमारे पास दो तरीके है, या तो पोलियो से विकलांग हुए बच्चों के मल (स्टूल) का परीक्षण किया जाए और या इसे अधिकतम जोखिम वाले क्षेत्रों में सिवरेज सिस्टम में तलाशा जाए।

'इबोला' के प्रति नाइजीरिया की त्वरित कार्यवाही

लेकिन प्रशिक्षित स्वास्थ्य कार्यकर्ताओं के विशाल कैडर ने अति संवेदनशील क्षेत्रों के लोगों को संकटपूर्ण समय में मदद करने में विशेषता हासिल कर ली है। पश्चिमी अफ्रीका में 'इबोला' के प्रकोप ने इसे साबित किया। बिल गेट्स ने कहा ''हालांकी 'इबोला' ने दुखद रूप से विशेष रूप से गुयाना, लाइबेरिया और सिमरा लियोन में 11000 मौतें हुई, लेकिन यदि पोलियो कार्यकर्ता निकटवर्ती नाइजीरिया में यदि इस बीमारी में रोकने के लिए सही समय पर कार्यवाही नहीं करते तो मृतकों की संख्या बहुत अधिक होती।

जैसे ही उन्हें पता चला कि 'इबोला' के कुछ केस 'लागोस' में फैल गए हैं, ''पोलियो कार्यकर्ता तुरन्त इसको रोकने के काम में जुट गए। उन्होंने इसके प्रयासों को समन्वित करने के लिए एक आपातकालीन ऑपरेशन सेन्टर स्थापित किया, इबोला के सम्पर्क में आने वाले सैंकड़ों मरीजों को सुरक्षित रहने का संदेश देने वाली सामुदायिक कार्यकर्ताओं को नियुक्त किया।'' उनके प्रयसों से बहुत बड़ी त्रासदी होने से बची।

यह रोटरी की 30 वर्ष की लड़ाई का रोमांच है। आप ना केवल इतिहास से एक भीषण बीमारी का खात्मा कर रहे है, बल्कि आप गरीब देशों के नागरिकों को बेहतर स्वास्थ्य सेवायें और बेहतर भविष्य देकर उनका सहयोग भी कर रहे है और 'जीरो' लक्ष्य हासिल करना आश्चर्यजनक रूप से मानवीय उपलब्धियों की तरह प्रेरणादायी है।

और आज निराशा के मध्य जहाँ चीजें और बिगड़ रही है, वहाँ पोलियो पर प्रगति हासिल करना इस बात का स्मरण दिलाता है कि लोग जब बहादुर, दृढ़ निश्चयी और कार्य करने के इच्छुक होते हैं, तो वे क्या नहीं कर सकते हैं।

रोटरी की भावनापूर्ण प्रशंसा

बिल गेट्स ने पोलियो उन्मूलन के लिए रोटरी कार्यकर्ताओं द्वारा किये गये अनवरत अथक प्रयासों की भावुकता से प्रशंसा करते हुए कहा ''पोलियो उन्मूलन की जब भी कहानी लिखी जायेगी, यह अलग-अलग मिलियन हाथों के मिलने और असंख्य

बिल गेट्स, अध्यक्ष जॉन जर्म और डब्ल्यूडब्ल्यूई सेलेब्रिटी जॉन सीना के साथ वर्ल्ड लीडर मंच पर पोलियो उन्मूलन अभियान के लिए कुल 1.2 बिलियन डॉलर के फंड देने के लिए की घोषणा करते हुए।

गेट्स ने विदेशी सहायता के महत्व को दोहराया

एटलांटा कन्वेंशन में कनाडा, जापान, जर्मनी, आस्ट्रेलिया, यूरोपीय कमीशन और यू.ए.ई. के शेख मोहम्मद बिन जायेद ने पोलियो के पूर्व रूप से खात्मे के अंतिम प्रयास के लिए आर्थिक सहायता देने की घोषणा की। माइक्रोसॉफ्ट के संस्थापक गेट्स ने उन्हें धन्यवाद दिया और इन लड़ाई में सहयोग देने के लिए विशेष रूप से अमरीकी सरकार के प्रति भी कृतज्ञता जाहिर करते हुए कहा ''यह इस बात का उदाहरण है कि विदेशी मदद क्यों महत्वपूर्ण है। इसके बिना हम पोलियो पर आज जिस जगह हैं, वहाँ नहीं पहुँच पाते, और ना ही हम अन्य रोकथाम योग्य बीमारियों जैसे न्यूमोनिया, डायरिया और मलेरिया से मरने वाले बच्चों की संख्या में इतनी भारी कमी ला पाते।''

एक चार्ट प्रदर्शित करते हुए उन्होंने कहा कि इसमें दिखाया गया है कि पिछले 25 वर्षों में दुनियां में शिशु मृत्युदर में आधी गिरावट आई है। यदि आप इन सबको जोड़ें तो 1990 से 2015 तक 122 मिलियन जीवन बचाये गए हैं। और यदि सरकारें टीकाकरण, मातृत्व और नवजात शिशुओं के स्वास्थ्य और HIV रोकथाम और इलाज में इसी तरह निरन्तर आर्थिक, सहयोग बनाये रखें तो हम 2030 तक बाल मृत्युदर को और आधी कर सकते हैं।

गरीब देशों को आर्थिक सहायता देने की अपनी दृढ़ता को दोहराते हुए उन्होंने कहा कि ''इससे कम आय वाले देश में बीमारियों और गरीबी के कठोर चक्र को तोड़ने में सहायता मिलती है और यही इन देशों को समृद्ध होने के योग्य बनाता है। अभी, वाशिंगटन डी.सी. में कुछ लोग विदेशी सहायता में बड़ी कटौती करने की बात कर रहे हैं। यह राशि अमरीकी बजट का एक प्रतिशत भी नहीं है, और इसे खत्म करने से इन्हें कुछ फर्क नहीं पड़ेगा, लेकिन इसे सहायता कार्यक्रम को निरन्तर रखने पर दुनियाभर के मिलियनों बच्चों और परिवारों के जीवन में भारी फर्क पड़ेगा। दूसरे देशों को गरीबी और बीमारी से लड़ने के लिए आर्थिक सहायता देने से विश्व में ज्यादा स्थिरता आयेगी, और यह अमेरिका को और लोगों को हर जगह सुरक्षित रखेगा। बिल गेट्स ने विदेशी सहायता के रूप में जो निवेश किया जाता है, उसका लाभ शानदार मिलता है। आप लोग यह अच्छी तरह से जानते हैं क्योंकि आप कई वर्षों से पोलियो अभियान की सफलता का अनुसरण कर रहे है।''

अस्थिरता के क्षेत्रों में कार्य करना असाधारण रूप से चुनौतीपूर्ण है, और अग्रिम स्वास्थ्य कार्यकर्ताओं ने अपने जीवन को खतरे में डालकर बलिदान किया है। और जितनी जल्दी इसमें प्रगति होगी यह गायब हो जायेगा।

असफलताओं के चेहरे के रूप में संरक्षित रखने योग्य होगी। रोटरी ने लक्ष्य के प्रति अपने दृढ़ निश्चय से इसकी नींव रखी और इसका मानना है कि यदि आप अपने शरीर और मस्तिष्क से काम करते है, तो सब कुछ संभव है।

लेकिन उन्होंने अटलांटा में एकत्रित 40000 विभिन्न रोटरी प्रतिनिधियों को सावचेत करते हुए कहा ''लेकिन हम अभी यह कहानी लिखने को पूर्ण रूप से तैयार नहीं है, यह सुनिश्चित करने के लिए कि पोलियो पूरी तरह खत्म हो चुका है, हमें टीकाकरण की गति को उच्चस्तर तक ले जाना होगा, और जब हम 'जीरो' का लक्ष्य हासिल भी कर लें तो भी हमें यह देखना होगा कि तीन वर्ष तक पोलियो का एक भी 'केस' नहीं हो। कोई दूसरा विकल्प नहीं है, क्योंकि यदि हम असफल होते है तो पोलियो उन देशों में वापिस फैल जायेगा जहाँ उसका पूर्ण रूप से खात्मा हो चुका है, और यह प्रतिवर्ष हजारों बच्चों को मारेगा और या उन्हें विकलांग कर देगा।'' इसलिए हमें उन सरकारों को भी स्मरण दिलाते रहना होगा कि लड़ाई अभी खत्म नहीं हुई है।

अंग्रेजी कहावत *silver lining in the cloud* का संदर्भ लेते हुए बिल गेट्स ने कहा कि हमारा संसार धीरे-धीरे एक अच्छा स्थान बन रहा है, ''लोग दीर्घ और स्वस्थ जीवन जी रहे है। अत्यधिक गरीबी का स्तर 10 प्रतिशत से भी कम है। हमने चेचक (smallpox) को भी खत्म कर दिया। ये सब अचंभित करने वाली उपलब्धियाँ हैं और जब हम इस सूची में पोलियो को जोड़ देंगे, जिसके लिए मैं पूरी तरह आश्वस्त हूँ, तब यह एक और मानवता के लिए बहुत बड़ी जीत होगी। यह विश्व के एक मिलियन रोटरी सदस्यों की करूणा, दयालुता और सहानुभूति का महत्वपूर्ण प्रमाण होगा। आप वो लोग है, जो पोलियो को 'जीरो' करने में लगे हैं, और वह भी उत्सव मनाने जैसा होगा।''■

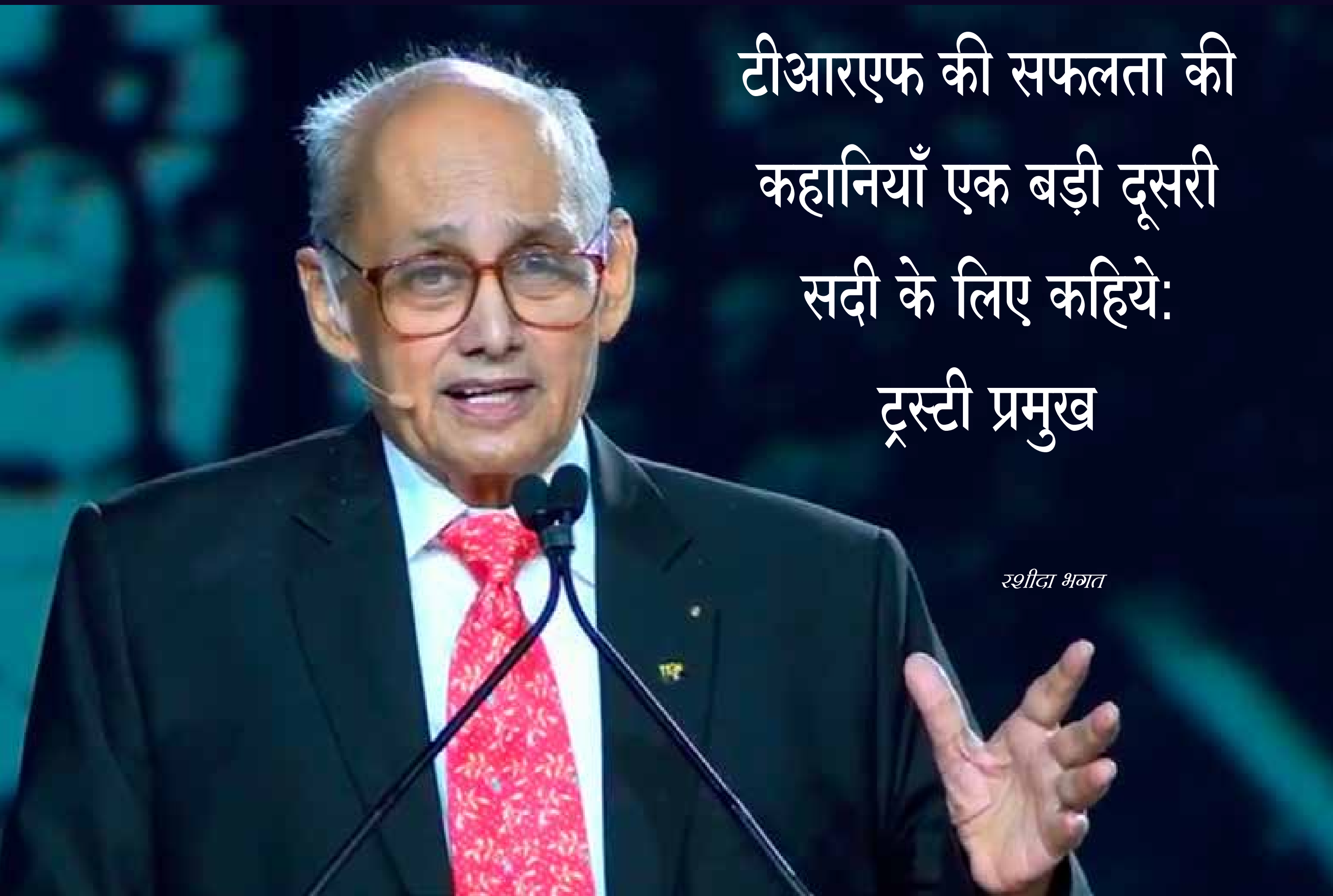

टीआरएफ की सफलता की कहानियाँ एक बड़ी दूसरी सदी के लिए कहिये: ट्रस्टी प्रमुख

रशीदा भगत

जबकि रोटरी संस्थान उसकी दूसरी सदी में प्रवेश कर रहा है, आर्च क्लम्फ की स्वप्न योजना ने दुनिया में अच्छा करने के लिए 3.7 बिलियन डॉलर दिए हैं।

आर्च क्लम्फ के बारे में 1917 में ऐसा कहा जाता था कि वह बड़े सपने देखने वाले थे। परन्तु मेरा मानना है कि हमारा संस्थान उनके सबसे बड़े सपने से भी आगे निकल सकता है। वह यह जानकर कितने प्रसन्न एवं संतुष्ट होते कि उनकी संघर्षपूर्ण रचना एक विश्व स्तर का मानवीय संगठन बन गया है! और शायद यह जानकर थोड़ा अधिक चकित होते कि इसके पहले 100 वर्षों में, विश्वभर के रोटरी सदस्यों के उदार समर्थन के कारण, रोटरी संस्थान ने अपनी महत्वपूर्ण परियोजनाओं एवं कार्यक्रमों के लिए 3.7 बिलियन डॉलर प्रदान किये हैं।

इन शब्दों के साथ टीआरएफ ट्रस्टी चैयर कल्याण बेनर्जी ने एटलांटा सम्मेलन में बड़ी संख्या में एकत्रित हुए रोटरियनों को प्रभावित किया, और अपने भाषण से लगातार प्रशंसा बटोरी जो जूनून, उदासी और उन सामान्य लोगों की छोटी कहानियों से भरा हुआ था जिन्होंने संसार में अच्छा करने के लिए टीआरएफ को ऊँचाइयों तक ले जाने में मदद की।

एक साधारण जन्मदिन की शुभकामना के साथ अपना भाषण शुरू करते हुये, बेनर्जी ने याद किया कि कैसे 100 वर्ष पहले, अध्यक्ष आर्च सी. क्लम्फ ने संसार में अच्छा करने के लिए सबसे पहले एक मामूली प्रस्ताव रखा, जिसके महान परिणाम हुए और जिसने कार्यक्रमों की ''एक ऐसी व्यापक श्रृंखला की शुरुआत की जो ना केवल रोटरी को, बल्कि दुनिया के हर कोने में मौजूद करोड़ों आदमी, औरतों, एवं बच्चों की ज़िंदगियों को भी बदलेगी।''

पैसा इकट्ठा करने का बुरा वक्त

यूरोप में युद्ध के ज़ोर पकड़ने के कारण, वर्ष 1917 पैसा इकट्ठा करने का सही वक्त नहीं था; युद्ध के बाद का समय तो और भी बदतर था। शेयर बाज़ार धराशायी हो गया, वैश्विक अर्थव्यवस्था गिर गयी, और महामंदी का दौर शुरू हुआ। ''दूसरे विश्व युद्ध का संकट मंडराने के साथ ही यह बद से बदतर होने वाला था। इसलिए इस बात का आश्चर्य नहीं है कि रोटेरियनों ने आर्च क्लम्फ के महान विचार को अपनाने के लिए जल्दबाजी नहीं की थी। लेकिन उस असाधारण आदमी ने इतनी जल्दी हार नहीं मानी। उन्होंने स्पष्ट रूप से हार मानने से इनकार कर दिया, क्योंकि हाल ही कि घटनाओं ने साफ़ कर दिया था कि दुनिया को ऐसे संगठन की अति

आवश्यकता है जो अच्छा करने के लिए समर्पित हो।''

टीआरएफ की शुरुआत केवल 26.5 डॉलर से हुई, जो वर्ष 1917 में भी, एक विशाल राशि नहीं थी। आज के समय के लगभग 550 डॉलर के बराबर; ''बस एक स्मार्टफ़ोन खरीदने के लिए पर्याप्त राशि, परन्तु एक संगठन के लिए पर्याप्त प्रारंभिक धन नहीं जिसका संसार में अच्छा करने का महत्वाकांक्षी मिशन हो।''

यादों के गलियारे में

यादों के गलियारे से गुज़रते हुए, बेनर्जी ने कहा कि टीआरएफ को पहला 500 डॉलर (आज के समय के 7,000) का अनुदान 1930 में मिला था। तालियों की गड़गड़ाहट के बीच में उन्होंने कहा, इसकी इस तथ्य से तुलना कीजिये कि अकेले रोटरी वर्ष 2015-2016 में, संस्थान ने वैश्विक एवं मंडल अनुदानों के लिए लगभग 100 मिलियन डॉलर, रोटरी शांति सदस्यता के लिए 4 मिलियन डॉलर, और पोलियो उन्मूलन के लिए 114.7 मिलियन डॉलर प्रदान किये।

हालांकि ये आंकड़े बहुत महत्वपूर्ण एवं आकर्षक थे, परन्तु ''एक आंकड़ा जिसे हम कभी भी नहीं जान पाएंगे वह उन लोगों की संख्या है जिनकी जिंदगियाँ बेहतर की गई है, बदली गई है, या संस्थान के कार्यों द्वारा बचाई गई है।''

बढ़ते हुए लाभ

बेनर्जी ने कहा, ''टीआरएफ के कार्यों के बढ़ते हुए लाभ है। प्रत्येक अनुदान परियोजना, प्रत्येक व्यावसायिक प्रशिक्षण दल, और प्रत्येक छात्रवृत्ति एवं शांति सदस्यता अच्छाई के एक तरंगनुमा प्रभाव को जन्म देती है जिसका हम ना अनुमान लगा सकते हैं ना ही माप सकते हैं।'' तो वास्तव में हमारे संस्थान की संपूर्ण शक्ति को नापना असंभव है। और अगर हम यह कर भी लेते हैं, तो आंकड़े अकेले पूरी कहानी नहीं सुना सकते।

उदाहरण के लिए, एक एचआईवी पॉजिटिव महिला से जन्मा होने के बावजूद भी एक लाइबेरियाई शिशु स्वस्थ है और फल-फूल रहा है। एक संस्थान-समर्थित व्यावसायिक प्रशिक्षण दल ने स्थानीय स्वास्थ्य देखभाल कार्यकर्ताओं को माँ से बच्चे को होने वाले एचआईवी वायरस के संक्रमण को रोकने की तकनीक को सिखाया, और यह प्रशिक्षण अब बहुत से नवजातों को स्वस्थ जीवन का अवसर दे रहा है। या एक होंडुराई महिला जिसने संस्थान-समर्थित माइक्रोक्रेडिट परियोजना की मदद से एक छोटा व्यवसाय शुरू किया। उन्होंने रेमिजिया डोमिनिगेज़, जो एक बुनाई सहकारी समिति चलाती है, डोना सेंटिएगो जो एक छोटी दुकान चलाती है और डोना निंफा, जो स्थानीय बाज़ार में सब्जियाँ बेचती है।

इनमें से प्रत्येक महिला अब अपने परिवार को खाना एवं कपड़े दे सकती है, और स्कूल की यूनिफॉर्म और सामग्रियों को खरीद सकती है ताकि उनके बच्चे शिक्षित हो सके। और वे स्थानीय अर्थव्यवस्था में योगदान दे सकती है और समुदाय को मजबूत बना सकती है। भविष्य में आशा एवं भरोसा देना ही हमारे संस्थान द्वारा किये जाने वाला सर्वश्रेष्ठ कार्य है।

और यह पोलियो के विभिन्न टीकों के रूप में आता है, या शिक्षण को आसान बनाने वाले सोया दूध के पोषण के रूप में, या स्वच्छ एवं सुगम पानी प्रदान करके या वैश्विक अनुदान की मदद से एक छोटा नया घर प्रदान करके।

आर्च क्लम्फ की विरासत आज हर उस रोटेरियन में जीवित है जिसने कभी एक अनुदान परियोजना की है, एक छात्रवृत्ति आयोजित की है, पोलियो के लिए एक बच्चे का टीकाकरण किया है, या टीआरएफ में दान दिया है।

संख्याएं जो रोटरी की गाथा सुनाती है

- 16 मिलियन लोग, जो पोलियो द्वारा विकलांग हो चुके होते आज रोटरी की वैश्विक पोलियो उन्मूलन पहल के कारण चल रहे हैं।
- टीके के साथ दिए गए विटामिन ए के कारण 1.5 मिलियन जिंदगियों को बचाया गया।
- रोटरी के साझेदारों के सहयोग से स्थापित वितरण व्यवस्था के कारण, अन्य कई मिलियन लोगों को पोलियो के टीके के साथ अन्य बीमारियों के टीके एवं इलाज मिले है, या लगातार मिल रहे हैं।
- भारत द्वारा रवांडा को हाल ही में दिए गए एक वैश्विक अनुदान चिकित्सीय मिशन के दौरान 268 मरीज़ों की जीवन बदल देने वाली सर्जीरियाँ की गयी।
- रवांडा में कई अन्य स्थानीय डॉक्टरों एवं मेडिकल छात्रों ने नयी सर्जरी की तकनीकों का प्रशिक्षण प्राप्त किया, जिसके कारण अब वे अधिक कुशलता से सैकड़ों मरीज़ों का इलाज कर पाएंगे।
- वर्ष 2016 में रोटरी परिवार स्वास्थ्य दिनों के तहत घाना, भारत, नाइजीरिया, दक्षिण अफ्रीका, और युगांडा के 423,795 लोगों ने मुफ्त स्वास्थ्य सुविधा प्राप्त की। 2011 में, जब इस कार्यक्रम की शुरुआत हुई थी, तब दो देशों में केवल 38,000 लोगों का उपचार हुआ था।
- पिछली सदी में 41,850 विद्वानों को टीआरएफ द्वारा प्रायोजित किया गया ताकि वे उनके वैश्विक नज़रिए को फैला सके और रोटरी की सेवा एवं सहनशीलता के आदर्शों को अपने दिल में बैठा सकें।

दिल दहला देने वाली कहानी

बेनर्जी ने फिर जनवरी 2001 में गुजरात के कच्छ में आए विनाशकारी भूकंप की कहानी बतायी, जब वह 24 घंटे में घटना स्थल पर पहुंचे और हर जगह अत्यंत विनाश और मौत और निराशा देखी। स्थानीय रोटेरियनों के साथ में जब पुनर्वासन एवं पुनर्निर्माण के लिए एक कार्यक्रम की योजना तैयार की जा रही थी, उन्होंने एक बुजुर्ग महिला को हाथ में एक बैग लिए अंदर आते हुए देखा। फातिमा बेगम ने पाँच साल पहले उनके इकलौते बेटे और उसकी पत्नी को एक सड़क हादसे में खो दिया था और वह उनकी 8 साल की पोती मुन्नी के साथ अकेली रह गयी थी। दो दिन पहले क्षेत्र में आये भूकंप के विनाश के कारण मुन्नी उसके स्कूल में मारी गयी, और, उन्होंने कहा, ''आज जिंदा रहने के लिए मेरा अपना कोई नहीं है। मैंने हज के लिए मक्का जाने की योजना बनायीं थी, परन्तु अब, मुझे नहीं लगता कि मैं जा पाऊँगी। लेकिन मैंने सुना है कि

आर्च क्लम्फ ने कभी भी रोटेरियनों को यह नहीं बताया कि अच्छा कैसे करना है, परन्तु उन्होंने यह स्पष्ट रूप से बताया कि रोटरी संस्थान को क्या कभी नहीं करना चाहिए – और वह है ईंट एवं पत्थरों के स्मारकों को बनाना।

TRF ट्रस्टी प्रमुख कल्याण बेनर्जी।

तुम रोटेरियन यहाँ कुछ घर और एक स्कूल बनाने जा रहे हो। खैर, यहाँ कुछ पैसे है जो मैंने यात्रा के लिए बचाए थे लेकिन मैं चाहती हूँ कि तुम इसका इस्तेमाल हमारी जिंदगियों को बनाने के लिए करो।''

उनके जाने के बाद, एक रोटेरियन ने बैग में रखे पैसे गिने और लगभग रु 85,000 पाए, आज की कीमत में लगभग 1,500 डॉलर। चार महीने बाद, जब रोटेरियनों ने 40 सस्ते आवास बनाये और स्कूल की मरम्मत की, समर्पण दिवस के दिन अचानक से फातिमा बेगम आयी और वह कुछ कहना चाहती थी। उन्हें एक मिनट दिया गया, और उन्होंने उनके छोटे दान को याद करते हुए कहा, ''आज, उस भयानक दिन के बाद से पहली बार, मैं खुश हूँ और मेरे दिमाग में फिर से शान्ति है। हाँ, मैं मक्का नहीं जा सकी पर मेरा मक्का यहीं है। और फिर वह मंच पर बैठ गयी और रोने लगी और उस तरह, मैं स्वीकार करता हूँ, उस दिन हम में से मौजूद अधिकांश लोग रोये थे।''

दूसरी सदी प्रारंभ होती है

उन्होंने कहा कि जब टीआरएफ इसकी दूसरी सदी में दाखिल हो रहा है, ऐसी सफलता की कहानियाँ ''हमें नयी एवं इससे भी बड़ी चुनौतियों को हाथ में लेने के लिए प्रेरित करेंगी। और आर्च क्लम्फ का उदाहरण, जो बड़े सपने देखने वालों में उत्तम है, हमें प्रोत्साहित करने के लिए हमेशा वहाँ रहेगा।''

बेशक क्लम्फ ने पूरी तरह से इस बात का वर्णन नहीं किया कि टीआरएफ को कैसे अच्छा करना चाहिए। ''उन्होंने रोटेरियनों पर इसे स्वयं निर्धारित करने के लिए भरोसा किया। परन्तु उन्होंने यह स्पष्ट रूप से बताया कि रोटरी संस्थान को क्या कभी नहीं करना है - और वह है ईंट एवं पत्थरों के स्मारकों को बनाना। इसके बजाय, उन्होंने उनकी रचना की कल्पना एक जीवित, सांस लेने वाली इकाई के रूप में की, जो कि, उनके शब्दों में, अविनाशी दिमागों पर काम करेगी...कुछ ऐसा उकेरते हुए जो अनंतकाल तक चमकेगा''।

उनके शब्दों ने रोटेरियनों को संस्थान के निर्माण के लिए प्रेरित किया शुरुआत से; ''ईंटों एवं पत्थरों में नहीं, बल्कि जीवन में, स्वास्थ्य में, आशा में। और उनकी विरासत आज हर उस रोटेरियन में जीवित है जिसने कभी एक अनुदान परियोजना की है, एक छात्रवृत्ति आयोजित की है, पोलियो के लिए एक बच्चे का टीकाकरण किया है, या हमारे संस्थान में दान दिया है। और यह उन कई करोड़ों लोगों में जीवित है जो संसार में हमारे द्वारा किये गए अच्छे कार्यों से प्रत्यक्ष या अप्रत्यक्ष रूप से लाभान्वित हुए हैं।''

दर्शकों को एक आखिरी संख्या -300 मिलियन डॉलर -देते हुए जो कि इसका टीआरएफ शताब्दी वर्ष के दौरान अनुदान इकठ्ठा करने का लक्ष्य था, अब तक का सबसे बड़ा लक्ष्य, बैनर्जी ने तालियों से अभिनन्दन कर रहे दर्शकों से कहा, हम इस लक्ष्य को पूरा करने की राह पर है। आज तक, हमारे रोटेरियनों की दरियादिली एवं हमारे क्लबों एवं मंडलों के अनुदान संचय के प्रयासों के कारण, हम 270 मिलियन डॉलर के आंकड़े तक पहुँच चुके हैं। हमारे पास अभी भी हमारे लक्ष्य की पूर्ती एवं उससे आगे निकलने के लिए दो सप्ताह का समय है - जो कि कुछ ऐसा है जिसे मैं समझता हूँ हम पूरा कर सकते है यदि आप में से प्रत्येक इस सप्ताह देखी गई एवं सुनी गई...अतुलनीय अच्छाई जो हमारा संस्थान कर रहा है का महत्वपूर्ण सन्देश लेकर वापस अपने क्लबों में जाते है।

एस कृष्णप्रतीश द्वारा रूपरेखा

तब 350,000 केस आज 2017 में केवल पांच

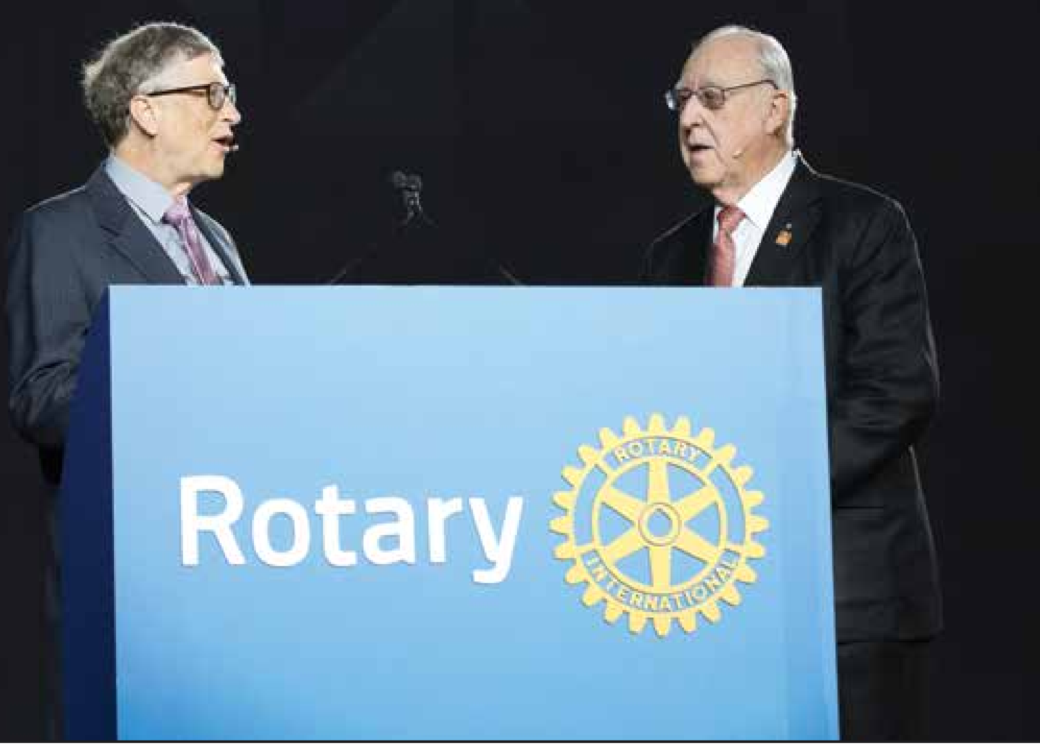

रशीदा भगत

एटलांटा कन्वेंशन में अपनी क्षमताओं से भी अधिक खचाखच भरे हॉल में बिल गेट्स का अभिवादन करते हुए रोटरी इन्टरनेशनल के अध्यक्ष जॉन जर्म ने कहा कि ''रोटरी की पोलियो के खिलाफ लड़ाई जिस समय शुरू हुई उस समय प्रतिवर्ष 350,000 बच्चे पोलियो के कारण विकलांग हो रहे थे। हमारा मानना था कि ऐसा नहीं होना चाहिए और हमें लगता था कि हम इस स्थिति को बदलेंगे। साल दर साल पोलियो हरेक देश से एक-एक कर दूर होता चला गया। रोटेरियनों ने अपना प्रयास और कार्य ज़ारी रखा और हमने पोलियो से लड़ने और एक बिलियन बच्चों को पोलियो से सुरक्षित करने के लिए 1.6 बिलियन डॉलर की राशि एकत्रित कर ली।''

तालियों की गड़गड़ाहट के बीच उन्होंने कहा कि ''हमारी कोशिशों का नतीजा है कि तीस वर्ष पहले प्रतिवर्ष पोलियो के 350,000 केस पाये जाते थे, वह संख्या घटकर 2017 में प्रतिवर्ष मात्र 5 हो गई।''

प्रारंभ से ही हमें पता था कि पोलियो उन्मूलन कार्य एक टीम के संयुक्त प्रयासों से संभव होगा। दुनिया के सारे देशों और उनके स्वास्थ्य के लिए प्रतिबद्ध-संगठनों के साथ साझेदारी का प्रयास, जिसके चलते पोलियो उन्मूलन का अभियान इस रूप में सामने आया। आज रोटरी विश्व स्वास्थ्य संगठन (WHO) संयुक्त राष्ट्र संघ (UN) CDC और UNICEF के साथ हमारी जबर्दस्त साझेदारी है।

महत्वपूर्ण बिल गेट्स चुनौती

वर्ष 2007 में विश्व पोलियो अभियान में हमारे साथ पाँचवें सहयोगी के रूप में बिल एण्ड मेलिंडा गेट्स फाउण्डेशन का जुड़ाव हुआ और इस फाउण्डेशन ने रोटरी को एक चुनौती दी - यदि रोटरी 100 मिलियन डॉलर जुटा लेगी तो वे इतनी ही राशि मैच करेंगे। ''हमने इस चुनौती को स्वीकार कर इस लक्ष्य को पार किया। दो वर्ष बाद उन्होंने फिर हमें 100 मिलियन डॉलर जुटाने पर 155 मिलियन डॉलर देने का वचन दिया। हम करेंगे और हमने कर दिखाया।''

जर्म ने आगे कहा ''वर्ष 2013 में गेट्स फाउण्डेशन ने हमें एक और नई चुनौती दी कि वे वर्ष 2018 तक रोटरी द्वारा जुटाए गए डॉलर के बदले दो डॉलर मैच करेंगे और यह राशि प्रतिवर्ष 35 मिलियन डॉलर तक होगी। हमें जब लगा कि यह अच्छी डील है तो हमने हाँ कह दिया। प्रत्येक चुनौती को स्वीकार कर उसे पूरा करने की हमारी प्रतिबद्धता ही हमें उस स्थान पर लेकर आई है जहाँ आज हम हैं। आज जब भी पोलियो का एक केस सामने आता है पूरी दुनिया देखती है कि वास्तव में वह अंतिम है।

> आज जब भी पोलियो का एक केस सामने आता है पूरी दुनिया देखती है कि वास्तव में वह अंतिम है।
>
> **रो इ अध्यक्ष, जॉन जर्म**

और जब तक यह सारे केस जीरो नहीं हो जाए रोटेरियनों को अपने प्रयास ज़ारी रखने होंगे और विशेषकर अगले तीस वर्ष तक जब तक कि समूचा विश्व पोलियो मुक्त घोषित नहीं हो जाये।''

''इस समय हम अपने लक्ष्य तक पहुँचने में करीब 1.5 बिलियन डॉलर पीछे हैं लेकिन हम इस राशि को जुटाने की चुनौती को पूर्ण करने में लगे है जिस तरह हमने पहले भी कई चुनौतियों को पार किया है।'' जर्म ने विश्वास प्रकट किया कि रोटरी द्वारा अगले तीन वर्ष में इस लक्ष्य को हासिल करने के लिए प्रतिवर्ष 50 मिलियन डॉलर की राशि जुटा ली जायेगी।

इसी दौरान जब तक सत्र का समापन हुआ तब तक 1.2 बिलियन डॉलर की बड़ी राशि जुटाने की घोषणा हो चुकी थी। इनमें बिल एण्ड मेलिण्डा गेट्स फाउण्डेशन ने 300 मिलियन डॉलर कनाडा सरकार ने 75 मिलियन डॉलर यूरोपियन कमीशन ने 51 मिलियन डॉलर तथा जापान जर्मनी और अन्य दानदाताओं ने भी सहयोग देने का वचन दिया।■

14th
JJS
JAIPUR
JEWELLERY
SHOW
Ruby
...Red, Rare, Royal
the
December
show
JECC, JAIPUR
22-25 DECEMBER 2017
JAIPUR JEWELLERY SHOW
Gold Souk, TF-01, Third Floor, Adjoining Hotel Lalit, Jawahar Circle, Jaipur – 302017, Tel.: +91 141 4035900 / 2725648
E-info@jaipurjewelleryshow.org W-www.jaipurjewelleryshow.org

HOME
SMART HOME
TEJAS
Control the lights, set the temperature, start your entertainment or have a peek at the door, all this from the comfort of one touch on your smart device.
f
in
Toll free : 1800 102 1762
www.tejasinnovative.com

एटलांटा

में सालगिरह का दोहरा जश्न

रशीदा भगत

वह सालगिरह का चमकीला और रंगीन दोहरा जश्न था जिसे, एटलांटा में दक्षिण एशिया स्वागत समारोह के दौरान मनाया गया– ट्रस्टी चैयर कल्याण बेनर्जी का 75वीं सालगिरह और रोटरी फाउंडेशन का शताब्दिक वर्ष। जब कि एटलांटा सम्मेलन, फाउंडेशन के शताब्दिक महोत्सव के उपलक्ष्य में आयोजित किया गया था, इस सुयोजित भारतीय डिनर संध्या में बेनर्जी के 'कल्याण' के लिये, उनकी सलामती के लिये शुभकामनायें व्यक्त की गयी।

इस रंगारंग संध्या ने एक अनोखे जोश को बिखेरा जब कार्यक्रम के प्रधान आयोजक मनोज देसाई ने भारतीय रोटरी के निष्ठावान नेता तथा रोटरी इंटरनेशनल के भूतपूर्व अध्यक्ष राजेंद्र कुमार साबू को सालगिरह मनाने वाले 'बालक' का परिचय कराने का जिम्मा सौंपा। बेहद भावपूर्ण तरीके से साबू ने इसे ''एक बहुत खास दिन'' बतलाया ''क्योंकि वे अपने साथ कुछ सुहानी, पुरानी यादें भी लाए हैं।'' उन्होंने याद करते हुये कहा कि किस तरह कुछ सालों पहले, 11 अगस्त की देर रात को ''बारह बजकर पच्चीस मिनट पर कल्याण से फोन आया और मैंने उनसे पूछा: कल्याण क्या आपको फोन आया (रो इं के अध्यक्ष पद के लिये मनोनीत करते हुये) और उन्होंने

दक्षिण एशिया रिसेप्शन में टीआरएफ ट्रस्टी चैयर कल्याण बेनर्जी को उनके 75वें जन्मदिन पर केक खिलाती हुईं उषा साबू। इस दौरान (दाएं से) आरआईडी मनोज देसाई, दक्षिणी एशिया रिसेप्शन चेयर रंजन धींगडा, पीआरआईपी राजेन्द्र के साबू, शर्मिष्ठा देसाई, अंजली धींगडा, एसए रिसेप्शन को–चैयर विनयकुमार रायकर और जॉन डेनियल भी मौजूद थे।

जवाब दिया 'हाँ'। और मैंने उनसे कहा आपने मेरी 75वीं सालगिरह पर एक बेहतरीन तोहफा दिया है! आज आपकी 75वीं सालगिरह है। आज यहाँ मौजूद होना और आपकी 75वीं सालगिरह पर आपको बधाई देना, कितने सौभाग्य की बात है। लेकिन हम सभी को बिनोता की कमी खल रही है।''

साबू ने कहा कि जब कि 2011-12 में, बेनर्जी ने उत्कृष्ट तरीके से रोटरी संसार की अगुआई की, आज उसके 100वें साल में वे फाउंडेशन के ट्रस्टी चैयर हैं। यह गज़ब की बात है कि ''किस तरह इस साल, इतनी कठिन परीक्षा लेने वाली घड़ियों में भी वे अपना काम ज़ारी रख पा रहे हैं और रोटरी फाउंडेशन को अपना नेतृत्व प्रदान करते आ रहे हैं। हम यहाँ बिनोता की कमी महसूस कर रहे हैं, लेकिन आप यहाँ जो गड़गड़ाती तालियों के साथ उनका अभिनंदन कर रहे हैं, उसे बिनोता सुन पायेंगी– कानों से तो नहीं लेकिन दिल की गहराई में।''

हमारे अंचल के रो इं अधिकारियों ने, कल्याण बेनर्जी के नाम से, टीआरएफ को 10,000 डॉलर का अंशदान देने का फैसला किया है।

पीआरआईपी राजेन्द्र के साबू

सालगिरह का तोहफा

उन्होंने ऐलान किया कि सालगिरह के तोहफे में, ''हमारे अंचल के रो इं अधिकारियों ने, कल्याण बेनर्जी के नाम से, टीआरएफ को 10,000 डॉलर का अंशदान देने का फैसला किया है।''

जब रो इं के अध्यक्ष जॉन जर्म और जूडी, RIPE इयान राय्सली और जूलीयट, RIPN सैम ओवोरी और नोरा, IPRIP के आर रविंद्रन और वानती, टीआरएफ के ट्रस्टी सुशील गुप्ता और विनिता, RIDE भास्कर और माला, RID मनोज देसाई और शर्मिष्ठा, जैसे रोटरी संसार के चोटी के नेतागणों, रो इं बोर्ड तथा टीआरएफ के कुछ अन्य प्रतिनिधिगणों तथा समाज सेवी राजश्री बिड़ला ने उनकी सलामती का जाम उठाकर, अच्छी सेहत की कामना की तो भाव विभोर होकर कल्याणदा ने जवाब में कहा: ''सच मानिये, मेरे पास कहने के लिये ,लब्ज़ नहीं है... मैंने कभी अपनी सालगिरह नहीं मनायी है और आज यहाँ दुनिया भर से, वह भी ज्यादातर भारत तथा इस उप महाद्वीप से आये 400 से ज्यादा लोग मेरी 75वीं सालगिरह मना रहे हैं! काश बिनोता भी यहाँ होती, क्योंकि यह ऐसा एक मौका है जिसे उसने गंवाना नहीं चाहा होगा। इस कार्यक्रम को इतने खूबसूरत तरीके से आयोजित करने के लिये मनोज और राजा को शुक्रिया।''

बेहतरीन और बदतरीन वक्त

उन्होंने कहा उनके लिये यह ''एक बेहद अजीब और असाधारण साल रहा है... चार्लस् डिकन्स ने यह कहते हुये A Tale of Two Cities को लिखना शुरू किया था 'वही सबसे बेहतरीन वक्त था, वही सबसे बदतरीन वक्त भी था।' मेरे लिये यह साल कुछ ऐसा ही रहा। बेहतरीन वक्त इसलिये क्योंकि यह रोटरी फाउंडेशन का 100वाँ साल है... इस खास साल में उसके ट्रस्टी चैयर के रूप में सेवारत होना कितने बड़े सम्मान और विशेषाधिकार की बात है!''

यह ऐसा भी वक्त था जब दुनिया से पोलियो लगभग गायब हो चुका था। ''मेरा मानना है कि एक महीने में पाकिस्तान में पोलियो का कोई भी मामला देखा नहीं गया है, अफगानिस्तान में भी... सो अब हम नजदीक पहुँच रहे हैं। इस तरह के मामलों में ऐसा ही होता है और भारत में भी ऐसा ही हुआ...पहले एक हफ्ता या दो हफ्ते, बाद में एक महीना, दो महीने, छह महीने और फिर एक साल और पोलियो गायब!''

लेकिन, उन्होंने आगे कहा, ''बिनोता और मेरे लिये, यही हमारी ज़िंदगी का सबसे कठिन दौर था; वह बात (उनकी तबीयत का खराब होना) अनपेक्षित और अप्रत्याशित था। असल में हम पिछले हफ्ते ही चल पड़े थे लेकिन बीच रास्ते में कहीं, उसकी तबीयत ढीली पड़ती गयी सो मैंने फैसला किया कि उसे वापस जाना चाहिये, आराम करके तंदुरुस्त बनना होगा ताकि अगले साल वापस आ सके। हम दोनों, दिन में लगभग तीन बार फोन पर बात करते हैं और वह एकदम खुश है; पूछती रहती है कि वहाँ क्या हो रहा है, कौन कौन आये हैं आदि।''

हार्दिक, व्यक्तिगत तथा पुरानी यादों के साथ किये गये सम्मान और शुभकामनाओं के लिये साबू का शुक्रिया अदा करने के साथ उन्हें एक 'अनुभवी परामर्शदाता' बतलाते हुये बेनर्जी ने कहा, ''जब मुझे मनोनीत किया गया – मैं वापी नामक छोटे कस्बे से आता हूँ – मैं केवल शर्ट और पैंट ही पहना करता था... और राजा जी मुझे भारत के बेहतरीन दर्जियों के पास ले गये... आप कितने ही तरीकों में मेरे सच्चे परामर्शदाता रहे हैं!''

''आपके समर्थन के लिये मैं आपका बेहद शुक्रगुजार हूँ, शाँत

> **पोलियो उन्मूलन के लिए आपने क्या किया है और आप स्कूलों में शिक्षा, पेयजल और स्वच्छता के लिए क्या कर रहे हैं वाकई में उल्लेखनीय है और हम कई क्षेत्रों में आपके मार्गदर्शन को देख रहे हैं**
>
> **आरआईपीएन सैम ओवोरी**

लेकिन हमेशा साथ, किसी और से ज्यादा आप हमेशा बिनोता की फिक्र करते रहते हैं कि वह कैसी हैं। यह ऐसी बात है जिसे मैं हमेशा अपने साथ संजोकर रखूँगा।''

इस बात को दोहराते हुये कि इस 75वीं सालगिरह को हमेशा याद रखेंगे, बेनर्जी ने समापन करते हुये कहा, ''अब, इससे पहले कि मैं रो पड़ूँ, बेहतर होगा कि मैं यहीं पर रुक जाऊँ।''

रो इं के अध्यक्ष जॉन जर्म ने,जिनका परिचय टीआरएफ के ट्रस्टी सुशील गुप्ता ने कराया, उत्कृष्ट परियोजनायें कार्यांवित करने के लिये भारतीय रोटेरियनों का शुक्रिया अदा करते हुये कहा, ''आपकी वजह से, भारत आज एक बेहतर स्थिति में है।'' उन्होंने निदेशक के रूप में अच्छा काम करने के लिये तथा 'आत्म विश्वास, विश्वसनीयता तथा निष्ठा'' के साथ नेतृत्व करने के लिये RID मनोज देसाई को बधाई दी।

RIPE इयान राय्सली का परिचय कराते हुये IPRIP रविंद्रन ने कहा वे ''हाजिर जवाब, अक्लमंद और कार्य कुशल,'' हैं। पिछले साल सियोल सम्मेलन के चैयर की हैसीयत से उन्होंने 2.5 मिलियन डॉलर का मुनाफा दिलाया।

पोलियो का असाधारण कार्य

दक्षिण एशिया आये रोटेरियनों का अभिनंदन करते हुये, RIPE इयान रायस्ली ने कहा, ''भारतीय रोटेरियनों के साथ वक्त बिताना हमेशा एक सुखद अनुभव रहा है'' और दक्षिण एशिया के सभी देशों को बधाई दी। ''इस प्रदेश में रोटरी की कामयाबी गजब की है। रोटेरियनों के नेतृत्व में तथा आदित्य बिड़ला सामुदायिक पहल एवं ग्रामीण विकास फाउंडेशन की अध्यक्षा राजश्री बिड़ला जैसे उदार दिल व्यक्तियों की सहायता में भारत में किया गया पोलियो कार्य, असाधारण है।'' टीआरएफ को अंशदान देने के लिये भारतीय रोटेरियनों का शुक्रिया अदा करते हुये, जिसने भारत को एक प्रापक देश से दाता देश में बदल दिया, राय्सली ने भारत को अपनी भेटों को याद किया। खासकर रो इं के अध्यक्ष के प्रतिनिधि के रूप में देहरादून को भेंट, जब पीआरआईपी साबू तथा पीआरआईडी यशपाल साबू के 'राजी कराने के हुनर' की बदौलत, ''हम हिमालय के पादगिरी तक चढ़ गये और विनाशकारी बाढ़ के बाद यहाँ बनाये गये स्कूलों में, आखिरी स्कूल के प्रतिनिधिकरण में हमने हिस्सा लिया। यह हर तरह से प्रेरक था ... इसके बाद फिर एक बार राजा और यश दोनों ने कहा, 'आपको ताज देखने जाना होगा, जाना होगा, जाना होगा,' और हम पूर्णमासी के रोज ताजमहल गये। उस अनुभव के लिये हम उनका शुक्रगुजार हैं।''

इस जगमगाते स्वागत समारोह के संचालक, जहाँ डिनर पर मुँह में पानी ले आने वाले असंख्य 'स्टार्टर्स' तथा स्वादी भारतीय पकवान परोसे गये, रो इं के निदेशक मनोज देसाई ने कहा कि माह के आखिर में अपनी पदावधि को पूरा करने से पहले, यही उनकी अंतिम आधिकारिक बैठक होगी। भारतीय रोटरी ने असाधारण तरीके से काम किया है; इस साल 10,000 से अीधक नये सदस्यों को

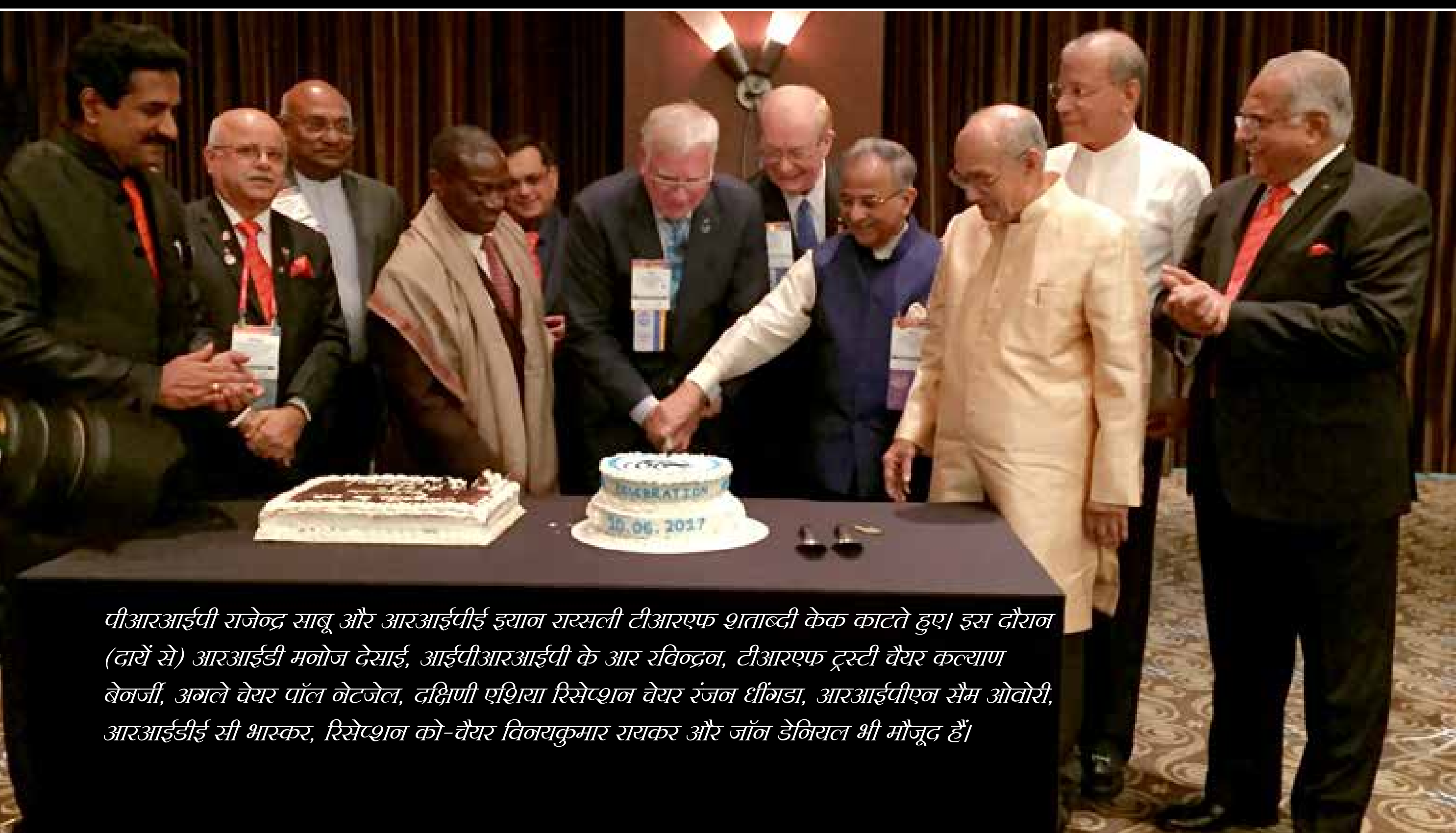

पीआरआईपी राजेन्द्र साबू और आरआईपीई इयान राय्सली टीआरएफ शताब्दी केक काटते हुए। इस दौरान (दायें से) आरआईडी मनोज देसाई, आईपीआरआईपी के आर रविन्द्रन, टीआरएफ ट्रस्टी चैयर कल्याण बेनर्जी, अगले चेयर पॉल नेटजेल, दक्षिणी एशिया रिसेप्शन चेयर रंजन धींगडा, आरआईपीएन सैम ओवोरी, आरआईडीई सी भास्कर, रिसेप्शन को-चैयर विनयकुमार रायकर और जॉन डेनियल भी मौजूद हैं।

दक्षिणी एशिया रिसेप्सन को-चैयर जॉन डेनियल, आरआईपीई इयान राय्सली और उनकी पत्नी को प्रतीक चिन्ह देते हुए। इस दौरान (दायें से) आरआईडी मनोज देसाई, आईपीआरआईपी के आर रविन्द्रन और वानती भी मौजूद हैं।

दाखिल कराने के द्वारा, अंचल में कुल सदस्यता को 152,653 सदस्यों तक बढ़ाने के द्वारा। ''पिछले साल हमने टीआरएफ को 15.2 मिलियन डॉलर दिये। इस साल, विमुद्रीकरण की वजह से शायद, अब तक यह रकम 9 मिलियन डॉलर से कुछ अधिक है, लेकिन मुझे भरोसा है कि इस रोटरी वर्ष के अंत तक स्थिति काफी बेहतर हो जायेगी,'' उन्होंने कहा।

देसाई ने आगे कहा कि भारतीय रोटरी के दो 'काले धब्बे' थे चुनाव से जुड़ी शिकायतें और कोर्ट-कचहरी के मामले। उन्हें यह बतलाते हुये खुशी हुयी कि इलेक्ट्रोनिक मतदान के ज़रिये 100 चुनाव आयोजित किये गये और इस साल किसी तरह की शिकायत सुनने में नहीं आयी। ''लेकिन इस साल दो कोर्ट के मामले है और इससे रोटरी संसार में हमारी छवि पर असर पड़ता है।''

उन्होंने भारतीय रोटेरियनों को ''साक्षरता और WinS दोनों में उनके गजब के काम'' के लिये बधाई देते हुये कहा, ''मुझे भरोसा है कि आगे चलकर हमें ऐसी परियोजनायें करने के लिये काफी निधि मिलेगी जो परिवर्तन ला पायें।''

RIPN सैम ओवोरी का परिचय कराते हुये रो इं के आगंता निदेशक सी भास्कर ने कहा कि ''अभी हाल में ही रो इं के अनुस्थापन कार्यक्रम के दौरान उनसे मेरी जान पहचान बनी'' और ''विश्व अर्थ व्यवस्था से कारोबारी सफलता तक व्यापक मुद्दों के बारे में उनकी जानकारी और समझ को देखकर मैं दंग रह गया। वे चोटी के युगाँडा बैंक के CEO थे, जो हमारे रिज़र्व बैंक के गर्वनर के समान का पद है। वे ऑक्सफोर्ड और हार्वर्ड बिजनेस स्कूल में पढ़े हैं।''

नेतृत्व की जिम्मेदारी

अपने संबोधन में, ओवोरी ने कहा कि उनकी तथा उनकी पत्नी नोरा की नजरों में, भारतीय संस्कृति ''अजनबी नहीं है क्योंकि हम ईस्ट अफ्रीका और युगाँडा में अनेक भारतीय लोगों को जानते हैं; मैं युगाँडा के इंडियन सेकंडरी स्कूल में पढ़ा हूँ, सो हम भारतीय मसालों से वाकिफ हैं!''

उन्होंने आगे कहा कि ''1.2 बिलियन आबादी वाले ,देश के रूप में'' भारत की जिम्मेदारी बनती है कि ''अपनी सदस्यता संख्या के बलबूते पर नेतृत्व करें और हममे से अनेक लोग आपको एक मिसाल मानकर चलते हैं। आंकड़ों के साथ, आपमें नेतृत्व करने की क्षमता और कौशल भी है। और आपने वाकई हमारा नेतृत्व किया है; पोलियो उन्मूलन में आपने जो कर दिखलाया; स्कूलों में शिक्षण, जल व स्वच्छता के मामले में आप जो कर रहे हैं, वे उल्लेखनीय है और अनेक क्षेत्रों में हम आपसे मार्गदर्शन चाहते हैं। भारतीय रोटेरियनों में क्षमता और आंकड़ों की ताकत पायी जाती है जो सही दिशा में हमारा मार्गदर्शन करने में जरूरी जिम्मेदारी से मेल खाती है। साक्षरता और शिक्षण के क्षेत्र में आप जो कर रहे हैं वह बेहद उत्तेजक है और इस तरह के एकत्रीकरण और जिस किस्म की आबादी के बीच आपको काम करना पड़ रहा है, उसे साधारण नहीं माना जा सकता है। वह एक चुनौती है और हम आपके मार्गदर्शन की उम्मीद करते हैं।''

शानदार समारोह की इस घड़ी में, शताब्दिक केक काटने दुनिया भर से तथा भारत से रो इं के सभी नेतागण आये हुये थे।

पीडीजी रवि वडलामणि द्वारा संकलित पुस्तक Doing good in the world तथा पीडीजी रेखा शेट्टी द्वारा दुबई जोन इंस्टीट्यूट के मुख्य निष्कर्षों पर लिखी गयी लघु पुस्तिका, दोनों को उक्त मौके पर जारी किया गया। साथ ही साथ साक्षरता तथा TEACH की खबर फैलाने अमरीका के 22 राज्यों और 12,000 मीलों का फासला तय करके आये Literacy Flame (साक्षरता मशाल) को भी प्राप्त किया गया।

चित्र : रशीदा भगत

एन कृष्णामूर्ति द्वारा रूपरेखा

एक सामाजिक प्रसारक

हैंक सार्टिन

इयान राय्सली ने दोस्तों, सहकर्मियों तथा रोटेरियनों के साथ संपर्क बनाने में अपना करियर बिताया है। रोटरी इंटरनेशनल के अध्यक्ष की हैसीयत से वे अपने उस कुशल अनुभव को, लोगों को एक दूसरे के संपर्क में ले आने के लिये, काम में लायेंगे।

''आम तौर पर मैं ही कॉफी खरीदता हूँ,'' इयान राय्सली इतने गंभीर अंदाज में यूँ कहते हैं कि आप उसे सच मानने लगते हैं। लेकिन उनके दोस्त केविन हैरीसन जब खिलखिलाकर हँस पड़ते हैं तो पता चलता है कि उन्होंने मज़ाक में कहा था। कॉफी कौन खरीदता है इस सवाल को तो सुलझाया नहीं जा सका लेकिन इस मज़ाक से, पैटरसन नदी किनारे टहलने के लिये एक अच्छा समाँ बंध गया, जो ऑस्ट्रेलिया में मेलबोर्न के उपनगर में बहती है।

पिछले पाँच सालों से, रोटेरियनों के छोटे से समूह के लिये यह चहल कदमी 'हफ्ते में दो बार' की नियमित दिनचर्या बन गयी। यह ''कुछ अत्यावश्यक व्यायाम'' का एक तरीका होने के साथ ''हमारे लिये दुनिया की समस्याओं को सुलझाने का एक अवसर भी बन गया है,'' हैरीसन ने कहा।

जो कोई किसी अमुक दिन आ सकता हो– रिचर्ड गार्नर, जॉन विलियम्स, निक और मारी विनोक्यूरफ – अपने विचारों को एक दूसरे के साथ बाँट लेने के मौके के लिये आ जाते हैं। और हर कोई हमेशा जानना चाहता है कि इयान की राय क्या है। ''वे उन सुझावों को ध्यान से सुन लेते हैं,'' हैरीसन कहते हैं ''और पाँच या छह बार की चहलकदमी के बीच हमें एक परियोजना मिल जाती है।''

दिसंबर की किसी सुहानी सुबह, संवाद काफी व्यापक होता है। ये दोस्त अनेक खबरों को लेकर विचार विमर्श करते हैं जैसे न्यूज़ीलैंड में समीपकालीन भूकंप, उनके रोटरी क्लबों – सैंड्रींगहाम, हैंपटन, नोबल-पार्क-कीसबरो तथा चेल्सिया –की कार्रवाईयाँ आदि।

जब वे लोग बोलते हैं तो राय्सली सुनते रहते हैं। वे ज़िंदगीभर लोगों को एक दूसरे से संपर्क कराने में, नये विचारों को प्रोत्साहित करने में, सुधार ले आने के तरीकों के बारे में लोगों का मार्गदर्शन करने में लगे रहे। रोटरी के नये अध्यक्ष इसे इतने लुभावने तरीके से, अपनी कमियों की पूरी समझ के साथ, हँसी मज़ाक के साथ करते हैं कि आपको पहले एहसास ही नहीं होगा कि वे कितने तीव्र रूप में संकेंद्रित हैं।

बायें से: *पैटरसन नदी किनारे जॉन विलियम्स, इयान राय्सली, केवीन हैरीसन, रिचर्ड गार्नर, मैरी तथा निक विनोक्यूरॉफ के बीच रोटरी के विचारों के बारे में विचार विमर्श।*

रोटरी के साथ राय्सली का पहला अनुभव, संस्था के अनेक नये सदस्यों के अनुभवों की भाँति ही था: उनकी समझ में नहीं आ रहा था कि क्या किया जाये। वे 1977 में एक लेखांकन फर्म के मालिक थे और उनके एक ग्राहक ने रोटरी क्लब चेलटेनहैम में वक्तव्य पेश करने के लिये कहा। ''मेरा पहला सवाल था, 'किस विषय पर?''' राय्सली ने याद किया। उनका दूसरा सवाल था: ''रोटरी क्लब क्या है?''

उन्होंने आयकर पर वक्तव्य पेश किया। ''अच्छे लोग थे, सही जगह पर हँस देते थे, वक्तव्य के वक्त जागे भी रहे,'' उन्होंने मज़ाक में कहा। कुछ हफ्तों बाद फिर एक बार उनके ग्राहक ने उन्हें, सैंड्रींगहैम में एक नये क्लब के लिये योजना बैठक में आमंत्रित किया।

''मैंने कहा, 'मैं ठीक तरह से जानता भी नहीं कि रोटरी क्या करता है, लेकिन मुझे आने में खुशी होगी,'''राय्सली ने कहा। ''असल में मैं पहली बैठक में जा नहीं पाया, लेकिन एक और फोन आया; सो मैं अगली बैठक में गया। समुदाय की सभी प्रभावशाली और प्रमुख हस्तियाँ वहाँ मौजूद थी, सो मैंने सोचा, वाह कैसे बढ़िया समूह के साथ मिलकर काम करने का मौका मिल रहा है।''

रोटरी का सदस्य बनने से पहले उन्होंने अपनी पत्नी जूलीयट से सलाह ली। इयान के अनेक दोस्त भी लेखा काम में थे, सो जूलीयट ने सोचा रोटरी में जाने से उनके व्यावसायिक दायरे से बाहर के लोगों से भी मिलने का मौका मिलेगा। वे 1978 में रोटरी क्लब सैंड्रींगहैम के चार्टर सदस्य बनें।

रायस्ली इस विचार को मानकर चलते हैं कि रोटरी एक ऐसी जगह है जहाँ लोग दुनिया का भला करने के साथ दोस्ती की कड़ी भी बनाते हुये व्यावसायिक संपर्क बनाते हैं। ''मैं यही कहना चाहूँगा कि रोटरी की परियोजनाओं और उनके काम ने मेरा दिल जीत लिया था, लेकिन यह सच नहीं है,'' उन्होंने गौर किया। ''यह असल में ऐसे लोगों के साथ मिलने जुलने के मौके की बात थी जो उस इलाके के सभ्राँत कारोबारी थे।''

आपने अक्सर किसी को कहते हुए सुना होगा, मुझे आश्चर्य है कि इयान इसके बारे में क्या सोचते हैं। वह बुद्धिमानी सलाह देते हैं।

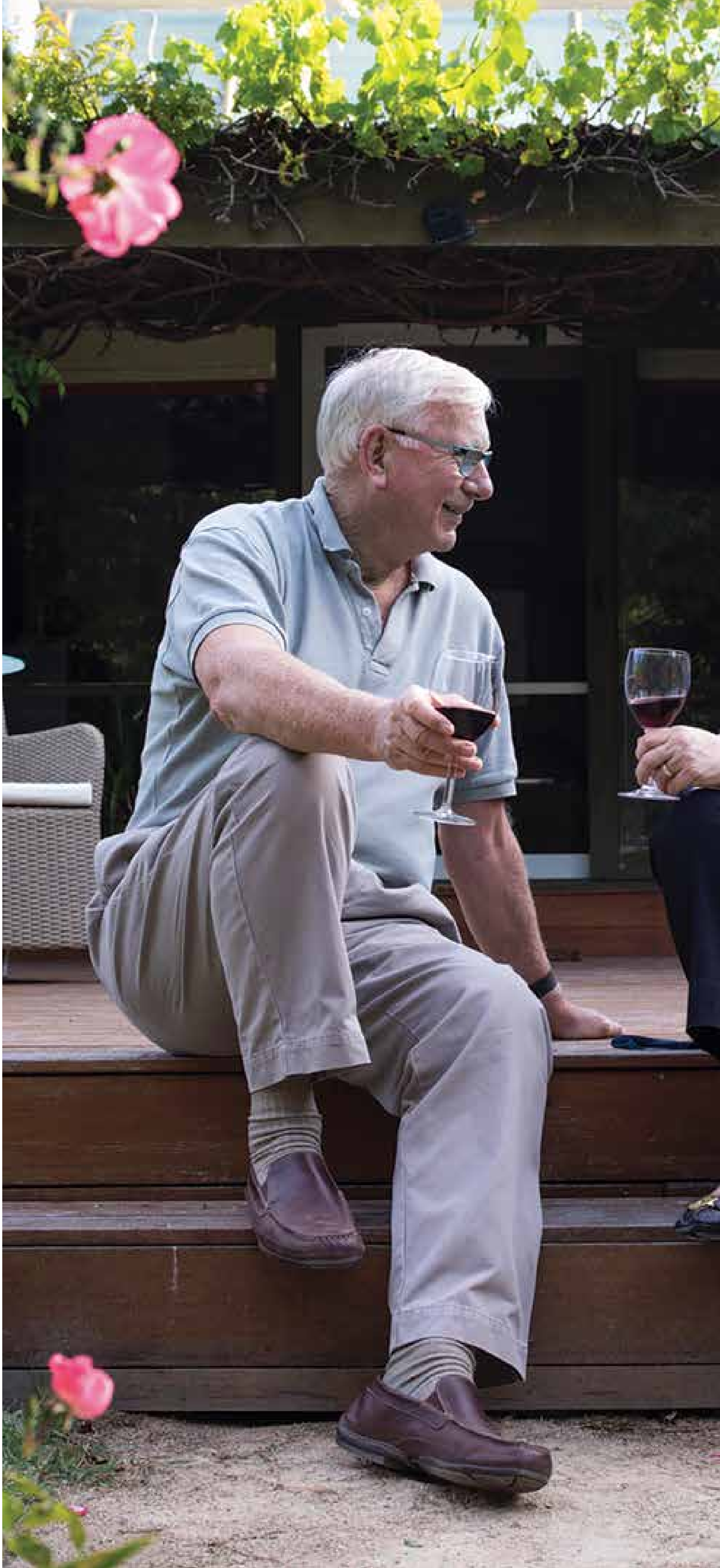

इयान तथा जूलीयट राय्सली अपने घर के पिछवाड़े की छत पर बैठना पसंद करते हैं जहाँ से उनके बगीचे का नज़ारा देखने को मिलता है। विश्राम करने और दिन भर की गतिविधियों का जायज़ा लेने के लिये यह सही जगह है।

एक बार वे रोटरी से जुड़ गये तो वह उनकी तथा जूलीयट की जिंदगी का अहम हिस्सा बन गया। ''शायद 15 साल बाद ही मैंने अपनी मास्टर की डिग्री करने की सोची,'' उन्होंने कहा। ''मैंने जूलीयट से कहा, 'तुम्हारा क्या कहना है?' और उसने कहा 'आपको काफी सारे नये लोगों से मिलने का मौका मिलेगा। हमारे ज्यादातर दोस्त रोटेरियन ही हैं।' अब मज़े की बात यह है कि रोटरी में आने की वजह यह थी कि हमारे बहुत सारे दोस्त लेखांकन के पेशे में ही थे और अब उसके विपरीत बहुत सारे रोटेरियन दोस्त होने की वजह से मैं पढना चाह रहा था! रोटरी ऐसा ही है। रोटरी आपको अपनी जकड़ में रखता है। हमारी बेटी रोटरी में हमारी संबध्दता को रोटारामा कहती हैं। वह कहती हैं 'इस रोटारामा ने आपको पूरी तरह से अपने कब्जे में कर लिया है,' और यह सच भी है। मुझे लगता है हममे से ज्यादातर लोगों का यही हाल है।''

रोटारामा प्रभाव के बावजूद, राय्सली की सेवा रोटरी तक ही सीमित नहीं है। उन्होंने 'सी स्काउट्स', क्रीड़ा संघटनों, स्कूली परिषदों तथा एक स्थानीय सामुदायिक सलाहकारी समूह के लिये अपना वक्त और अपनी शक्ति दी है। ऑस्ट्रेलियाई सरकार ने 2006 में, समुदाय की व्यापक सेवा करने की मान्यता में उन्हें 'मेडल ऑफ दि आर्डर ऑफ ऑस्ट्रेलिया' पुरस्कार से सम्मानित किया।

लेकिन रोटरी के प्रति राय्सली के उत्साह के बीच उन्हे एक चुनौती का भी सामना करना पड़ा, जब महिलाओं को सदस्यों की हैसीयत से दाखिल करने का सवाल 1980 दशक के प्रारंभ में उठाया गया। कैलीफोर्निया के रोटरी क्लब डुआर्ट ने 1977 में तीन महिलाओं को दाखिल किया था और अगले साल रोटरी इंटरनेशनल में क्लब की सदस्यता को निलंबित कर दिया गया। रोटरी के निदेशक मंडल (Board of Directors) तथा अनेक क्लबों ने 1980 में, रो इ तथा क्लब संविधानों व उप कानूनों में से ''पुरुष सदस्य'' कहकर सदस्यों के उल्लेख को हटाने का प्रस्ताव रखा जो नाकामयाब रहा। इससे इस मुद्दे की ओर दुनिया भर का ध्यान आकर्षित किया गया।

राय्सली के लिये यह अंतरात्मा के लिये एक संकट साबित हुआ। ''मुझे 1978 में सूझा ही नहीं कि ये सभी लोग केवल मर्द हैं। मैंने गौर ही नहीं किया था,'' उन्होंने याद किया। लेकिन जब महिलाओं के लिये सदस्यता एक विवादास्पद मुद्दा बन गया, तो उन्होंने कहा, ''मैंने खुद से सवाल किया, यह कितने पागलपन की बात है? यह कैसी संस्था है जिसमें दुनिया की आधी आबादी के लिये जगह नहीं है? सो मैंने सदस्यता से इस्तीफा दे दिया। मैंने कहा 'मैं ऐसी एक संस्था का सदस्य नहीं बन नहीं सकता जो भेदभाव करता हो।'''

उनके क्लब के अध्यक्ष ने एक और सुझाव दिया। ''उन्होंने कहा, 'मैं सिफारिश करुँगा कि आप इस्तीफा ना दें। संस्था के भीतर रहते हुये ही, रोटरी में महिलाओं को आमंत्रित करने के मुद्दे पर वाद विवाद करते रहें।' मैंने इस शर्त पर माना कि हम क्लब में राय जानने एक मतदान रखें और क्लब उसके नतीजे से सहमत हो।'' सो इस्तीफा मतदान किया और सदस्यों ने रोटरी में महिलाओं को शरीक करने के विचार पर प्रबल समर्थन दिया।

एक घनिष्ठ मित्र तथा रोटरी क्लब सैंड्रींगहैम के सदस्य बॉब रिचर्डस् इन विचार विमर्शों में राय्सली की भूमिका को याद करते हैं। ''महिलाओं को रोटरी में ले आने के बाबत में वे एक अटल समर्थक थे। वे कहा करते थे, 'नज़रियों तथा विचारों के विविधिकरण से हमारा फायदा हो सकता है,' रिचर्डस् का कहना है। जब 1989 में रोटरी ने आधिकारिक तौर पर अपने संविधान में परिवर्तन लाया तो तुरंत रोटरी क्लब सैंड्रींगहैम ने अनेक महिलाओं को सदस्य बनने के लिये आमंत्रित किया।

एक महिला जो सदस्य नहीं बनी वह थीं जूलीयट राय्सली; इसकी जगह वे 1995 में रोटरी क्लब हैंपटन की चार्टर अध्यक्ष बनी और पुस्तकालय एवं सूचना विज्ञान के क्षेत्र में अपने करियर के दौरान सान चढ़ाए गये अपने संगठनात्मक कौशल और उल्लेखनीय याददाश्त को वे यहाँ काम में ले आ पायी।

वे खुद रोटरी की कार्यशैली के बारे में प्रत्यक्ष अनुभव पाने के फायदों का जीती जागती सबूत थीं। ''जब मैं अध्यक्ष बनी तब इयान, क्लब अध्यक्ष बन चुके थे और युवा आदान प्रदान कार्यक्रम में संबध्द

थें,'' उन्होंने कहा। ''हम अनेक मंडल सम्मेलनों में हिस्सा ले चुके थे। निकट संपर्क का प्रभाव पड़ ही जाता है, सो जब मैं अध्यक्ष बनी, तो मेरे लिये कुछ आसान साबित हुआ।''

और जैसे जैसे रोटरी में इयान को अनेक किरदार निभाने पड़े वैसे वैसे जूलीयट के किरदार भी बढ़ते रहे। वे 1999-2000 में मंडल 9810 के मंडलाध्यक्ष बने; जूलीयट 2011-12 में मंडलाध्यक्ष बनी। जितना संभव हो दोनों एक दूसरे के कार्यक्रमों में हिस्सा लेते हैं। ''दोनों एक दूसरे के लिये सहायक साबित हुये हैं, लेकिन वे दोनों उतने ही स्वतंत्र विचार भी रखते हैं,'' करोल लॉटन कहती हैं, जिन्होंने अभी अभी उसी मंडल में मंडलाध्यक्ष की कार्यावधि पूरी की।

लेकिन इसका मतलब यह नहीं है कि उनके कलंडर की संचालन व कार्यान्वियन व्यवस्था जटिल नहीं है। ''वे दोनों अक्सर कार्यक्रमों में अलग अलग पधारा करते थे,'' रिचर्ड का कहना है। ''हम इसको लेकर मज़ाक में पूछते थे: 'इयान, जूलीयट जानती थी कि तुम आ रहे हो?' 'जूलीयट, इयान जानते थे कि तुम आ रही हो?'''

दोनों एक दूसरे के लिये सहायक साबित हुये हैं, लेकिन दोनों उतने ही स्वतंत्र विचार भी रखते हैं

ऑस्ट्रेलिया के बेहतरीन मदिरा प्रदेश के बीच स्थित गाँव मूरूडक में अपने घर एक शाम के दौरान, राय्सली दंपति हमें अपने बगीचे को दिखलाने के लिये ले गये; और जूलीयट इन विविध फूलों के नाम फर्राटे से कहने लगी। वहाँ फलों के पेड़ भी मौजूद थे और कहीं से छुड़वायी गयी दो बकरियाँ विंडा और लुलु भी थीं। ''हमने यह नाम नहीं रखा,'' इयान ने तुरंत स्पष्टीकरण दिया। वे बकरियों के बारे में शिकायतें करते रहते हैं लेकिन साफ ज़ाहिर है कि पेड़ों पर आक्रामक तरीके से कुतरने की आदत के बावजूद उन्हें इन बकरियों से बेहद लगाव भी हैं।

शाम को, इयान और जूलीयट को अपने छत पर दोस्तों के साथ बैठकर एक गिलास वाइन लेना अच्छा लगता है – अक्सर इस इलाके के किसी अंगूर के बागान से। उनके एक दोस्त पास ही के एलड्रिज इस्टेट को चलाते हैं; अपने बागान के पायनट नॉइर (जामुनी रंग के अंगूर) तथा चारडोनाय (सफेद अंगूर) के लिये उन्होंने अच्छा नाम कमा लिया है। लेकिन राय्सली दंपती, अंगूरी शराब के बारे में अपने 'ज्ञान' को साधारण मानते हैं। उनकी शराब की अलमारी में बढ़िया अंगूरी शराब के साथ मोल भाव करके खरीदी गयी शराब की बोतलें भी रखी गयी है।

मनोरंजक कहानियों को चालू वार्तालाप, एक दूसरे की बातों को सुधारते हुये, बढ़ाते हुये तथा कभी कभी विपरीत राय कहते हुये बतलाने की उनकी आदत है। ''शादीशुदा लोगों के बारे में एक बात'' जूलीयट ने कहा, ''यह है कि जब शादी होकर कई साल बीत जाते हैं तो,उनकी आदत है'' बीच में इयान दखल देते हैं: ''चुनिंदा तरीके से याददाश्त को बनाये रखना!'' जूलीयट ने आगे कहा: ''यह बिलकुल सच है। हम एक ही कहानी को अलग अलग तरीके से बतलाते है। लेकिन किस्मत से ज्यादा भिन्न नहीं।''

उनमें से अनेक कहानियाँ उनके बच्चों और नाते-पोतों के बारे में है। जिल, जो अपने पति स्कॉट और अपने दो बेटों विल तथा जैक के साथ मेलबोर्न में रहती हैं, निगमित सामाजिक जिम्मेदारी (CSR) में निपुण हैं और कैंब्रिज से उन्होंने मास्टर की डिग्री हासिल की है। राय्सली के बेटे ऐंड्रीयू, एक एटर्नी तथा उनकी पत्नी ब्रोनवैन, दोनों की मुलाकात लंदन स्कूल ऑफ इकोनोमिक्स् में ग्रेजुएट छात्रों के रूप में

हुयी थी। उनकी दो संतान है, नेवे और लाशलान; वे हाल में सिंगापुर से न्यूजीलैंड के वेलिंगटन में जा बसे।

लेकिन जूलीयट और इयान, दूसरों की कहानियाँ सुनना भी चाहते हैं। ''जब कभी आप इयान से मिलते हैं, वे आपके बारे में जानना चाहते हैं,'' कहते हैं ज्योफ टिकनर, जो लंबे अर्से से उनके दोस्त और उनके साथी रोटेरियन हैं। ''इसी तरह हमेशा कोई भी बातचीत शुरू होती है। हमेशा यही पूछा जाता है 'काफी समय से देखा नहीं आपको। आप क्या कर रहे हैं?'''

जब कभी आप उनके दोस्तों और साथियों से बात करते हैं तब बारंबार यही सुनने को मिलता है कि राय्सली एक अच्छे श्रोता हैं, ऐसे व्यक्ति जिनके पास आप सलाह-मशविरा करने के लिये जा सकते हो। ''यदि आपके पास कोई सुझाव हो, तो इयान से कहिये, क्योंकि वे उसे आगे ले जायेंगे,'' कहती हैं हेलन रैग्ग जो 2016-17 में रोटरी क्लब हैंपटन की अध्यक्षा थीं। ''और यदि वह सुझाव अच्छा नहीं हो तो, वे आपसे मुँह पर कह देंगे।''

रोटरी क्लब क्लैटन के जॉन बार्नस का कहना है रोटेरियन हर एक मौके पर राय्सली से सलाह लेते हैं: ''बैठकों में आप अक्सर किसी ना किसी को यह कहते हुये सुनेंगे, 'पता नहीं इस बारे में इयान क्या सोचते हैं,' या 'क्या किसी ने इस बारे में इयान को बतलाया है? वे सही सलाह देते हैं।''

बार्नस, इंटरप्लास्ट से जुड़ी परियोजना के लिये राय्सली से सलाह लेने की बात को याद करते हैं; इंटरप्लास्ट फटे तालु तथा भारी जलन के घाँव जैसी हालत में लोगों तक पुनर्वसन शल्य चिकित्सा को पहुँचाने के प्रति समर्पित गैर सरकारी संस्था है। बार्नस, एक ऐसे सुझाव के साथ राय्सली के पास गये जिसे वे, ''हास्यास्पद तरीके से एक महत्वाकाँक्षी योजना'' बतलाते हैं, ''जहाँ ऑस्ट्रेलिया के हर एक रोटरी क्लब को एक बड़ी रकम जुटाने में मदद करनी होगी और इससे मिलने वाले ब्याज से इंटरप्लास्ट परियोजनाओं का निधिकरण करना होगा।''

यदि राय्सली, जो उस वक्त मंडलाध्यक्ष थे, को अविश्वास हो रहा था, तो उन्होंने उसे ज़ाहिर नहीं होने दिया। ''मुझे लगता है उन्होंने मुझे निराश नहीं करना चाहा होगा, सो उन्होंने कहा, 'मैं आपकी मदद करूंगा,'''बार्नस ने कहा। ''उन्होंने उस पर रोक नहीं लगायी।''

इस बीच राय्सली ने कई लोगों से अपना परिचय करा लिया, सलाह दी और आखिर में, बार्नस को ऑस्ट्रेलिया के इक्कीसों मंडल से सहायता मिली; आगे चलकर न्यूजीलैंड के छह मंडलों से भी सहायता मिली। रोटरी, निधि और स्वयंसेवकों के रूप में सहायता करता है; रॉयल ऑस्ट्रेलियन कॉलेज ऑफ सर्जन्स्, कुछ कुशल शल्य चिकित्सकों को भेजता है जो स्वेच्छा से अपनी सेवायें पहुँचाते है। ''इंटरप्लास्ट, समुदाय की किसी ज़रूरत को पूरा करने दूसरी संस्था के साथ रोटरी की सहभागिता की उत्कृष्ट मिसाल है,'' राय्सली कहते हैं।

''वे हमेशा दिलचस्पी दिखलाते थे, हमेशा जानना चाहते थे कि हमारा काम कैसे चल रहा है, हमेशा हमारी प्रगति को देखना चाहते थे,'' राय्सली के बारे में बार्नस का कहना है। ''यदि उन्होंने कुछ ऐसा पाया जो काम नहीं कर रहा हो, तो वे शायद मेरे पास आकर धीरे से इस बारे में कहते। वे आपको आगे की एक जायज़ कार्यवाही योजना देते हैं।''

मंडल 9810 के रोटेरियन, मंडलाध्यक्ष के रूप में राय्सली के कार्य वर्ष के दौरान आयोजित मंडल सम्मेलन को बड़े प्यार से याद करते हैं। उन्होंने देखा कि कुछ मंच कौशल की ज़रूरत थी, सो उन्होंने मंच पर दौड़ प्रतियोगिता के कार में प्रवेश किया; तब से मंडल के मंडलाध्यक्ष उतने ही नाटकीय तरीके से मंच में प्रवेश करने की कोशिश करते रहे। रिचर्डस् एक छोटे ताकतवर घोड़े (एक चौथाई मील तक चलने वाला) पर सवार होकर आये।

जूलीयट तथा इयान को, पोर्ट फिलिप बै के समुद्र तट सहित मेलबोर्न इलाके की प्राकृतिक सुंदरता हमेशा पसंद आती है।

रायसली जोर देकर कहते हैं कि जब कि संस्था का एक मुख्य तत्व है मनोरंजन, रोटरी को चाहिये कि दुनिया में परिवर्तन ले आये। जनवरी में इंटरनेशनल असेंब्ली में उन्होंने गौर किया कि पर्यावरणीय अपकर्षण हम सभी के लिये एक खतरा बन गया है और प्रत्येक रोटरी क्लब से अर्ज किया कि व्यावहारिक प्रभाव तथा प्रतीकात्मक शक्ति, दोनों सहित वे प्रत्येक सदस्य के लिये एक पेड का रोपण करें।

अधिक युवा सदस्यों को ले आने के बाबत में रोटरी को और भी कुछ करना होगा जिन्हें, उनका कहना है, अनेक तरह की माँगों का सामना करना पडता है। वे सेवा करने के इच्छुक हैं और भले काम करने के लिये उत्सुक हैं, वे कहते हैं, लेकिन उन्हें विकल्पों की जरूरत है। ''हम उन्हें ऐसे तरीके से संबध्द करायें कि उनका वक्त बेकार में बर्बाद ना हो,'' उनका कहना है।

सदस्यता तथा बैठकों में क्लबों को ज्यादा लचीलापन प्रदान करने के 2016 विधि परिषद के फैसले का उत्साह के साथ समर्थन करने की यह भी एक वजह है। ''यदि आप हर हफ्ते मिलना चाहते हैं और यह आपके क्लब के लिये ठीक है, तो बढ़िया बात है,'' उनका कहना है। ''लेकिन ऐसे भी लोग हैं जो ऐसा नहीं कर सकते, वजह चाहे कुछ भी हो। मेरे लिये लचीलापन वाकई मायने रखता है।''

रायसली को यह भी चिंता है कि रोटरी को संस्था के बाहर के लोगों के साथ संचारण करने के काम को और भी बेहतर बनाना है। ''हम अपने बीच ही बातचीत करते हैं और सालों से एक ऐसा लोकाचार चलते आ रहा था जिसकी गुंजाइश को हमने बढ़ाया ही नहीं,'' उन्होंने गौर किया। ''हमने बाहरी दुनिया में खुद का विपणन् करने का पर्याप्त प्रयास नहीं किया है। एक चीज़ जिसके बाबत में मैं पूरी तरह से पथरा गया हूँ वह यह है कि जब पोलियो चला जायेगा, तो रोटरी को उस तरह की मान्यता नहीं मिल पायेगी जो हमारे लिये मुनासिब हो।''

सदैव एक लेखाकार, रायसली को लगता है कि रोटरी के प्रभाव को प्रदर्शित करने का एक तरीका है उसे परिमाणित करना। ''बस रोटरी अपने सेवा कार्यों के मूल्य का हिसाब नहीं लगाता। दुनिया भर में 35,000 रोटरी क्लबें हैं और वे सभी भले काम ही करते हैं।'' प्रत्येक क्लब से यह पूछने का उनका इरादा है कि वे अपने व्यय या अंशदान की रकम तथा स्वैच्छिक सेवा में बिताये गये समय के बारे में रपट भेजें ताकि रोटरी उसका हिसाब लगा सके: ''मेरा मानना है कि ना केवल शेष दुनिया बल्कि खुद रोटेरियन भी हमारे सेवा कार्यों के मूल्य को देखकर हैरान रह जायेंगे।''

चित्र : मोनिका लोजिंस्का, द रोटेरियन से पुनर्उत्पादित

रशीदा भगत

जयपुर में एमडीपेट्स के दौरान अध्यक्ष इयान रायसली चाहते थे कि रोटेरियन इस वर्ष कम से कम एक पौधारोपण करें। यह हमारे ग्रह को ज्यादा हरित आवरण देगा। कम से कम मिलियन पेड़।

जब पंजाब इटली से मिला

रशीदा भगत

हालाँकि यह बिल्कुल बल्ले बल्ले जैसा नहीं था परन्तु काफी उसके जैसे ही था, कम से कम उत्सव मनाने के इसके व्यापक जोश में, जब पीडीआरआर (पूर्व मंडल रोट्रेक्ट प्रतिनिधि) सतिंदर सिंह देव, जो अब रोटरी क्लब लाडवा, मंडल 3080, के सदस्य हैं, इटली के मिलान में रोट्रेक्टरों के एक दल से मिले।

सिंह, जिन्हें मई में यूरोप के स्विट्ज़रलैंड, इटली और ऑस्ट्रिया की 9-दिवसीय यात्रा करना था एक लाइव संगीत समारोह के लिए जिसका नेतृत्व जाने-माने पंजाबी अभिनेता-निर्देशक गिप्पी ग्रेवाल ने किया था, को कुछ दिनों के लिए मिलान में होना था। चूंकि वह काफी सालों तक रोट्रेक्टर रह चुके हैं और पूर्व डीआरआर हैं (2009-10), और रोट्रेक्ट दक्षिण एशिया एमडीआईओ के पूर्व उपाध्यक्ष हैं, ''इटली के लिए निकलने से पूर्व, मैंने मिलान के रोट्रेक्ट क्लब सदस्यों को उनके फेसबुक पृष्ठ के माध्यम से संपर्क किया।'' उनके पूर्व अध्यक्ष जॉर्जियो मरियानी की अत्यंत सकारात्मक प्रतिक्रिया से वह बहुत प्रसन्न थे।

पीडीआरआर सतिंदर सिंह मिलान में एक महिला रोट्रेक्टर को रोटरी पिन लगाते हुए।

''उन्होंने ना केवल उनके क्लब के सदस्यों से मिलने के लिए मुझे आमंत्रित किया बल्कि उन्होंने मुझे मिलान में मेरे रुकने तक होने वाले सभी नियोजित समारोह एवं बैठकों की जानकारी भी भेजी।''

आखिरकार, वह उनसे मिले, एक दूसरे को मंडल पिन, रोटेशिया निशानी, टी-शर्ट, और अन्य उपहार दिए। ''वे बहुत स्नेही एवं स्वागत करने वाले थे। अनूठे इतालवी अतिथि सत्कार एवं मित्रभाव को दिखाते हुए, वे मेट्रो स्टेशन पर मुझे लेने आये, आसपास की जगह दिखाई और फिर मुझे एक कैफ़े ले गए। और हमनें अनुदान इकठ्ठा करने के विभिन्न तरीकों पर बातचीत की; कैसे वे इटली में अनुदान इकठ्ठा करते है और कैसे हम भारत में ऐसा करते है।''

इतने वर्षों तक स्वयं रोट्रेक्टर, और डीआरआर भी, रहते हुए उन्होंने भारतीय रोटरेक्टरों एवं इतालवी रोट्रेक्टरों में क्या अंतर पाया? ''ओह, भारत में हमारे मुकाबले, मैंने उन्हें बेहतर संगठित, अधिक केन्द्रित एवं अनुशासित पाया। साथ ही, हमारे पास समुदाय-आधारित रोट्रेक्टर ज्यादा हैं, परन्तु वहाँ यह अलग है; वे अधिक संस्थान-आधारित है।''

सिंह आगे कहते हैं कि वह सभी भारत आने के लिए अत्यंत रुचिकर थे, और वे विशेषरूप से 'बॉम्बे' देखना चाहते हैं और ''मैंने उन्हें हमारी तरफ से दिल से आमंत्रित किया है, और मुझे विश्वास है कि वे अवश्य आयेंगे।''

कुछ अंतर्राष्ट्रीय परियोजनाओं, जिन्हें वे इतालवी रोट्रेक्टरों के साथ करने की योजना बना रहे हैं, के बारे में जानकारी हासिल करने के लिए इसे उत्कृष्ट अनुभव बताते हुए, वह कहते हैं कि उन्होंने मंडल रोट्रेक्ट प्रतिनिधि सी.पी. शुभम रतन और रोटेशिया चेयरमैन पी.एच.एफ. गगन सरीन की ओर से मंडल 3080 का प्रतिनिधित्व किया, और उन्हें मंडल में एक यूथ एक्सचेंज दल को भेजने का निमंत्रण दिया।

''हमने हमारी संस्कृतियों के बारे में बात की और उन्होंने बताया कि भारत आना अब उनकी इच्छा-सूची में शीर्ष पर है, क्योंकि उन्हें भारत के किसी भी क्लब से अब तक कोई निमंत्रण प्राप्त नहीं हुआ था। मेरी रोटरी और रोट्रेक्ट परिवार को मेरे घर से इतना दूर देखना, और स्वयं के द्वारा यह जानना कि कैसे रोटरी एवं रोटरेक्ट हमें दुनिया भर से जोड़ते है, वास्तव में एक अद्भुत अनुभव था!'' ■

भारत आना अब उनकी इच्छा-सूची में शीर्ष पर है, क्योंकि उन्हें भारत के किसी भी क्लब से अब तक कोई निमंत्रण प्राप्त नहीं हुआ था।

के आर रविन्द्रन के साथ एक मुलाकात

कृष्णन श्रीराम

रविन्द्रन के साथ भेंट कोयम्बत्तूर के रोटेरियनों के लिए एक यादगार शाम बन गई, जिन्होंने रोटरी के मौजूदा परिप्रेक्ष्य में IPRIP K R रविन्द्रन के साथ एक परिचर्चा शो में भाग लिया। शहर के रोटरी क्लबों के करीब 175 रोटेरियनों से लेकर DG प्रकाश चंद्रन ने रोटरी और उसके कामकाज के बारे में पूछताछ के लिए अपनी स्पष्ट, नापसंद प्रतिक्रिया का आनंद उठाया।

रोटरी क्लब कोयम्बत्तूर मेट्रोपोलिस, मंडल 3201 द्वारा आयोजित सत्र, PDG V राजकुमार द्वारा लांच किया गया। उनके नेतृत्व मंत्र के लिए पूछे जाने पर, रविन्द्रन ने कहा कि एक नेता को अपने चारों ओर निर्णय लेने की स्थिति में असाधारण और तेज-तर्रार लोगों को रखना चाहिए। "मैं बहुत स्मार्ट नहीं हूं; मैं स्वयं को स्मार्ट लोगों के साथ जिम्मेदारी की स्थिति में बनाए रखता हूं," उन्होंने दर्शकों की हंसी के बीच कहा। उन्होंने कहा कि एक नेता को अपने वचन का पालन करना चाहिए, अन्यथा वह "एक राजनीतिज्ञ की तरह" दिखेगा।

उनके विचार में, पारदर्शिता और जवाबदेही, रोटरी के मजबूत कामकाज का "आधारस्तंभ" है। उन्होंने रोटरी के कामकाज को व्यावहारिक बनाने के लिए पिछले वर्ष के प्रयासों पर सहमति व्यक्त करते हुए रेखांकित किया कि रणनीतिक लागत-कटौती के उपायों से परिचालन लागत के मद में RI 2.5 मिलियन डॉलर से अधिक बचत की गई। अध्यक्ष जॉन जर्म ने अनुसरण किया और सभी RI के कार्यालयों को दुनिया के लिए खोल दिया और "हमें संगठन में 120 विज्ञापित स्वयंसेवक पदों के लिए कुछ 900 आवेदन प्राप्त हुए हैं।" उन्होंने कहा कि कोरिया सम्मेलन ने अतिरिक्त 2.5 मिलियन डॉलर का लाभ अर्जित किया है।

DGN के लिए प्रचार के विरुद्ध उठाए गए कदमों से सम्बंधित एक प्रश्न के उत्तर में उन्होंने कहा कि उनका जनादेश वास्तविक चुनाव होने से पहले चुनाव प्रचार के आरोपों की जांच करना है; इसके बाद किसी भी अपील के लिए चुनाव समीक्षा समिति में जाना चाहिए। दुर्भाग्य से, उन्होंने कहा, उन्होंने देखा कि किसी ने भी चुनाव के लिए दौड़

तस्वीर का शीर्षक : रोटरी क्लब ऑफ कोयम्बत्तूर मे मेट्रोपोलिस के अध्यक्ष जयकुमार रामदास IPRIP के आर रविन्द्रन को स्मृति चिन्ह प्रदान करते हुए। चित्र में मंडल 3201 के DG प्रकाश चंद्रन और PDG वी राजकुमार (बाएं) भी शामिल हैं।

के दौरान कोई शिकायत नहीं की है। वे ऐसा तभी करते हैं, जब वे चुनाव हार जाते हैं, यदि वे जीतते हैं, तो वे कहते हैं कि यह एक शानदार आयोजन था!

उन्होंने आगे कहा कि यदि शिकायत समय पर की जाती है, तो दुर्व्यवहारियों के साथ-साथ तुच्छ आरोपों की भी जांच की जाएगी और उनके साथ उपयुक्त प्रकार से निपटा जाएगा।

सदस्यता के संबंध में, रविन्द्रन ने कहा कि यह सभी क्लबों की प्राथमिक जिम्मेदारी है कि वे गुणवत्तापूर्ण सदस्यता में वृद्धि करें और उसे बनाए रखें। "आप कितने सदस्यों को व्यक्तिगत रूप से पिछले वर्ष लाने में सक्षम हुए," उन्होंने एक क्लब के अध्यक्ष से पूछा जो यह जानना चाहते थे रोटरी की सदस्यता स्थिर क्यों बनी रही है। उन्होंने कहा कि उनकी जानकारी के अनुसार, रोटरी में अच्छे लोगों को बनाए रखने का सबसे प्रभावी उपाय संरक्षक-संरक्षित की थी।

इसके अंतर्गत, RI ने एक अभिनव वैश्विक पुरस्कार कार्यक्रम शुरू किया था जिसके अंतर्गत रोटेरियन प्रमुख ब्रांडों से विशेष छूट वाले दरों पर विभिन्न उत्पादों और सेवाओं को प्राप्त कर सकते थे। वे अन्य रोटेरियनों को छूट पर बिक्री के लिए अपने स्वयं के उत्पादों को भी प्रस्तुत कर सकते थे। यह कार्यक्रम जोर पकड़ रहा था, परंतु रोटेरियनों के बीच प्रचारित किए जाने की जरूरत थी, क्योंकि इसमें गुणवत्तापूर्ण सदस्यों को आकर्षित करने की क्षमता थी।

आइए हम अवार्ड्स, पुरस्कार की दौड़ में नहीं पड़ें। आइए हम अपनी परियोजनाओं को पूरे दिल से पूरा करें; पुरस्कार व प्रशंसा आपका अनुसरण करेगी

उनका दावा है कि "हम दुनिया से पोलियो को खत्म करने के बहुत करीब हैं", पर उपस्थित लोगों ने जमकर तालियाँ बजाई। उन्होंने कहा कि RI ने इस बडे कार्यक्रम में 11 बिलियन डॉलर का निवेश किया है जिससे बच्चों को अपंग होने से बचाने के अलावा अगले 30 वर्षों में 50 बिलियन डॉलर की बचत होगी।

पोलियो उन्मूलन के बाद अगला कार्यक्रम क्या होगा? क्या रोटरी अब नोबेल शांति पुरस्कार पाने की हक़दार होगी?

"आइए हम अवार्ड्स, पुरस्कार की दौड़ में नहीं पड़ें। आइए हम अपनी परियोजनाओं को पूरे दिल से पूरा करें; प्रशंसा आपका अनुसरण करेगी" उनका गुप्त उत्तर था। कोयम्बत्तूर में रोटरी की सार्वजनिक छवि को सुधारने के सुझावों के बारे में उन्होंने सुझाव दिया कि यदि कोयम्बत्तूर के सभी 36 क्लब एक साथ मिलकर काम करते हैं और एक विशाल समुदायिक परियोजना को निष्पादित करते हैं, तो निश्चित रूप से रोटरी लोगों के मध्य अधिक स्पष्ट रूप से दिखाई देगी।

घटनाओं की एक कड़ी का वर्णन करते हुए, उन्होंने हल्के क्षणों को याद करते हुए बताया कि कैसे वह अपने पहले दिन RI के अध्यक्ष के नामांकित व्यक्ति के रूप में एवनस्टोन में, लिफ्ट के लिए इंतजार कर रहे थे, तभी एक आरआई महिला कर्मचारी सदस्य जो उसे पहचान नहीं सकी, उसने उन्हें अध्यक्ष के बारे में चेतावनी देते हुए कहा अगर उनका इरादा 18 वीं मंजिल (अध्यक्ष की मंजिल पर) जाने का है और अगर उनके पास पहले से कोई अपॉइंटमेंट नहीं है तो अध्यक्ष की रक्षा करने वाली कठिन महिलाओं से होकर आगे बढ़ना उनके लिए मुश्किल होगा!■

TRF कॉर्पोरेट के साथ उनके CSR फण्ड के लिए साझेदारी करता है

टीम रोटरी समाचार

रोटरी फाउंडेशन अब भारतीय कॉर्पोरेट के साथ साझेदारी कर रहा है ताकि उनके CSR निधि का उपयोग सामुदायिक सेवा के कार्यों के लिए किया जाता है। यह प्रक्रिया रोटरी वर्ष 2016-17 से शुरू हुई है, और भारतीय रोटरी क्लब कॉर्पोरेट CSR निधि का उपयोग कल्याणकारी परियोजनाओं के लिए कर सकते हैं।

क्लब विभिन्न क्षेत्रों जैसी आधारभूत शिक्षा और साक्षरता (शिक्षा / व्यवसायिक प्रशिक्षण / वयस्क शिक्षा और मध्याहन भोजन); जल और स्वच्छता (वर्षा-जल संचयन, पेयजल सुविधा और स्वच्छता सुविधाएँ); मातृ और बाल स्वास्थ्य और बीमारी रोकथाम (कुपोषण) और; आर्थिक विकास से जुड़ी परियोजनाओं की अनुशंसा कर सकती हैं, ताकि व्यवसायिक और जीविकोपार्जन के कौशल प्रदान किया जा सके।

शर्तें

- कॉर्पोरेट योगदान की राशि न्यूनतम 32,000 होनी चाहिए, जिसमें से 5 प्रतिशत राशि अतिरिक्त व्यय के लिए आवंटित की जानी चाहिए
- परियोजनाओं का निष्पादन टिकाउ वैश्विक अनुदानों के माध्यम से किया जाएगा
- कॉर्पोरेट और PRID यशपाल दास के नेतृत्व में रोटरी फाउंडेशन (इंडिया) के मध्य MOU पर हस्ताक्षर किया जाएगा।
- संबंधित क्लब/मंडल द्वारा अनुदान के लिए आवेदन ऑनलाइन प्रस्तुत किया जाएगा
- RF(I) द्वारा कॉर्पोरेटको रिपोर्टिंग
- अनुदान या बिना अनुदान के इंटरनेशनल रोटरी पार्टनर अनिवार्य है
- निष्पादित करने वाले क्लब/मंडल को दो वर्षों की रिपोर्ट RF(I) को उपलब्ध कराना चाहिए
- यदि कुल अनुदान की राशि 100,000 डॉलर से अधिक होती है, तो TRF अतिरिक्त समीक्षा करेगा
- अतिरिक्त नगद और DDF को क्रमश: 1:0.5 और 1:1 मिलान किया जाएगा।
- भाग लेने वाली कंपनी को एक प्रशंसा पत्र प्रदान किया जाएगा और कॉर्पोरेट प्रमुख को TRF द्वारा लेवल 2 मेजर डोनर के रूप में मान्यता दी जाएगी।

गत वर्ष हस्ताक्षर किए गए कॉर्पोरेट-रोटरी पार्टनरशिप में रोटरी क्लब नागपुर (3030) के साथ ग्वालियर अल्कोब्रेव, रोटरी क्लब मैग्नम (3012) के साथ जेको एयरकॉन, रोटरी क्लब काशीपुर (3110) के साथ नैनी टिश्यूज और रोटरी क्लब आगरा ग्रैंड (3110) के साथ RDS प्रोजेक्ट्स शामिल है।

अधिक जानकारी के लिए, कृपया जयश्री जयरामण, टीम लीडर CSR, विन्स, RI साउथ एशिया ऑफिस, दिल्ली से 011-42250142 या *Jayashree.jayaraman@rotary.org* पर संपर्क करें।■

हैप्पी अवर्स ले आये
हैप्पी विलेज और हैप्पी स्कूल

रशीदा भगत

यह जानने कि भारत के दूरवर्ती इलाकों में स्कूल के बच्चों के लिये एक साधारण सा बेंच कितना मायने रखता है आगे पढ़िये

इस छोटे से वाक्यात से अंदाज़ा लगाया जा सकता है कि स्कूल के बच्चों के लिये बेंच, डेस्क और कुर्सियाँ कितना मायने रखते हैं। जब चेन्नई के बाहरी इलाके के एक छोटे से गाँव में, एक रोटरी क्लब के रोटेरियनों ने हैप्पी स्कूल का निर्माण किया और बेंच, कुर्सियाँ आदि दिये तो अल्पाहार-अवकाश के दौरान एक छोटी लड़की ने अपनी नयी कुर्सी से उठने के लिये मना कर दिया। जब बारंबार कहे जाने के बाद भी वह उठने के लिये तैयार नहीं हुयी तो एक रोटेरियन उनके पास बैठे और प्यार से उससे पूछा कि वह क्यों कुछ भी खाना नहीं चाहती। और उस बच्ची ने जवाब दिया: ''ज़िंदगी में पहली बार मैं किसी कुर्सी पर बैठी हूँ; मुझे बताया गया है कि यह मेरी अपनी कुर्सी है, तो फिर आप क्यों इतनी जल्दी मुझे उठने के लिये कह रहे हैं?''

मंडल 3131 के अंतर्गत रोटरी क्लब पुणे फोर ईस्ट के अध्यक्ष रोटेरियन पंकज पटेल ने मुझ से इस घटना का बयान किया, जिन्होने अपने क्लब के सदस्यों के साथ मिलकर, पुणे से 116 किमी दूरी पर स्थित आदीवासी गाँव ताँबे की पूरी तरह से काया पलट कर दी... गाँव की जल संचयन जरूरतों को पूरा करते हुये तथा गाँव के बाबा साहेब अंबेडकर उच्च माध्यमिक विद्यालय के 100 के आसपास छात्रों के लिये एक बढ़िया स्कूल बनवाकर।

जिस तरह से स्कूल और ग्राम परियोजना को कार्यांवित किया गया वह इस बात की सही मिसाल है कि किस तरह रोटरी में सखापन और साहचर्य से जीवन-परिवर्तनीय परियोजनायें योजित की जा सकती है। रोटरी वर्ष 2014-15 के दौरान एक शुभ दिन रोटरी क्लब पुणे फोर ईस्ट के रोटेरियन, जो 'हैप्पी अवर्स'

सुरेश पोद्दार इतने उत्साही दाता है और कहते हैं कि जब बिल गेट्स ने रोटरी को इतना अंशदान दिया है, तो मैं क्यों नहीं? भगवान की दया से मेरे पास जरूरत से ज्यादा है और मुझमे कोई बुरी लत भी नहीं है कि अपनी दौलत उसी पर लुटा दूँ!

पंकज पटेल, अध्यक्ष,
रोटरी क्लब पुणे फोर ईस्ट

स्कूल के निर्माण से पहले, छात्रों को पत्थरों के ढेर पर बैठना पड़ता था।

ग्रुप के सदस्य हैं, जुन्नर तालुका के पास माणिकडोह बाँध पर पिकनिक के लिये गये। उस पिकनिक में क्लब अध्यक्ष मिहीर राजे और तब के सचिव पंकज पटेल भी आये हुये थे। वहाँ उनकी मुलाकात केंद्रीय सरकार के बाल विकास परियोजना अधिकारी रविंद्र भीमाजी ताळपे तथा ताँबे गाँव के डॉ बाबासाहेब अंबेडकर विद्यालय के वरिष्ठ शिक्षक अरुण धोंडीभाऊ माटेळे से हुयी।

सामाजिक तौर पर जागरुक, ये दोनों, आदीवासी ग्राम ताँबे की बेहतरी की दिशा में काम कर रहे थे जहाँ की आबादी है 3,500। इन रोटेरियनों ने गाँव की जरूरतों को पूरा करने में दिलचस्पी दिखायी; उन्हें बतलाया गया कि हालाँकि यहाँ अच्छी बारिश रही लोगों को पानी के अभाव का सामना करना पड़ा क्योंकि जल संचयन सुविधायें उपलब्ध नहीं है।

हजार कदमों का सफ़र

रोटेरियनों ने फैसला किया कि उनका क्लब इस गाँव को गोद लेगा और उसे एक 'हैप्पी विलेज' यानि खुशहाल गाँव बनायेगा। पहले क्लब ने उसके चार्टर दिवस समारोह की पार्टी के लिये रखे गये रु 60,000 का उपयोग करते हुये गाँव में पानी की टंकियाँ बनाने का फैसला किया। ''कहते हैं हजार कदमों के फासले का एक सफर, उस पहले, साहसिक कदम से शुरू होता है – और हमारे क्लब का यही वह पहला कदम है,'' पटेल ने कहा। जल्द ही क्लब ने चबूतरों, पाइपों तथा इतर संबंधित सामग्रियों के साथ छह पानी की टंकियाँ दी।

सामने का पृष्ठ : (बाएं से) ए जी पंजाब राव काथे, रोटरी क्लब पुणे फार ईस्ट के अध्यक्ष पंकज पटेल, पद्मजा देशमुख, डी जी (मंडल 3131) प्रशांत देशमुख, भालेराव, ए जी किरण पोद्दार, इनर व्हील पुणे रिवरसाइड के अध्यक्ष नेरू मगर, रोटेरियन सुरेंद्र आंचलिया, AKS सदस्य सुरेश पोद्दार (बीच में) और निम्मी पटेल, पंकज पटेल की पत्नी (जो अंत में दाएं बैठीं हैं)।

जब वे इस परियोजना पर काम कर रहे थे, उन्होंने एक बार गाँव के स्कूल – अंबेडकर विद्यालय को भेंट दी; उनमें से एक रोटेरियन ने वहाँ रखे फलक को देखा जिसमें बोर्ड की परीक्षाओं में 100 प्रतिशत पास के नतीजों के बारे में नाज़ के साथ सूचित किया गया था। उन्होंने यह भी गौर किया कि चोटी के तीन स्थान लड़कियों ने हासिल किया था! ''क्योंकि गाँव में लड़कों से ज्यादा लड़कियाँ थीं, स्कूल में भी लड़कियों की संख्या ज्यादा थीं,'' पटेल ने कहा। लेकिन उन रोटेरियनों ने यह भी देखा कि एक मंदिर के पास बने इस स्कूल को एक जीर्ण-शीर्ण इमारत में चलाया जा रहा था जहाँ का रखरखाव भी घटिया था।

सो उन्होंने फैसला किया कि स्कूल को एक नयी इमारत की जरूरत थी और यदि उन्हें जमीन मिल जाये तो वे निधि इकठ्ठा करेंगे और छात्रों को यथा संभव बेहतरीन सुविधायें दिलायेंगे। दाज्ञानदेव रामाजी मिंधे नामक एक परोपकारी सज्जन ने स्कूल के लिये जमीन दी और इन छात्रों के लिये एकदम नया स्कूल बनाने की योजना बनायी गयी।

क्लब के फाउंडेशन निदेशक रोटेरियन राजकुमार मागर चूँकि रियल एस्टेट (भूमि भवन विक्री कारोबार) और कृषि उद्योग में हैं, उन्होंने तुरंत उस जमीन के चारों ओर आड बनाने का सुझाव देने के साथ स्कूल की इमारत को शुरू करने निधि भी दी। यह सब होते होते रोटरी वर्ष 2015-16 आ गया और 15 अगस्त 2016 को, क्लब के अध्यक्ष राजेश शाह के नेतृत्व तथा रोटेरियन नीलेश अवचारे की मौजूदगी में, पटेल ने भूमि पूजा की और गाँववालों को आश्वासन दिया कि जल्द ही उनके गाँव को 'हैप्पी विलेज'बना दिया जायेगा।

रास्ते का रोडा

जब काम शुरू हुआ, रास्ते का पहला रोडा था अकाल-जैसी स्थिति और पानी का अभाव जिससे बाँध काम को रोकना पड़ा। और जून में मानसून आ गया तो मानों आसमान खुल गया; इतनी भारी बरसात हुयी कि काम आगे बढ़ ही नहीं पाया! हालाँकि रु10 लाख की निधि उपलब्ध थी, वे स्कूल की इमारत बनवाने के काम को कुछ समय तक जारी नहीं रख पाये।

यह अनोखी परियोजना, दूरवर्ती इलाकों के अभावग्रस्त लोगों तक पहुँचने, हमारे क्लब अध्यक्षों को दिये जाने वाले प्रशिक्षण का सबूत है।

डीजी प्रशाँत देशमुख,
मंडल 3131

इस बीच पटेलजी की पत्नी निम्मी ने, जो इसी क्लब की सदस्या है, कनाडा को भेंट दी जहाँ उनकी मुलाकात रोटरी क्लब मारखैम सनराईज की अध्यक्षा सुसान पीटरसन से हुयी जिन्होने उनके क्लब के साथ ताँबे गाँव के लिये एक संयुक्त ग्लोबल ग्रांट परियोजना करने का प्रस्ताव रखा। लेकिन यह ग्लोबल ग्रांट कार्यांवित नहीं हो पाया।

हौसला रखते हुये, क्लब ने अपने प्रयासों को जारी रखा और नॉर्थ करोलीना के रोटरी क्लब हेवलॉक चेर्रीपॉईंट से एक ग्लोबल ग्रांट के रूप में एक और संभावना पायी। लेकिन यह भी कार्यांवित नहीं हो पाया और ''कुछ घटनाओं की वजह से यह परियोजना रुक गयी। शायद भगवान को हमारे प्रयासों पर यकीन नहीं हो रहा था; वे हमारे सब्र और अटलता की परीक्षा लेते रहें।''

उन्होंने कहा कि कभी कभी इन अनुदानों के लिये मंजूरी पाने ''परियोजनाओं, लाभार्थियों के बारे में इतने सारे सवाल और इतने सारे विवरणों की जरूरत है, कि हमारे क्लब स्तर पर यूँ महसूस किया गया कि इतने सारे सवालों का जवाब देने से बेहतर यही होगा कि हम खुद ही इस रकम को जुटा लें, क्योंकि टीआरएफ अनुदानों को पाने में काफी वक्त भी लग जाता है। और फिर भगवान उन्हीं की मदद करता है जो अपनी मदद खुद कर लेते हैं,'' पटेल ने कहा।

और काले बादल हट गये

यह सहायता, पटेल और मंडल 3052 के अंतर्गत रोटरी क्लब जयपुर मिडटाउन के सदस्य पीडीजी अनिल अग्रवाल की मुलाकात के जरिये मिल पायी जब पीडीजी अनिल अग्रवाल को पुणे में आयोजित एक मंडल कार्यक्रम –युवा सशक्तिकरण सेमीनार – के लिये आमंत्रित किया गया था। उन्होंने रोटरी फ्रेंडशिप एक्सचेंज (आदान प्रदान) के लिये एक दूजे के क्लबों को आमंत्रित करने का फैसला किया। सितंबर 2016 में, रोटरी क्लब पुणे फार ईस्ट के सदस्यों ने जयपुर को भेंट दी, जहाँ मंडल 3054 के AKS सदस्य सुरेश पोद्दार और AG किरन पोद्दार सहित स्थानीय रोटेरियनों ने उनकी मेजबानी की।

''हम पोद्दारजी को हवाई अड्डे में हमारा स्वागत करने आया देखकर अचरज में पड गये,'' पटेल ने कहा। पुणेरी रोटेरियनों को जयपुर के एक स्कूल में ले जाया गया जहाँ पोद्दार ने उदार अंशदान दिया था। दिसंबर में, पोद्दार सहित रोटरी क्लब जयपुर मिडटाउन के रोटेरियनों ने पुणे को भेंट दी और उन्हे ताँबे ले जाया गया। इस स्कूली परियोजना को देखकर, पोद्दार ने तुरंत 5 लाख रु की निधि दी और 1 मई 2017 को उद्घाटन के लिये पुणे वापिस आये और गाँव में बैलगाडी भी चलायी!

पोद्दार की उदारता से अवाक् होकर पटेल ने कहा, ''वे इतने उत्साही दाता हैं और कहते हैं कि जब बिल गेट्स ने रोटरी के लिये इतना अंशदान दिया है तो क्यों ना मैं भी दूँ? भगवान की दया से मेरे पास जरूरत से ज्यादा है और मुझ में कोई बुरी लत भी नहीं है

AKS सदस्य सुरेश पोद्दार, किरण पोद्दार, PDG अनिल अग्रवाल, पंकज पटेल, बाबा साहेब अंबेडकर विद्यालय के विद्यार्थियों के साथ।

बाएं से : क्लब के उपाध्यक्ष वीरेंदर केडिआ, PDG अनिल अग्रवाल, पंकज पटेल और सुरेश पोद्दार एक बैल गाड़ी की सवारी करते हुए।

जिस पर मैं अपनी दौलत लुटा दूँ! सो मुझसे पैसे निकालो!'' वे हमेशा और भी ज्यादा देने के लिये तैयार रहते हैं; उनका सपना है सरकारी स्कूलों को, निजी स्कूलों की भाँति चलाना और कहना है कि इन स्कूलों में पढ़ने वाले बच्चों को किसी तरह की सुविधाओं की कमी महसूस ना हो।

अच्छे प्रशिक्षण का सबूत

समूची 'हैप्पी विलेज' परियोजना पर लगभग रु 27 लाख (41,000 डॉलर) का व्यय हुआ है और ''दो मंडलों और दो क्लबों के बीच सहक्रिया और सहयोग की बदौलत हम सुविधा-रहित एकदम दूरवर्ती गाँव में इस अनोखी संयुक्त परियोजना को कार्यांवित कर पाये। इस उदारता के लिये हम सुरेश पोद्दार के शुक्रगुजार है,'' कहा मंडल 3131 के डीजी प्रशाँत देशमुख ने। इस उत्कृष्ट परियोजना के लिये रोटरी क्लब पुणे फार ईस्ट की सराहना करते हुये, जहाँ एक गुमनाम स्कूल की पूरी तरह से कायापलट कर दी गयी, WinS के मानकों को कार्यांवित किया गया, पुस्तकालय की स्थापना की गयी आदि, उन्होंने कहा कि छात्रों को छात्रवृत्तियाँ भी दी गयी है। ''हमने कहा है कि इस स्कूल के जिन छात्रों ने 85 प्रतिशत से ज्यादा अंक हासिल किया हो उनका हौसला बढ़ाने के लिये रु 5,000-10,000तक की प्रोत्साहन-राशि दी जायेगी।''

देशमुख ने कहा कि वे अपने मंडल के क्लबों को दूरवर्ती इलाकों में काम करने पर प्रोत्साहित कर रहे हैं जहाँ बेहद कम विकास या जन हित काम किया जाता है। ''और यह परियोजना, दूरवर्ती इलाकों में अभावग्रस्त लोगों तक पहुँचने, हमारे क्लब अध्यक्षों को दिये जाने वाले प्रशिक्षण का सबूत है।''

मंडल 3054 के पीडीजी अनिल अग्रवाल, जिन्होंने इस परियोजना को शुरू करने में मुख्य भूमिका निभायी थी, कहते हैं, ''जिंदगी में किया जा सकने वाला एक बेहतरीन काम है दूसरों की आँखों से आँसू पोंछना और होठों पर मुस्कान ले आना; हम उसे इस दूरवर्ती गाँव में कर पाये; इससे दोनों मंडलों के रोटेरियन बेहद संतुष्ट हो गये जिन्होंने इस परियोजना पर काम किया था। मैं इतना खुश हूँ कि 1,000 मीलों का यह सफर फिजूल नहीं हुआ और ताँबे के बच्चों के लिये एक स्कूल के लिये एक तोहफा बन गया।''

पटेल ने कहा कि गाँव में अब भी कुछ काम बाकी है। क्योंकि पानी की कमी और उसका संचयन दोनों बड़ी समस्या बनी है, ''हमने कुछ और ज्यादा प्रयास करके इनका हल ढूँढने की ठान ली है। हम अब एक तालाब बनवाने के लिये निधि इकठ्ठा कर रहे हैं ताकि पानी का संचयन किया जा सके। मैंने भी खुद 10,000 डॉलर का वादा किया है।''

उन्हें केवल इसी बात का अफसोस है कि स्कूल को बनाने में विलंब हो गया क्यों कि ग्लोबल ग्राँट के जरिये परियोजनायें कार्यांन्वित नहीं की जा सकी। पिछले साल 10वी कक्षा के लड़के लड़कियों से रोटेरियनों ने वादा किया था कि जल्द ही वे सभी फर्श पर नहीं बल्कि बेंचों पर बैठेंगे। इससे पहले कि स्कूल की इमारत पूरी हो जाये ये लड़के लड़कियां परीक्षा में पास हो चुके थे। हालाँकि इन लड़के लड़कियों को साफ सुथरे नये बेंचों पर बिठाया गया जब वे अपने प्रमाणपत्रों को पाने के लिये आये थें, ''उनमे से एक लड़की ने हमसे कहा: 'अब यह पहले जैसा नहीं है। हमे हमेशा इस बात का अफसोस रहेगा कि हम बेंच पर बैठकर पढ़ नहीं सके।'और हमें अफसोस रहेगा कि यदि हम ग्लोबल ग्राँट के लिये कोशिश ना करते और शुरू से ही हमारी ओर से ही निधि जुटा लेते तो 15 अगस्त 2016 को हम नये स्कूल का उद्घाटन कर चुके होते,'' आह भरते हुये पटेल ने कहा।■

साउथ एशिया रिसेप्शन
के कुछ पल

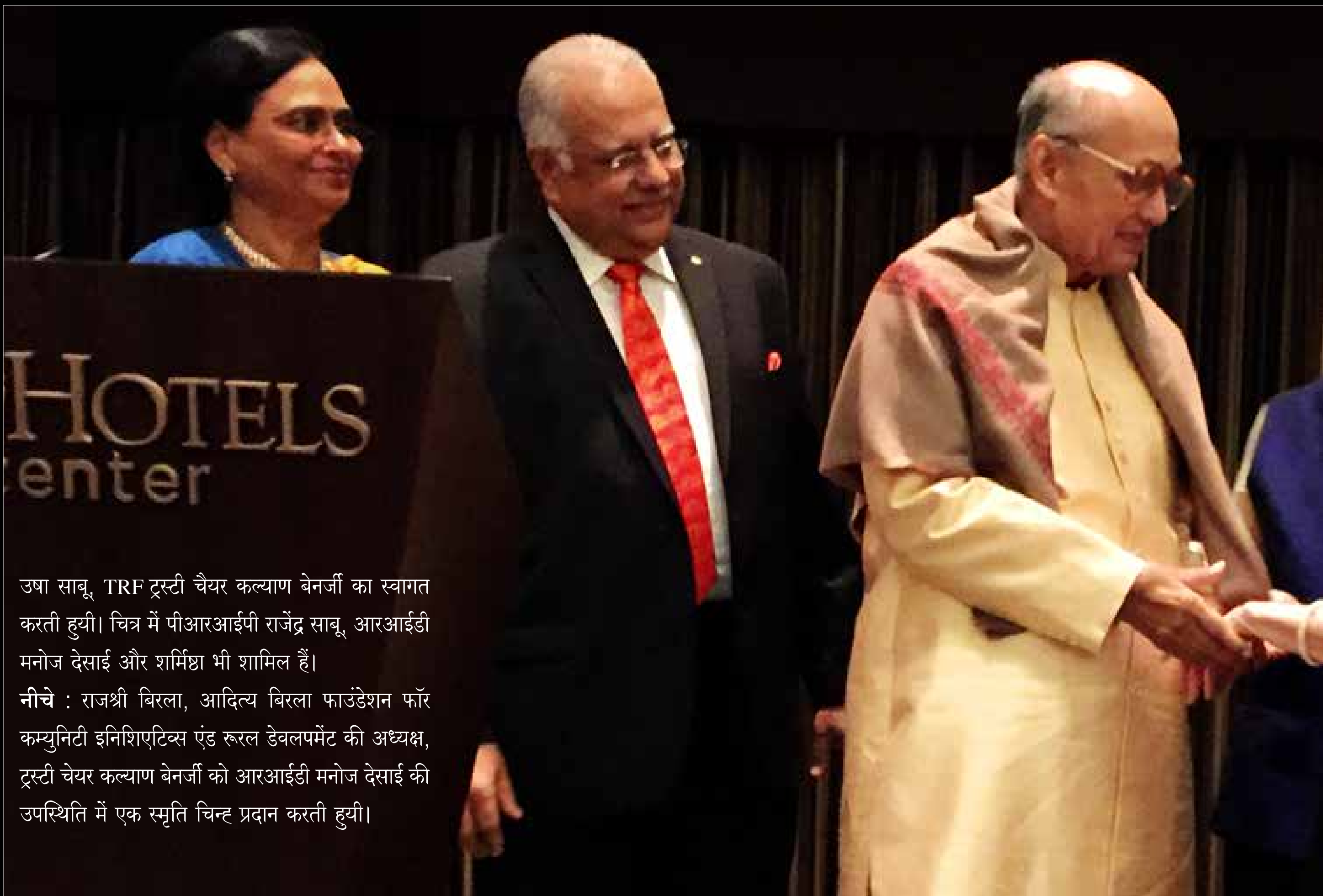

उषा साबू, TRF ट्रस्टी चैयर कल्याण बेनर्जी का स्वागत करती हुयी। चित्र में पीआरआईपी राजेंद्र साबू, आरआईडी मनोज देसाई और शर्मिष्ठा भी शामिल हैं।

नीचे : राजश्री बिरला, आदित्य बिरला फाउंडेशन फॉर कम्युनिटी इनिशिएटिव्स एंड रूरल डेवलपमेंट की अध्यक्ष, ट्रस्टी चेयर कल्याण बेनर्जी को आरआईडी मनोज देसाई की उपस्थिति में एक स्मृति चिन्ह प्रदान करती हुयी।

आरआईडीई सी भास्कर और माला आरआईपीएन सैम ओवोरी और नोराह का स्वागत करते हुए।

पीडीजी विनोद बंसल,
रो इं महासचिव जॉन ह्यूको, पीआरआईडी
शेखर मेहता और मरगाह ह्यूको।

उषा साबू, पीआरआईपी गैरी हुआंग और कोरीना से बात करती हुयी,
चित्र में पूनम और पीडीजी मनप्रीत सिंह गंधोके भी शामिल हैं।

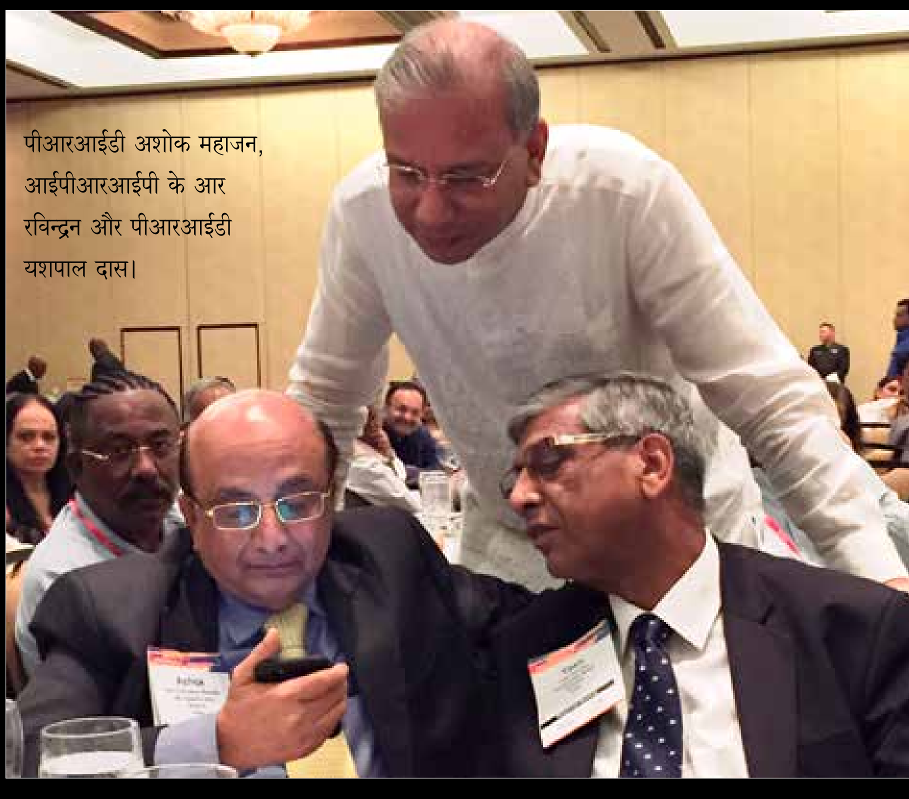

पीआरआईडी अशोक महाजन,
आईपीआरआईपी के आर
रविन्द्रन और पीआरआईडी
यशपाल दास।

(बाएं से) : टीआरएफ ट्रस्टी सुशील गुप्ता, ट्रस्टी चैयर कल्याण बेनर्जी और पाकिस्तान पोलियो प्लस कमेटी चैयर अजीज़ मेमन।

बाएं : रो इ अध्यक्ष जॉन जर्म, डीजीएन पिंकी पटेल और विनीता गुप्ता।

दाएं : आरआईडी मनोज देसाई और शर्मिष्ठा अपने बेटे नील और बहु नंदिता के साथ।

बाएं : (से बैठे हुए) पीआरआईडी जॉन ब्लाउंट, आरआईडी मीकाएल अहल्बर्ग और चार्लोट। (बाएं से खड़े हुए) आईपीआरआईपी के आर रविन्द्रन, डीजीई अभय गाडगिल, पीडीजी टी एन सुब्रमन्यन, आरआईडी जेनिफर ई जोंस, पीडीजी के पी नागेश और एस कृष्णास्वामी।

दाएं : टीआरएफ ट्रस्टी चेयर कल्याण बेनर्जी, ट्रस्टी नोएल ए बजट और पत्नी हेलन।

बाएं से : आरआईडीई सी भास्कर, पीडीजी अशोक गुप्ता, बालकृष्णा इनामदार और डीजी जॉन डेनियल।

चित्र : रशीदा भगत, रूपरेखा: कृष्णप्रतीश एस

रतन टाटा बने एक AKS सदस्य

रशीदा भगत

दायें से : रोटरी क्लब बॉम्बे के पूर्व अध्यक्ष नीरव शाह, टाटा ट्रस्ट्स के चेयरमैन रतन टाटा, डीजी गोपाल राइ मंधानिया, TRF सपोर्ट अवेनुए चेयर अकक्षय मेहता।

वंशावली के लिए, मुंबई के रोटरी क्लब में अभाव नहीं है। आखिरकर, जे.आर.डी. टाटा इसके सदस्य थे! और अब, टाटा समूह में उनके उत्तराधिकारी, जानेमाने उद्योगपति एवं परोपकारी रतन टाटा, 20 वर्षों से भी अधिक समय से क्लब के एक सम्माननीय सदस्य, आर्च क्लम्फ समाज के एक सदस्य बन गए है। 6 जून 2017 को, रतन टाटा की तरफ से क्लब के पूर्व अध्यक्ष निरव शाह को 'टाटा शिक्षा एवं विकास ट्रस्ट' द्वारा 2 का एक चेक सौंपा गया। इसके साथ ही टाटा वर्ष 2016-17 के दौरान क्लब के चौथे एकेएस सदस्य बन गए है।

मंडल 3141 के डीजी गोपाल राय मंधानिया कहते है, ''क्लब के अध्यक्ष डॉक्टर मुकेश बतरा के सक्रिय नेतृत्व में और उनके दल के सहयोग से, इस क्लब ने मंडल में इसके प्रमुख दर्जे को साबित किया है। सम्माननीय रोटरियन रतन टाटा के आर्च क्लम्फ समाज का एक सदस्य बनने की खबर ने इसे इस वर्ष का मेरा सबसे अच्छा दिन बना दिया है।''

उन्होंने कहा, भारतीय उद्योग के अग्रणी व्यक्तियों में से एक जैसे कि रतन टाटा का एक एकेएस सदस्य बनना एक बार पुनः रोटरी संस्थान द्वारा पिछले 100 वर्षों से किये जा रहे अच्छे कार्य की विश्वसनीयता को साबित करता है। ''टाटा के कद के अग्रणी व्यापारी मानवता की भलाई के लिए रोटरी द्वारा किये जा रहे अच्छे कार्य की

बाएं से : क्लब अध्यक्ष मुकेश बटरा, TRF ट्रस्टी अध्यक्ष कल्याण बेनर्जी और डीजी मंधानिया।

प्रशंसा कर रहे है, यह एक बड़ी बात है। वह अच्छा काम ही है जिसने बिल गेट्स को हमारे पोलियो अभियान का समर्थन करने के लिए प्रेरित किया।''

मंधानिया ने आगे कहा, इसके अलावा, यह अकेला क्लब इसके शताब्दी वर्ष के दौरान टीआरएफ को 1 मिलियन डॉलर का रिकॉर्ड योगदान दे रहा है। मंडल 3141 का वर्ष का टीआरएफ लक्ष्य 2.65 मिलियन डॉलर है, उन्होंने कहा। और इसमें, निरव शाह ने एक बड़ी भूमिका अदा की है, क्योंकि उन्होंने उनके जीजा अजय पिरामल को एक एकेएस सदस्य बनने के लिए प्रोत्साहित किया था।

इस वर्ष रोटरी क्लब बॉम्बे द्वारा सहयोजित चार एकेएस सदस्य है: अजय पिरामल, मनोज इसरानी, अमित चंद्रा और अब रतन टाटा।

यह कैसे हुआ

इस बात का वर्णन करते हुए कि कैसे टाटा को एकेएस सदस्यों की असाधारण दीर्घा में नियुक्त किया गया, निरव शाह ने कहा कि कुछ महीनों पहले उनके मित्र 'स्वान ऊर्जा' के निखिल मर्चेंट उनसे मिले, यह कहते हुए कि रतन टाटा कुछ 500 पुराने जमाने की कारें देखना चाहते है। मैंने कहा मैं उसका आयोजन करूंगा, परन्तु बदले में मुझे टाटा के साथ एक मुलाकात चाहिए।

इसलिए एक बैठक का प्रबंध किया गया और 16 मार्च को, डीजी मंधानिया और 'टीआरएफ सहायता मार्ग' प्रमुख अक्षय मेहता के साथ वह टाटा से मिले और उन्होंने एक वीडियो प्रेजेंटेशन भी तैयार किया जिसमें संस्थान द्वारा दुनिया भर के समुदायों के लिए किये जाने वाले मूलभूत कार्यों को दर्शाया गया। प्रेजेंटेशन से टाटा बहुत खुश थे और उन्होंने रोटरी द्वारा किये जाने वाले अच्छे कार्यों की प्रशंसा की। उन्हें एक एकेएस सदस्य बनने का सुझाव दिया गया और ''टाटा ने इस पर विचार करने का वादा किया। अगले कुछ हफ़्तों में मैंने इसका पीछा किया और आखिरकर, रोटरियन मनोज मुरारकर की कुछ मदद से, एक और बैठक आयोजित की गयी और हमें चेक सौंप दिया गया,'' शाह कहते है।

वह आगे कहते है कि मर्चेंट, रोटरियन मनोज मुरारकर और आर. वेंकटरमन के अलावा, टाटा ट्रस्ट के प्रबंधक ट्रस्टी ने इस बात को सुनिश्चित करने में एक अहम् भूमिका निभाई कि टीआरएफ के लिए टाटा का एकेएस योगदान केवल एक चेक से आये।

मंधानिया कहते है, ''टीआरएफ दान में बढ़ोत्तरी करने हेतु निरव के धीरज, जूनून और दृढ़ता के लिए उनको धन्यवाद देने के लिए मेरे पास शब्द नहीं है - लक्ष्य को दिमाग में रखकर सोना, उसके साथ जागना और पूरा दिन उस लक्ष्य का पीछा करना उनका सिद्धांत रहा है। अन्य रोटरियन उस प्रयास, ऊर्जा एवं जूनून से प्रोत्साहित एवं प्रेरित हो सकते है जो वह उनको दिए गए लक्ष्यों को हासिल करने के लिए लगाते है।''■

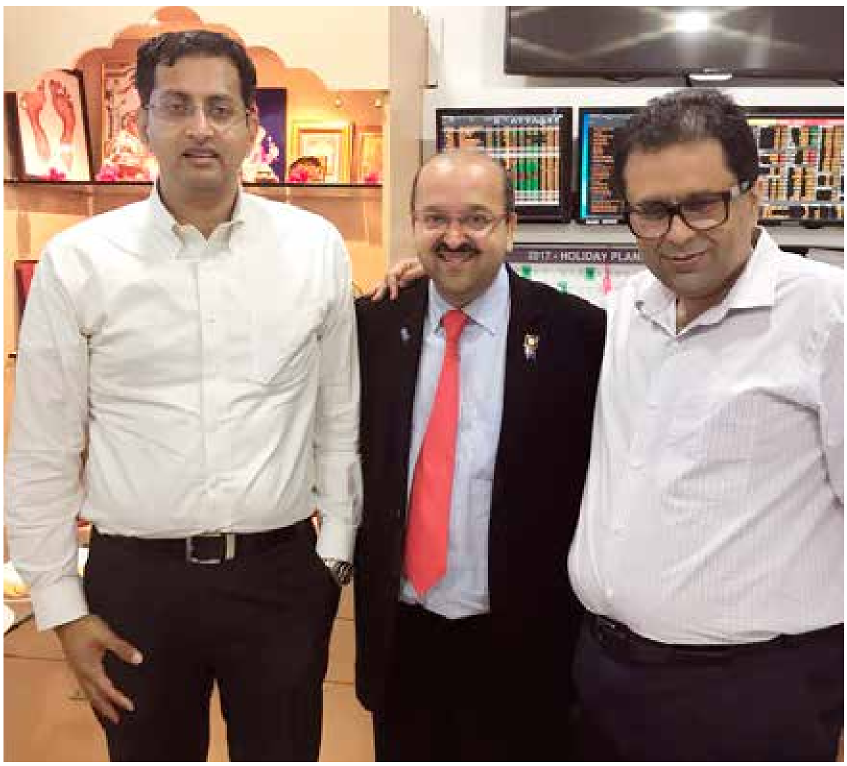

बायें से : टाटा ट्रस्ट के मैनेजिंग ट्रस्टी आर वेंकटरामन, नीरव शाह और मनोज मुरारका।

अध्यक्षीय थीम और उल्लेख

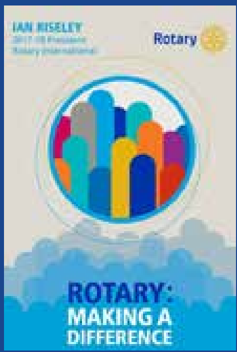

उल्लेखें के लिए योग्यता कैसे प्राप्त करें

वे क्लब जो मजबूत हैं और हमारे समुदायों में सकारात्मक अंतर का निर्माण करते हैं, वे रोटरी की तीन सामरिक प्राथमिकताओं से संबंधित लक्ष्यों को प्राप्त करते हैं: क्लबों का समर्थन और मजबूत बनाना, मानवतावादी सेवाओं पर ध्यान केंद्रित करना और उसमें वृद्धि करना और रोटरी की सार्वजनिक छवि और जागरूकता को बढ़ाना।

इस वर्ष रोटरी प्रशस्तियां उन क्लबों की पहचान करेंगी जो कि इन प्राथमिकताओं का समर्थन करने वाली कार्यों को निष्पादित करते हैं। क्लबों के पास प्रशस्ति के लक्ष्यों को प्राप्त करने के लिए - 1 जुलाई 2017 से 30 जून 2018 तक संपूर्ण रोटरी वर्ष का समय होगा।

रोटरी हमारे डेटाबेस का उपयोग करके अपने क्लब के अधिकांश लक्ष्यों को पूरा करने में सक्षम हो जाएगा। दूसरों के लिए, हम *रोटरी क्लब सेंट्रल, रोटरी शोकेस* और *रोटरी आइडिया* में आपके द्वारा दर्ज किए गए सूचनाओं के माध्यम से आपके क्लब की उपलब्धियों की पुष्टि करेंगे।

मंडल के गवर्नर ऑनलाइन अपने क्लब की प्रगति की भी निगरानी कर सकते हैं। मैं उनमें से प्रत्येक से नियमित रूप से क्लबों से बात करने और इन लक्ष्यों को प्राप्त करने और *रोटरी : एक परिवर्तन का सूत्रपात* करने के लिए अनुरोध कर रहा हूँ।

अधिक जानकारी प्राप्त करने के लिए www.rotary.org/presidential-citation पर विजिट करें। आपके कोई प्रश्न हैं, तो riawards@rotary.org पर लिखें।

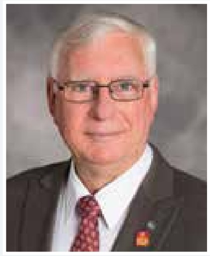

रोटरी: एक अंतर का निर्माण करता हुआ

कुछ वर्ष पहले, एक परिचित व्यक्ति ने मुझसे एक सामान्य प्रतीत होने वाला प्रश्न पूछा: 'रोटरी क्या है?' मैंने उत्तर देने के लिए अपना मुँह खोला ही था कि अचानक मैं इस अहसास के साथ रूक गया कि मैं तो जानता ही नहीं हूँ कि कहाँ से शुरू किया जाएं। समस्या यह नहीं थी कि मैं रोटरी के बारे में नहीं जानता था। समस्या यह थी कि रोटरी बहुत विशाल और जटिल संगठन है, जिसे आसानी से - परिभाषित नहीं किया जा सकता है - और न किया जा सकता था। हम एक सदस्य-आधारित, क्लब-आधारित और सेवा-आधारित संगठन है; साथ ही हम, स्थानीय, क्षेत्रीय और अन्तराष्ट्रीय हैं; हमारे संगठन में सामुदायिक सदस्य, व्यवसायी और पेशेवर, कार्यरत और सेवानिवृत लोग शामिल हैं, जो विश्व के प्रत्येक देश में सक्रिय हैं। हमारे 1.2 मिलियन सदस्यों में से प्रत्येक सदस्य के पास लक्ष्यों, अनुभवों और प्राथमिकताओं का एक अद्वितीय समूह है; हम सभी के पास रोटरी की एक अद्वितीय समझ हैं।

मेरे लिए, रोटरी का महत्त्व इस बात से नहीं है कि हम कौन हैं, बल्कि इस बात से है कि हम क्या करते हैं, - तथा उस क्षमता से है जिसे रोटरी हमें प्रदान करती है, और जिस तरीके से हम महसूस करते हैं कि वह सामर्थ्य सार्थक और स्थायी सेवा में है। रोटरी बहुत लंबे समय से कार्यरत रहा है: लगभग 112 वर्षों से। कुछ मायनों में, हम काफी बदल गए हैं, जैसे कि हम विशाल हो चुके हैं, परिपक्व हो चुके हैं और अपने सदस्यों और समुदायों की बदलती जरूरतों के लिए अनुकूलित हो चुके हैं। तथापि अपने मूल सिद्धांतों में, हम समान ही रहे हैं: इच्छशक्ति से युक्त लोगों का एक संगठन - और रोटरी के माध्यम से - रोटरी के माध्यम से अपने समुदायों और संसार में एक बदलाव लाने की क्षमता।

'रोटरी क्या है?', इस प्रश्न का उत्तर हम अपने कार्यों के माध्यम से, अपनी सेवा के माध्यम से एक बदलाव का निर्माण करते हुए देते हैं।

रोटरी आवश्यक गतिविधियाँ

- समय पर अपने क्लब के जुलाई 2017 और जनवरी 2018 के चालान का भुगतान करें।
- रोटरी क्लब सेंट्रल में स्वयंसेवक के कार्यों और सेवा परियोजना के बारे में रिपोर्ट करें। इससे हमें रोटरी के प्रभावों को मापने की अनुमति मिलेगी।

क्लबों को सहायता और मजबूती प्रदान करें

विभिन्न परिप्रेक्ष्यों और पृष्ठभूमियों वाले सदस्य नवाचार को बढ़ावा देते हैं। सकारात्मक अंतर लाने अपने क्लब को और इसकी क्षमता को सशक्त बनाने के लिए, सदस्यों को शामिल करें। क्लब की सदस्यता, विविधता और व्यस्तता बढाएं।

निम्नलिखित लक्ष्यों में 4 प्राप्त करें:

- रोटरी क्लब सेंट्रल में न्यूनतम 10 लक्ष्य निर्धारित करें।
- अपने क्लब की रणनीतिक योजना को अद्यतन या विकसित करें रोटरी क्लब सेंट्रल में अपनी उपलब्धि की रिपोर्ट दर्ज करें।
- सदस्यता में शुद्ध वृद्धि प्राप्त करें। 50 सदस्यों वाले क्लबों को रोटरी के रिकॉर्ड में 1 जुलाई 2017 की तुलना में 1 जुलाई 2018 तक एक सदस्य सूचीबद्ध सूची होना चाहिए; 51 या अधिक सदस्यों वाले क्लबों में दो सदस्यों को सूचीबद्ध होना चाहिए।
- महिला सदस्यों की संख्या में शुद्ध वृद्धि प्राप्त करें। 50 सदस्यों वाले क्लब में कम से कम एक महिला सदस्य होनी चाहिए; 51 या उससे अधिक सदस्यों वाले क्लबों में दो महिला सदस्य होनी चाहिए।
- 40 वर्ष से कम आयु के सदस्यों में शुद्ध वृद्धि प्राप्त करें। उन सदस्यों को शामिल करें जिनका जन्म 1 जुलाई 1977 के बाद हुआ है और जिन्होंने 1 जुलाई 2017 से लेकर 1 जुलाई 2018 तक सदस्यता प्राप्त की है। अधिकतम 50 सदस्यों वाले क्लब को 40 वर्ष से कम आयु का एक सदस्य बनाना होगा; 51 या अधिक सदस्यों वाले क्लब को 40 वर्ष से कम आयु के दो सदस्य बनाना होगा।
- सदस्यों को क्लब की नियमित बैठकों के बाहर के कार्यों में शामिल करें। कम से कम एक सामाजिक गतिविधि को रिकॉर्ड करें या संकेत करें कि आपके क्लब के 50 प्रतिशत सदस्यों से अधिक सदस्यों ने क्लब के सेवा कार्यों में भाग लिया है।
- एक नए रोटरी क्लब या रोटरी कम्युनिटी कोर को प्रायोजित या सह-प्रायोजित करें। एक RCC को प्रायोजित करने के लिए, RCC फॉर्म को भरें और उसे आरआई में जमा करें। नए रोटरी क्लब को प्रायोजित करने वाले क्लब की सूचना दी जाएगी, जब नया क्लब आवेदन प्रस्तुत करेगा।
- रोटरी में युवा को शामिल करने के लिए एक इंटरैक्ट या रोटरैक्ट क्लब को प्रायोजित या सह-प्रायोजित

एक संगठन के रूप में, हम यह तथ्य को स्वीकार करते हैं कि संसार के लिए यह जानना कितना महत्वपूर्ण है कि रोटरी क्या है, और हम क्या करते हैं। हम जानते हैं कि हमारे क्लबों को रोटरी की सेवा को स्वयं परिभाषित करने की अनुमति देना पहले से कहीं अधिक महत्वपूर्ण है। एक रोटरियन के रूप में, हमारा क्लब कैसे बैठकों का आयोजन करना, कार्य करना और विकास करना चाहता है, इसके बारे में निर्णय लेने के लिए हमारे पास पहले की अपेक्षा अधिक लचीलापन है। हम पहले कि अपेक्षा इस बात पर अधिक ध्यान केंद्रित कर रहे हैं कि रोटरी जिन लोगों की सेवा करती हैं उनके सेवा-कार्यों से रोटरी की झलक दिखाई दें और इसमें अधिक से अधिक महिलाएं जुडे और इसकी सदस्यता में अधिक विविधता का समावेश हो। और हम दीर्घकालिक योजना पर बल देते हुए, स्थायी सेवा और सभी स्तरों पर नेतृत्व में निरंतरता के माध्यम से रोटरी को विश्व की प्रतिष्ठित स्वयंसेवी सेवा संगठन बनाए रखने के लिए कठिन परिश्रम कर रहे हैं।

वर्ष 2017-18 में हम इस प्रश्न 'रोटरी क्या है?' का उत्तर रोटरी के थीम: सकारात्मक परिवर्तन का सूत्रपात करता हुआ, के माध्यम से देंगे। हालांकि हम में से प्रत्येक सेवा करने का चयन करते हैं, हम जानते हैं कि हमारी सेवा से दूसरों के जीवन में व्यापक परिवर्तन होता है। चाहे हम एक नए खेल के मैदान का निर्माण कर रहे हैं या फिर एक नए स्कूल का, चिकित्सा सेवा या स्वच्छा में सुधार कर रहे हैं, या फिर संघर्ष में मध्यस्थता की भूमिका निभाने के लिए लोगों या घरेलू-परिचायिकाओं को प्रशिक्षित कर रहे हैं, हम जानते हैं कि हम जो भी कार्य करेंगे उसके माध्यम से छोटे या बड़े तरीके से लोगों के जीवन में - भलाई के लिए, परिवर्तन का सूत्रपात निश्चित ही करेंगे। रोटरी से जुड़ने के लिए हमें जिस किसी से भी प्रोत्साहन या प्रेरणा मिली है, परन्तु यह संतुष्टि ही है जो हमें रोटरी से जोड़े रखती है, यह जानने की संतुष्टि कि सप्ताह दर सप्ताह, वर्ष दर वर्ष, हम *रोटरी: सकारात्मक परिवर्तन का सूत्रपात* करने वाले का एक हिस्सा है।

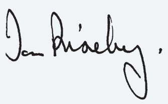

इयान एच.एस. राय्सली
अध्यक्ष, रोटरी इंटरनेशनल, 2017-18

करें। Interact@rotary.org या rotaract@rotary.org पर फॉर्म प्रस्तुत करके रिपोर्ट करें।

मानवीय सेवा पर ध्यान दें और उसमें वृद्धि करें

स्थानीय और अंतर्राष्ट्रीय सेवा परियोजनाओं के माध्यम से, शांति को बढावा, बीमारियों से लडते हुए, स्वच्छ पेयजल की सुविधा, माताओं और बच्चों को बचाते हुए, शिक्षा का समर्थन, स्थानीय अर्थव्यवस्थाओं को बढाते हुए, पर्यावरण की रक्षा, और पोलियो को समाप्त करते हुए क्लब वैश्विक मानवीय चुनौतियों का समाधान करता है।

रोटरियनों, युवाओं, रोटरी के पूर्ववती छात्रों और रोटरी कार्यक्रमों में जनता, फोकस के हमारे छह क्षेत्रों, और रोटरी फाउंडेशन द्वारा प्रदत्त अवसरों का सदुपयोग करते हुए अपने समुदाय और विश्व में सकारात्मक परिवर्तनों का सूत्रपात करें।

निम्नलिखित लक्ष्यों में कम से कम 4 प्राप्त करें:

- प्रायोजित करें, या क्लब के सदस्यों को पोलियो कार्यक्रम के लिए निधि जुटाने या जागरूकता फ़ैलाने वाले कार्यक्रमों में शामिल होने के लिए प्रोत्साहित करें। endpolio.org पर संसाधनों की खोज करें। रोटरी शोकेस पर अपनी उपलब्धियों का रिपोर्ट प्रस्तुत करें।
- वैश्विक अनुदान या एक मंडल अनुदान द्वारा एक परियोजना को प्रायोजित करके रोटरी फाउंडेशन के साथ साझेदारी करें। www.rotary.org/grants पर खोज करे।
- पर्यावरण पर केंद्रित एक परियोजना को निष्पादित करें। रोटरी शोकेस में रिपोर्ट करें।
- एक विशाल सकारात्मक अंतर लाए। अपने क्षेत्र के अन्य रोटरी क्लबों के साथ सहयोग कर किसी परियोजना के दायरे और दृश्यता में वृद्धि करें। *रोटरी क्लब सेंट्रल* या *रोटरी शोकेस* में रिपोर्ट करें।
- क्लब की परियोजनाओं और कार्यक्रमों में रोटारैक्टर्स, इंटरएक्टर्स, RCC के सदस्यों, या रोटरी के भूतपूर्व छात्रों को शामिल करें। रोटरी क्लब सेंट्रल में रिपोर्ट करें।
- अपने स्थानीय मुद्रा में गणना करते हुए, अपने क्लब द्वारा रोटरी फाउंडेशन में दिए जाने सहायता में वर्ष 2016-17 की तुलना में न्यूनतम 10 प्रतिशत की वृद्धि करें। *रोटरी क्लब सेंट्रल* में इसकी रिपोर्ट करें।
- उन सदस्यों की संख्या को बढ़ाएं जो रोटरी फाउंडेशन कोष में यूएस 25 डॉलर या अधिक का योगदान देते हैं।
- प्रति व्यक्ति न्यूनतम यूएस 100 वार्षिक अंशदान प्राप्त करें।
- रोटरी के क्राउडसोर्सिंग प्लेटफॉर्म, रोटरी आइडियाज का उपयोग करें, या अपने क्लब के स्थानीय या अंतर्राष्ट्रीय परियोजनाओं के लिए संसाधनों की खोज करें।

रोटरी की सार्वजनिक छवि और जागरूकता में वृद्धि करें

एक सकारात्मक सार्वजनिक छवि आपके समुदाय के साथ आपके क्लब के संबंधों में सुधार करती है और भावी सदस्यों को आकर्षित करती है।

समुदाय के लोगों के मध्य सकारात्मक बदलाव लाने वाले क्लब के कार्यों के बारे में रोचक कहानियां सुनाते हुए क्लब की सार्वजनिक छवि को बढाएं और अपने समुदाय में रोटरी के बारे में जागरूकता का सृजन करें।

निम्नलिखित लक्ष्यों में कम से कम 4 प्राप्त करें:

- रोटरी के ब्रांड को सशक्त बनाने के लिए अपने सभी संचार में रोटरी के ब्रांड दिशानिर्देशों, टेम्पलेट और अन्य संसाधनों का उपयोग करें। www.rotary.org/brandcenter पर खोज करें। रोटरी क्लब सेंट्रल में रिपोर्ट करें।
- क्लब की गतिविधियों को प्रदर्शित करने के लिए नियमित रूप से अपने क्लब के वेबसाइट और सोशल मीडिया अकाउंट को अपडेट करें। रोटरी क्लब सेंट्रल में रिपोर्ट करें।
- विश्व पोलियो दिवस का समर्थन करने के लिए एक समुदायिक कार्यक्रम की मेजबानी और प्रचार करें, और इसे endpolio.org पर पंजीकृत करें।
- स्थानीय पेशेवरों, सामुदायिक संगठनों, या रोटरी के पूर्ववती छात्रों के लिए न्यूनतम एक नेटवर्किंग कार्यक्रम की मेजबानी करते हुए अपने समुदाय को शामिल करें। रोटरी क्लब सेंट्रल में रिपोर्ट करें।
- कॉर्पोरेट या सरकारी संस्थाओं या गैर-सरकारी संगठनों के साथ एक साझेदारी का निर्माण करें या पहले के सहयोग को जारी रखें और मिलकर एक-साथ परियोजना पर कार्य करें। रोटरी क्लब सेंट्रल में रिपोर्ट करें।
- अपने समुदाय में एक महत्वपूर्ण विषय से संबंधित एक समुदायिक फोरम या सेमिनार की मेजबानी करें; समाधान खोजने के लिए लोगों को एक साथ लाने के उद्देश्य से अपने क्लब के कार्यों को रेखांकित करें। रोटरी क्लब सेंट्रल में रिपोर्ट करें।
- स्थानीय मीडिया को एक क्लब प्रोजेक्ट, कार्यक्रम, या अनुदान संचय कार्य को कवर करने के लिए आमंत्रित करें। इसके बारे में रोटरी शोकेस या रोटरी क्लब सेंट्रल में रिपोर्ट करें।
- न्यूनतम एक रोटरी यूथ एक्सचेंज स्टूडेंट को प्रायोजित करते हुए या RYLA कार्यक्रम में कम से कम एक प्रतिभागी को प्रायोजित करते हुए शांति को बढावा दें और भावी नेताओं के विकास में योगदान करें। इसके बारे में रोटरी क्लब सेंट्रल में रिपोर्ट करें। ■

Apply yourself

Would you like to contribute further to Rotary by serving on a committee? Each of Rotary's committees, comprising Rotarians and Rotaractors from around the world, works with the organisation's leadership to ensure efficiency and promote the goals and priorities of the strategic plan.

The following committees are searching for qualified candidates for openings in 2018–19. All committees correspond via email, teleconference and webinars as needed, and some involve at least one mandatory in-person meeting per year. Most committee business is conducted in English.

To be considered for committee membership or recommend someone for an appointment, visit *on.rotary.org/committeeapplication.*

Applicants must be registered on My Rotary at *www.rotary.org/myrotary* and ensure that their My Rotary profile includes current contact details.

The application deadline is August 11.

Committee	Function	Prerequisites	Commitment
Audit	Advises the Board on financial reports, auditing, and the system of internal control	Independence, appropriate business experience, and demonstrated literacy in auditing, accounting, banking, risk management, or compliance.	**One six-year term; multiple meetings in Evanston**
Communications	Advises the Board on communication with key audiences	Professional background and experience in a communication-related field	**One three-year term; annual meeting in Evanston**
Constitution and Bylaws	Counsels the Board on constitutional documents and legislative procedures, including the Council on Legislation and the Council on Resolutions	Must be comfortable reviewing legal and governance documents; legal, legislative, or Council experience preferred	**One three-year term; at least one meeting a year in Evanston; annual teleconference; and one Council on Legislation meeting in Chicago**
Election Review	Reviews complaints and disputes related to RI officer elections	Must be a past district governor with strong knowledge of RI bylaws	**One three-year term; meets via correspondence as needed**
Finance	Advises the Board on Rotary's finances, including budgets, investment policy, and sustainability measures	Professional background in a finance-related field; nonprofit experience preferred	**One three-year term; two meetings a year in Evanston**
Global Networking Groups	Oversees action groups, fellowships and vocational service, including operations, programme enhancements, proposals	Strong candidates who have led action groups, fellowships, or club- or district-level vocational service initiatives, and are familiar with their policies.	**One three-year term**
Joint Committee on Partnerships	Advises the Board and Trustees on partnership and sponsorship matters	Extensive knowledge of international development issues; experience in developing and working with partner organisations; ability to network and to identify and cultivate significant partners for Rotary; and willingness to commit time and effort to Rotary, including participation in committee meetings	**One three-year term; two meetings a year in Evanston**

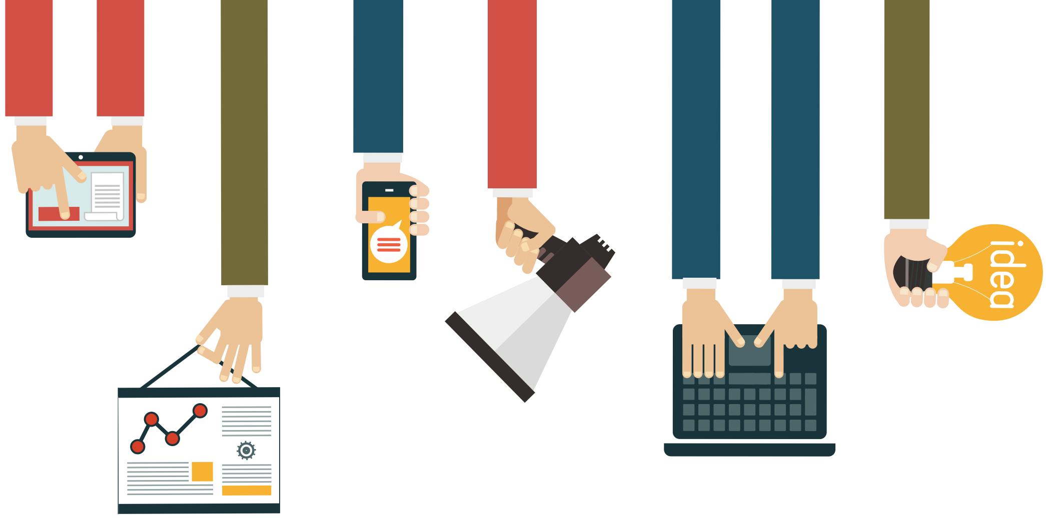

Committee	Function	Prerequisites	Commitment
Joint Young Leaders and Alumni Engagement	Advises the Board and Trustees on engaging programme participants, alumni and other youth and young professionals	**Rotarians:** Experience working with youth and alumni; district committee leadership; prior Rotary programme participation	**Rotarians: One three-year term; annual meeting in Evanston**
		Rotaractors/alumni: Leadership at the club, district and international levels	**Rotaractors/alumni: One one-year term; one meeting in Evanston**
Leadership Development and Training	Advises the Board on Rotary's leadership training programme for Rotarians, clubs and districts, with a special emphasis on training for district governors	Must have significant training or education experience with a preference for leadership development	**One three-year term; annual meeting in Evanston**
Membership	Advises the Board on matters related to membership development, retention and engagement	Must have significant knowledge of and commitment to membership attraction and engagement activities; members of clubs that have diversified preferred	**One three-year term; two meetings a year in Evanston**
Operations Review Committee	Monitors the effectiveness, efficiency and implementation of all internal systems; serves as an advisory group to the Executive Committee on compensation matters; and performs other oversight functions as requested by the Board	Experience in management, leadership development, or financial management, with a thorough knowledge of Rotary's operations	**One six-year term; typically meets in Evanston twice a year**
Rotaract and Interact	Advises the Board on Interact and Rotaract; develops the Rotaract Preconvention Meeting programme	**Rotarians:** Experience working with youth; direct experience as a mentor or Rotaract/Interact adviser or district chair. Youth programme alumni are strong candidates.	**Rotarians: One three-year term; annual meeting in Evanston**
		Rotaractors: Leadership at the club, district and international levels. Strong candidates who have served as a district Rotaract representative, organised projects, or attended a Rotaract Pre-convention. Age restrictions may apply.	**Rotaractors: One one-year term; one meeting in Evanston**
Strategic Planning	Reviews Rotary's strategic plan and associated measures; advises leadership on other matters of long-term significance	10+ years of experience in strategy development, monitoring and implementation, and strong understanding of RI and Foundation programmes and services	**One four-year term; up to four meetings in Evanston**

Reproduced from *The Rotarian*

रोटरी की हृदय-स्पर्शी सेवा

वी मुत्तुकुमारन

रोटेरियन RAHAT शिविरों में से एक शिविर में मरीजों को भोजन पेकेट बांटते हुए।

मार्च 31 से 2 अप्रैल- तीन दिनों तक मध्य प्रदेश में 19 गाँवों को चिकित्सा गतिविधियों के केंद्र में रूपांतरित कर दिया गया है, इसका श्रेय मंडल 3040 को जाता है, जिसने एक वैश्विक अनुदान के अंतर्गत मंडल 6900 के साथ मिलकर RAHAT शिविर का आयोजन किया था। PDG अलिसिया मिशेल के नेतृत्व में रोटेरियनस फॉर फैमिली हेल्थ एंड AIDS प्रिवेंशन (RFHA) और रोटरी क्लब बुरहानपुर, मंडल 3040, नेतृत्वकर्ता क्लब ने परियोजना को निष्पादित किया।

PDG रवि प्रकाश लंगेर, RAHAT के अध्यक्ष, ने कहा कि, ''RAHAT रोटरी के एक्टिव हैंड्स आर टचिंग का संक्षिप्त रूप है और हमने राज्य में 60,000 मरीजों से अधिक को 'स्पर्श' किया है; 5,000 लोगों को आगे उपचार के लिए सरकारी अस्पतालों में भेजा गया।'' इस शिविर की सफलता के लिए लगभग 1,000 रोटेरियनों और 350 रोट्रेक्टरों ने कार्य किया, जिसके आयोजन पर लगभग 100,000 डॉलर व्यय किया गया था।

DG दर्शन सिंह गांधी कहते हैं कि ग्राम का चयन चिकित्सा सुविधाओं तक उनकी पहुँच और उनकी जनसँख्या को ध्यान में रखते हुए किया गया था। राज्य की स्वास्थ्य योजनाओं के बारे में जागरूकता उत्पन्न करने के लिए सरकारी अधिकारियों को एक प्रत्येक केंद्र पर एक विशेष बूथ उपलब्ध कराया गया था। लंगेर कहते हैं, ''अधिकांश गाँववासी इन जनकल्याणकारी योजनाओं से परिचित नहीं थे, इसलिए PHC स्टाफ के साथ, इन अधिकारीयों ने लोगों को बताया कि वे किस प्रकार से इन चिकित्सा सुविधाओं का लाभ मुफ्त में उठा सकते हैं।''

गांधी कहते हैं, इस विशाल स्वास्थ्य परियोजना की तैयारियों में कई महीनों का समय लगा, जिसमें ''बजट योजना तैयार करने लेकर, चिकित्सकों के साथ समन्वय करने, पंपलेट्स के वितरण और स्थानीय समाचारपत्रों और सोशल मीडिया में विज्ञापन का प्रकाशन शामिल है, ताकि गांवों में इनके प्रति जागरूकता का विकास किया जा सके। हमने पंचायत अधिकारियों और ग्राम प्रमुखों को भी शामिल किया।''

PRID शेखर मेहता और RFHA की ओर से अलिसिया ने शिविर का उद्घाटन किया। इसके अलावे क्लब ने अन्य गैर-लाभकारी संस्थाओं, निजी अस्पतालों और राष्ट्रीय स्वास्थ्य मिशन (NHM) की राज्य इकाई के साथ गठबंधन स्थापित किया। प्रत्येक शिविर में मरीजों की देखभाल करने के लिए पैरामेडिकल सरकारी अस्पतालों के कर्मचारियों के साथ 100 से अधिक चिकित्सक कार्यरत थे।

यह छठा वर्ष है, जब क्लब ने RAHAT शिविर का आयोजन किया था। इसकी शुरुआत फरवरी 2011 में हुई, जब PRIP राजेंद्र साबू और

बायें से : PDG अलीशिया माइकल, DG दर्शन गाँधी और PRID शेखर मेहता शिविर में रोट्रेक्टर्स के साथ बात करते हुए।

17 चिकित्सकों के एक दल ने एक विशाल स्वास्थ्य शिविर का आयोजन चिन्द्वारा में किया, जिसमें लगभग 74,000 लोगों की जाँच की गई थी। यह इस मंडल के लिए एक लैंडमार्क परियोजना सिद्ध हुई। आगामी वर्षों में, RAHAT शिविर का आयोजन झाबुआ, विदिशा और नीमच में एक एकल परियोजना के रूप में किया गया। वर्ष 2016 में, स्वास्थ्य परियोजना का आयोजन पहली बार 25 स्थानों पर किया गया, जिससे 80,000 मरीज लाभांवित हुए।

स्वास्थ्य-सेवा की दिशा में रोटरी का प्रयत्न

''वहां 21 बीमारियों के लिए मुफ्त में शल्य चिकित्सा सरकारी अस्पतालों में उपलब्ध कराया जाता है और NHM अम्ब्रेला के अंतर्गत 300 दवाएं मुफ्त में उपलब्ध कराई जाती हैं, लंगेर कहते हैं। वे आगे कहते हैं, ''हमारा लक्ष्य शहरी और गाँव दोनों के निर्धन वर्ग के लोगों को राज्य में उपलब्ध सामाजिक और चिकित्सा लाभों के बारे में जागरुक बनाना है। RAHAT शिविर में चिकित्सकों ने लगभग 26 बीमारियों की जाँच की जिसमें सामान्य स्वास्थ्य संबंधी बीमारियों से लेकर विशेष बीमारियों जैसे ENT, आर्थोपेडिक, कार्डिएक और नेफ्रोलॉजी आदि शामिल हैं।'' ■

सम्मेलन

आपसे अगले वर्ष मिलेंगे

अभी आपको अटलांटा से आए हुए कुछ ही समय हुआ होगा, परंतु अगले जून के बारे में सोचते हुए शुरू करना बहुत जल्दबाज़ी नहीं होगी, जब रोटरी-इंटरनेशनल कन्वेंशन का आयोजन टोरंटो में किया जाएगा।

टोरंटो एक महानगर है। यहाँ 140 से अधिक भाषाएँ और बोलियाँ बोली जाती हैं। टोरंटो के आधे निवासियों ने कनाडा से बाहर जन्म लिया था, और अप्रवासियों -के समुदाय ने नगर के व्यक्तित्व को आकार प्रदान किया।

कनाडाई भोजन के बारे में अपने पूर्व-धारणाओं को भूल जाएं; यह पौटिन और मेपल सिरप से कही अधिक है। विभिन्न संस्कृतियों का मिश्रण अनेकों रेस्तरांओं में देखा जा सकता है, साथ ही संपूर्ण विश्व के क्षेत्रीय व्यंजनों के साथ, टोरंटो व्यंजन प्रेमियों के लिए एक गंतव्य नगर बन चुका है।

जब आप टोरंटो की विभिन्न गलियों और मार्गों से होकर गुजरेंगे, तो आपको ऐसा एहसास होगा कि आपने उन्हें पहले भी देखा है और शायद आप उन्हें देख भी चुके है। यह शहर फिल्म और टेलीविज़न प्रोड्क्शन का केंद्र है और स्ट्रीट कैप्स का उपयोग न्यूयॉर्क (*मूनस्ट्रक*), शिकागो (*शिकागो*), बोस्टन (*गुड विल हंटिंग*), और यहाँ तक कि टोक्यो (*पैसिफिक रिम*) को प्रदर्शित करने के लिए किया जाता है।

टोरंटो प्रदर्शन करने वाले कलाओं का एक केंद्र है। यह नगर दि नेशनल बैलेट ऑफ़ कनाडा, कैनेडियन ओपेरा कंपनी, टोरंटो - सिम्फनी ऑर्केस्ट्रा, और दर्जनों अन्य थिएटर कंपनियों का घर है।

टोरंटो में, आप वास्तव में प्रत्येक कोने में प्रोत्साहन व उत्साह को प्राप्त कर सकते हैं।

हेंक सार्टिन

वर्ष 2018 में टोरंटो में आयोजित होने वाले रोटरी सम्मेलन में भाग लेने के लिए *riconvention.org* **पर पंजीयन कराएं।**

वह शादी जिसने भारत को हिला दिया

रॉबिन गुप्ता

शीला रेड्डी की खूबसूरती से लिखी और काफ़ी प्रशंसित पुस्तक 'मिस्टर एंड मिसेज़ जिन्ना' की ख़ासियत यह है कि वह जिन्ना की शातिर, द्रोही, निष्ठुर, इस्लामी कट्टरपंथी वाली मानी-मनाई छवि, जिसमें यह माना जाता रहा है कि अभिन्न भारत के दुखद विभाजन की रूप-रेखा तैयार करके उनका एकमात्र उद्देश्य नये निर्मित पाकिस्तान में सत्ता हथियाना था, को सुधारती है। पुस्तक जिन्ना और उनकी पत्नी रूटी पेटिट के असंभव से प्रेम और उनकी दुखद शादी के बारे में है जिसके चलते रूटी जिन्ना ने अपने 29वें जन्मदिन पर ज़रूरत से ज़्यादा नींद की गोलियाँ लेकर आत्महत्या कर ली थी।

बंबई के शानदार रईस नवाब की इकलौती बेटी और उनकी असीम संपत्ति की वारिस रूटी पेटिट से जिन्ना के प्रेम-विवाह द्वारा उनके मस्तिष्क और शख़्सियत के अंतर तक पहुँचकर रेड्डी जिन्ना की कुंठित, भावहीन, प्रतिशोधी और सिद्धांतहीन प्रौढ़ व्यक्ति की खींची गयी तस्वीर जिसमें उन्हें आज तक कंजूस और उत्साहहीन बताया गया है, को सुधारती दिखाई देती है। वे यह भी तर्क देती हैं कि जिन्ना कट्टर सांप्रदायिक नहीं थे, बल्कि नैतिकतावादी, धर्मनिरपेक्ष, संविधानी थे जिन्होंने भारत में अन्यायपूर्ण रूप से किये जा रहे को लोनियल रूल के खिलाफ़ अंग्रेज़ों को समझाने की कोशिश की थी।

यह पुस्तक बहुत परिश्रम से किये गए शोध के बाद लिखी गई है और इसमें मूल दस्तावेज़ों और पत्रों से अंशों और उद्धरणों को सुंदर लेखन में इस खूबसूरती से पिरोया गया है मानो एक उत्कृष्ट हार में मोती पिरोये गए हों। पुस्तक में बताया गया है कि जिन्ना एक बेहद ईमानदार इंसान थे जो काफ़ी नियंत्रित, ब्रह्मचर्यवाली ज़िंदगी जीते थे, और कभी भी अपने राजनीतिक विपक्षियों को नीचा दिखाने के लिए ग़लत छल-प्रपंच या चालबाज़ियों का सहारा नहीं लेते थे। दरअसल पुस्तक में जिन्ना की छवि एक ऐसे प्रतिभाशाली बैरिस्टर की उभरती है जिसने अकेले, बर्फ़ जैसे अखंडनीय तर्क के सहारे भारत की स्वतंत्रता के ध्येय को आगे बढ़ाया था।

और जब वे भारतीय स्वतंत्रता के लिए संवैधानिक न्याय के मुद्दों पर बोलते थे तो उनके उत्कृष्ट तर्कों से वायसरॉय और राज्य सचिवों की कंपकंपी छूट जाती थी और वे कसमसा कर रह जाते थे। चूँकि वे प्रदर्शनकारी नहीं थे और खुद को उन्होंने इंग्लिश जेंटलमैन के रूप में ढाल रखा था, उनके पास लंबी दाढ़ी वाले मौलवियों और हंगामा करने वालों पर खर्च करने के लिए कोई वक्त नहीं था। जब गाँधी और नेहरू ने जिन्ना को कांग्रेस पार्टी के शिखर से निकाल फ़ेंका, तभी जिन्ना ने दो देशों और भारतीय उपमहाद्वीप से तराशकर मुसलमानों के लिए एक आज़ाद देश निकालने की बात की।

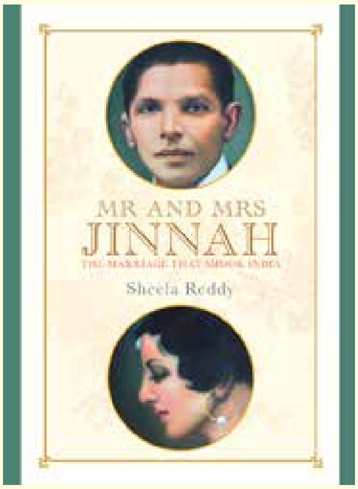

मिस्टर एंड मिसेज़ जिन्ना - द मैरिज दैट शूक इंडिया
लेखिका : शीला रेड्डी
शैली : गैर कल्पना
प्रकाशक : पेंगुइन रैंडम हाउस
पन्ने : 440 हार्डकवर
दाम : रु 699

वर्ष 1929 में रति की मृत्यु के बाद जिन्ना ने मुस्लिम लीग की नींव डाली और उसे खड़ा किया। तब उन्होंने आज़ाद इस्लामी देश पाकिस्तान की माँग के लिए मुस्लिम कट्टरपंथियों का नेतृत्व किया।

इतिहास द्वारा जिन्ना के साथ की गई गंभीर नाइंसाफ़ी को शीला रेड्डी ने सुधारा है और उन्हें एक ऐसे नेता के तौर पर पुनर्जीवित किया है जो अपने दौर के ज़्यादातर राजनेताओं के सामने काफ़ी बड़ा क़द रखते थे। उनकी पुस्तक में महात्मा गाँधी कुछ हद तक एक चालाक नेता के रूप में उभरते हैं जो खुलेआम कहते थे कि हिंदुओं को मुसलमानों से शादी नहीं करनी चाहिए। वे कहती हैं कि यह बात तब सामने आती है जब वे विजयलक्ष्मी पंडित के एक मुस्लिम व्यक्ति से प्रेम करने पर मोतीलाल नेहरू को सलाह देते हैं। लेखिका कहती हैं कि महात्मा के कड़े रुख के कारण उस शादी को रद्द करना पड़ा था। वहीं दूसरी तरफ़ जिन्ना को हिंदू-मुस्लिम विवाह में बहुत विश्वास था।

लेकिन इस मामले में रेड्डी फ़िसलती ज़मीन पर हैं क्योंकि गाँधीजी को गहरी आध्यात्मिकता, बेहिचक ईमानदारी और पूरी तरह धर्मनिरपेक्षता वाला व्यक्ति माना जाता है।

आप साहसी रूटी की प्रशंसा किये बिना रह ही नहीं सकते-उन्होंने वरिष्ठ ब्रिटिश अफ़सरों के सामने झुकने से इंकार कर दिया; एक वायसरॉय का अभिवादन करने के लिए वे अपनी जगह से नहीं उठीं और एक दूसरे वायसरॉय के सामने झुकने के बजाय उसका अभिवादन अवज्ञा से नमस्ते कह कर किया।

एक दूसरे स्तर पर रेड्डी की पुस्तक अमीर पारसियों की भव्य दुनिया पर प्रकाश डालती है। वे मलाबार हिल में परियों की कहानियों के से आलीशान घरों में, जिनकी छतें बेल्जियम के झूमर और सोने के पानी के काम से दमकती थीं, और जिनके टैरेस गार्डन अरब सागर की ओर मुँह किये होते थे, में रहते थे। वे फ्रैंच रिविएरा पर भी खूबसूरत और चारों ओर फ़ैली हुई संपत्ति के मालिक थे, जो अकसर यूरोप के राजाओं और राजकुमारों की संपत्ति से कहीं ज़्यादा होती थी।

दरअसल, रूटी जिन्ना के माता-पिता पेटिट पारसी परिवार आलीशान अंदाज़ में रहते थे और उनकी जीवन शैली कई भारतीय राजकुमारों से ज़्यादा मनोहर थी। रेड्डी की पुस्तक जिन्ना की जीवन यात्रा की बात करते हुए गाँधी, नेहरू, सरोजिनी और पद्मजा नायडू और भारतीय इतिहास के उस अशांत दौर के प्रमुख नेताओं के साथ उनके संबंधों पर भी प्रकाश डालती है। 'मिस्टर एंड मिसेज़ जिन्ना' इतिहास के क्षेत्र में एक महत्वपूर्ण काम है और शोधकर्ताओं के लिए एक उपयोगी पुस्तक। साथ ही भारत में अंग्रेज़ी राज के ढलते सूरज के आखिरी वक्त में अति सुंदर रूटी पेटिट से जिन्ना की दुखद प्रेम कहानी का यह एक महत्वपूर्ण साहित्यिक दस्तावेज़ भी है। लेखिका हमें मार्मिक रूपकों द्वारा बताती हैं कि

कैसे मुश्किल और क्लेश वाले माहौल में एक-दूसरे से जुनून की हद तक प्रेम करने वाले इस दंपती ने हालात को मिलकर झेला। उसमें दुनिया से अलग-थलग किया जाना, दोनों तरफ़ के परिवारों के समाज से बहिष्कृत किया जाना, और साथियों तथा भावी प्रतिद्वंदियों द्वारा उपहास किया जाना शामिल है। दोनों ने इन सबका डटकर सामना किया और फ़िर बिखरते चले गए। एक दूसरे स्तर पर यह पुस्तक एक दर्दनाक प्रेम कथा है जो अंतिमता के पूर्णता वाले स्वभाव पर हमें झकझोरती और शोकाकुल कर देती है।

रेड्डी लिखती हैं, उनके हनीमून पर वे एक बेहतरीन जोड़ी लग रहे थे: उम्र में 24 साल के फ़ासले के बावज़ूद एक चमकता सा खूबसूरत दंपती; विलक्षण, होशियार और मॉडर्न पहनावेवाला। जिन्ना लंबे, छरहरे और पैने नैन-नक्श के धनी थे। रूटी खूबसूरत, गर्मजोशी से मिलने वाली और सहज स्वभाव की थीं और उनके चेहरे पर शरारत की एक ऐसी आभा थी जो उन्हें सम्मोहक बना देती थी।

लेकिन उनकी शादी वक्त के साथ स्वाभाविक बेमेलपन और जिन्ना के राजनीति में पूरी तरह व्यस्त होने के कारण बहुत जल्द ही बिखरती चली गई। जिन्ना ने राजनीति में रूटी को कोई भूमिका अदा नहीं करने दी थी। जिन्ना से अलग होने के बाद उन्हें संबोधित किये हुए आखिरी ख़त में रूटी ने लिखा, जानम, मुझे उस फूल की तरह याद रखना जिसे तुमने तोड़ा, न कि जिसे तुमने कुचला। प्रियतम, मैंने बहुत कष्ट भुगते हैं, क्योंकि मैंने बहुत प्यार किया है। जितना मैंने प्यार किया, मेरी व्यथा भी उतनी ही रही। डार्लिंग, मैं तुमसे प्यार करती हूँ। मैं तुमसे प्यार करती हूँ और अगर मैंने तुमसे कुछ कम प्यार किया होता तो शायद आज मैं तुम्हारे साथ होती। हम अपने आदर्श जितने ऊँचे बनाते हैं वे उतने ही नीचे गिरते हैं। मैं तुमसे उतना प्यार करती हूँ जितना विरले ही पुरुषों को किया जाता होगा। मैं तुमसे हाथ जोड़कर सिर्फ़ इतनी विनती करती हूँ कि हमारी त्रासदी जो प्रेम से शुरू हुई थी, उसी से समाप्त हो। डार्लिंग, गुड्नाइट एंड गुडबाय।

अपने सामान्य संपादन के बावज़ूद यह पुस्तक ऐतिहासिक भी है और उत्कृष्ट साहित्यिक कृति भी। यह न सिर्फ़ ज्ञानवर्धन करती है बल्कि जिन्ना के साथ हुई बहुत बड़ी ऐतिहासिक ज़्यादती को भी सुधारती है। यह आधुनिक भारत पर उस लेखक की एक प्रभावशाली टिप्पणी है जिसकी कलम में काफ़ी प्रबलता है। 'मिस्टर एंड मिसेज़ जिन्ना' संग्रह करने योग्य पुस्तक है और भारत के अंतिम विभाजन पर इसके अगले भाग की प्रतीक्षा है।■

जर्मन रसोईघर में देसी भोजन

टीम रोटरी न्यूज़

जब आप भारतीय पाक कला को जर्मन तकनीक के साथ मिश्रित करते हैं, तो कुछ अद्भुत मुँह में पानी ला देने वाले व्यंजन सामने आते हैं। सीमेंस के सहयोग से, हैकर किचंस द्वारा आयोजित एक लाइव खाना बनाने के प्रदर्शन में, ख्यातिप्राप्त रसोइये मुंबई के देबब्रत मुख़र्जी ने प्रदर्शित किया कि कैसे जर्मन किचन तकनीक के इस्तेमाल से स्वदेशी विधियों को भी आसानी से पकाया जा सकता है। और कुछ घंटों में, मुख़र्जी के उत्कृष्ट पाक कला कौशल ने भारतीय व्यंजनों की शानदार प्रदर्शनी लगायी जिसमें पनीर बारबेक्यू, मसाला फिश से लेकर तेज भुनी हुई सब्जियाँ, चिकन डिम सम और कुकीज़ शामिल थे।

भारत में हैकर के फुटकर विक्रेता कनु किचन कल्चर के सीएमडी मुकेश कुमार के अनुसार, बहुत से भारतीय ग्राहकों को जर्मन रसोई घरों में देसी खाना बनाने को लेकर शंकाएं थी। इसलिए हमनें हमारे शोरूम में यह प्रदर्शन आयोजित किया ताकि हमारे ग्राहकों से बातचीत के माध्यम से ऐसी शंकाओं को गलत साबित किया जा सके एवं उन्हें स्पष्टीकरण दिया जा सके।

कार्यक्रम में शामिल होने वाले अरुण कुमार जैन ने कहा, सबसे अच्छे उपकरणों के साथ एक अत्याधुनिक रसोईघर में स्वादिष्ट व्यंजनों को पकाना सीखना, यह मेरे लिए काफी अच्छा अनुभव था। मेरे घर में रसोईघर सबसे महत्वपूर्ण जगह है और हैकर बस अनुभव को जादुई बनाता है - स्वच्छ डिज़ाइन और अधिक भण्डारण वाला आधुनिक सौंदर्य।■

RYE पर्यटकों के लिए अतुल्य भारत

वी. मुतुकुमारन

मात्र 17 दिनों में भारत को जानिए। 11 देशों - ब्राज़ील, ज़ैक रिपब्लिक, डेनमार्क, जर्मनी, इटली, लातविया, नीदरलैंड, स्लोवाकिया, स्वीडन, ताइवान, यूएसए - से आये 19 युवाओं के लिए, रोटरी क्लब अहमदाबाद वेस्ट, मंडल 3051, और इसके पड़ोसी मंडल 3052 द्वारा साझेदारी में आयोजित 'यूथ एक्सचेंज शिविर' से बेहतर कोई भी उन्हें भारत को अच्छे तरीके से नहीं समझा सकता था। युवा शिविर, जो रोटरी के अल्पावधि के यूथ एक्सचेंज कार्यक्रम का हिस्सा है, ने उन्हें देश के सांस्कृतिक मूल्यों, धरोहर और पारिवारिक व्यवस्था के अतिरिक्त अहमदाबाद, भुज, जयपुर, उदयपुर और आगरा के आकर्षक पर्यटन स्थलों की झलक दिखायी।

मंडल 3051 के यूथ एक्सचेंज प्रमुख, भानु गुप्ता ने कहा कि अहमदाबाद, जयपुर और उदयपुर के अड़तालीस रोटरियन परिवारों ने विदेशी बच्चों की मेज़बानी की और उन्हें एक आरामदेह प्रवास देने के लिए सारी बुनियादी आवश्यकताएं प्रदान की।

मेजबान परिवारों की छत्रछाया में, दर्शकों ने एक उच्च श्रेणी के अकादमिक प्रदर्शन के लिए आईआईएम परिसर का दौरा किया। गुप्ता ने कहा, अहमदाबाद का ''पुराना शहर, साबरमती आश्रम और गांधीनगर के अक्षरधाम मंदिर ने उन्हें आध्यात्मिकता एवं अहिंसा का एक गौरवान्वित करने वाला अनुभव दिलाया जिसके लिए भारत को जाना जाता है।'' अरविन्द मिल का दौरा और *उत्तरायण* पतंग महोत्सव का रोमांचक अनुभव अहमदाबाद में उनके प्रवास की अन्य झलकियाँ थी। डीजी दिनेश ठक्कर और क्लब अध्यक्ष राकेश भार्गव ने दल के लिए प्रबंध किये।

अद्वितीय नज़ारे, आवाजें

उदयपुर के युवराज लक्ष्यराज सिंह मेवाड़ से मुलाकात और एक लोक अभिनय, *बागोर की हवेली*, देखने के पश्चात, युवा भारतीय राजसी ठाठ-बाठ एवं राजस्थान के रंग-बिरंगे नज़ारों के विलक्षण सम्मोहन से वशीभूत हो गए।

डेनमार्क के एक प्रतिभागी ट्रिने ट्रस्ट्रप ने कहा, ''भारत को जानना बस अद्भुत था। मेज़बान परिवारों ने हमें पहले दिन से ही उनकी जिंदगियों में स्वीकार कर लिया, जैसे हम उनके परिवार के ही थे। मुझे सुरक्षित एवं अभिलषित महसूस हुआ और यह बहुत मायने रखता है जब आप अपने घर से इतना दूर हो और एक पूर्णतः अलग संस्कृति का अनुभव कर रहे हो।''

पर्यटकों ने उदयपुर से जयपुर तक की रेल यात्रा का आनंद लिया,

यूथ एक्सचेंज के मेहमान ऊंट की सवारी का आनंद लेते हुए।

साबरमती आश्रम में रोटरी क्लब अहमदाबाद वेस्ट के अध्यक्ष राकेश भार्गवा (बायें ओर बैठे हुए) और मंडल युथ एक्सचेंज चेयर भानु गुप्ता (चरम दाएं) के साथ एक्सचेंज मेहमान ।

जहाँ डीजीएन नीरज सोगानी (मंडल 3052) और राजस्थान में शिविर समन्वयक नीरज अग्रवाल ने गर्मजोशी से उनका स्वागत किया। सिटी पैलेस, आम्बेर किला, हवा महल, जंतर मंतर, जेम एंड ज्वेलरी संस्थान जैसे स्थानों की अल्प-विराम यात्रा ने, और आईआईएस विश्वविद्यालय में बंधेज की रंगाई के प्रायोगिक अनुभव ने भारतीय धरोहर के प्रति उनके नज़रियों को व्यापक बनाया।

ताज महल और लाल किले के लिए बहु-प्रतीक्षित आगरा की यात्रा ने उन्हें मुग़ल शानों-शौकत का आभास करवाया। अंतिम 'वाह' क्षण रण के कच्छ में पैरासेलिंग जैसे साहसिक खेलों को खेलने का था जिसे रोटरी क्लब भुज वाल सिटी, मंडल 3051, द्वारा आयोजित किया गया था।

जब वें ताँझानीया–कीन्या की सीमा पर स्थित मसाय मारा जा पहुँचते है, तो धरती पर इन प्राणियों की सबसे घनी आबादी यहीं पर पायी जाती है।

IIS यूनिवर्सिटी में टाई एंड डाई की कला सीखते हुए।

यूएस की रिबेका सिंगर ने कहा, ''भारतीय संस्कृति अत्यंत व्यापक है और परम्पराओं से परिपूर्ण है। युवा शिविर एक आधार-शिला थी, अद्वितीय संस्कृति को जानने के लिए एवं आजीवन संपर्कों को बनाने के लिए जो मुझे मेरे अध्ययन में मदद करेंगे दुनिया को खुले विचारों से देखने में।'' रोटरी के प्रति आभार प्रकट करते हुए, नीदरलैंड की मार्गोट स्टोर्मीसैंड (18) ने कहा, ''हमारा एक बहुत मज़ेदार दल था और हमने एक दूसरे को अपनी वास्तविकता में स्वीकार किया। हम एक बड़े परिवार जैसे थे। साथ मिलकर हमने एक 'अतुल्य भारत' का अनुभव किया।'' ■

माचु पिच्चु का इंकान किला

प्रीति वर्मा लाल

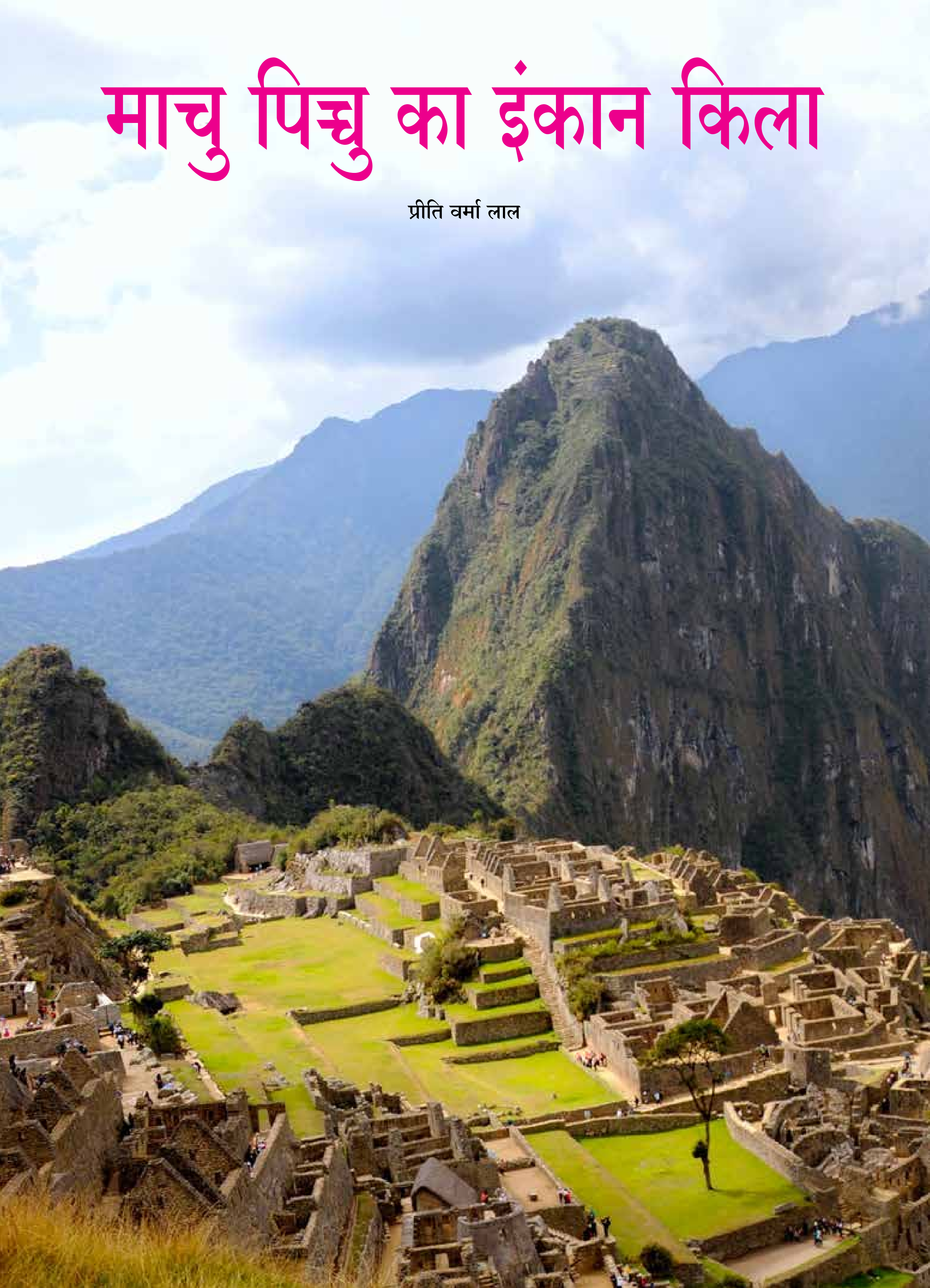

मैं अक्सर ऐतिहासिक किरदारों की भाँति लिबास नहीं पहनती। व्यावसायिकों की भाँति तैयारी नहीं करती। ढेर सारा 'सनस्क्रीन लोशन'। चौड़े किनारों वाली टोपी। नकली फेफड़ों में खचाखच भरी हवा। मजबूत, खुरदरे जूते। जूड़े में बाँधे गये बाल। काला चश्मा, छाता, पानी आदि। स्कूल में पढ़े पेरुवियाई इतिहास को दोबारा याद करना। अगर मेरे साथ एक हृष्ट-पुष्ट खच्चर रहता तो मैंने हैराम बिंगहैम को हरा दिया होता। बिंगहैम ने ही 24 जुलाई 1911 को माचु पिच्चु की खोज की थी। किसी स्थानीय खच्चर हाँकने वाले से मिली खबर के आधार पर इन अमरीकी अन्वेषक ने बेलों के नीचे छिपी इंकानी राजधानी को खोज निकाला।

मैं कोई बिंगहैम नहीं हूँ। मेरे पास भारवाही खच्चर नहीं था। पुराने नक्शे नहीं थे। मैंने "हैराम बिंगहैम" में सवारी की। कुस्को से UNESCO विश्व विरासत स्थल माचु पिच्चु के तल तक चलने वाली फैशनेबुल रेलगाड़ी और दुनिया के नये सात अजूबों में से एक। यह कोई लड़खड़ाती रेलगाड़ी नहीं है, यह अत्याधुनिक है – लंबी डंडियों वाले शराब के गिलासों में मेरलोट (लाल शराब) उंडेलने वाले, सफेद दस्तानें पहने बैरे, स्वादिष्ट मिठाइयां। बड़ी खिड़कियों के सामने मकई के बड़े खेत और इस पुरातन प्रदेश से होकर बहने वाली उरुबाँबा नदी दिखायी देते हैं। जबकि दूसरे लोग मेरलोट को गटागट पी रहे थे मैंने कोको की कुछ पत्तियाँ तोड़ी। नहीं मैं कोई भेड़ नही बन गयी! मैं केवल कुछ होशियार लोगों की सलाह को मानकर ऊँचाई पर चढ़ने से होने वाली अस्वस्थता पर काबू पाने कोको की पत्तियों को चबा रही थी। ऊँचाई? माचु पिच्चु आसमान को छूनेवाली ऊँचाई पर है। समुद्री सतह से 7,970 फीट ऊँचाई पर स्थित है। मुझे उन 3,000 सीढ़ियों पर चढ़ने के लिये कुछ ज्यादा ताकत की जरूरत थी ताकि मैं पर्वत से लुढ़क ना जाऊँ।

माचु पिच्चु के तल पर प्रस्थान बिंदु के पास लोगों की भीड़ खचाखच भरी थी। मैंने भी भीड़ को किनारा किया, धकेला और उस नजारे को देखने पथरीली सीढ़ियों पर एहतीयात बरतती हुयी चढ़ गयी। वह दृश्य जो लाखों पोस्टकार्डों पर दिखायी देता है। इस किले के खंडहर अब भी पर्वत की परछाई के नीचे शान के साथ विराजे हैं। पाँच मीलों तक उसके अनेक स्तरों को जोड़ने वाली 3,000 से ज्यादा सीढ़ियां। एक केंद्रीय चौक के आसपास चौड़ी समानांतर छतों पर लगभग 200 इमारतें बनी हैं। नियमित आकारों में चिकनायी की गयी पथरीली दीवारों को रत्ती भर चूने के बिना ही जोड़ा गया है।

क्या आप जानते हैं?

- **पेरू में मित्रों और परिवार वालों को नये साल के उपलक्ष्य में पीले अंदरूनी कपड़े देने का रिवाज है।**
- **तल से शिखर तक, सेच्युरा मरुस्थल (नाज़का लाइन्स के पास) में स्थित सेरों ब्लैंको ही दुनिया का सबसे बड़ा रेत का टीला है।**
- **अंग्रेजी शब्दकोष में जगह पाने वाला एकमात्र क्यूयेचुआ शब्द है चारक्यी (लामा का सुखाया गया माँस) जिसका उच्चारण 'जेर्की' बन गया।**

ढलान पर अमीर घराने के लोग पंक्तिदार घरों में रहते थे। अनुभवी परामर्शदाता लाल दीवारों वाले घरों में रहते थे। राजकुमारियों के आवासों के कमरे समलंबाकार आकार के होते थे। एक सीढ़ी पर खतरनाक तरीके से खड़ी होकर मैं इंकान की शानदार राजगिरी की ओर मुँह फाड़कर देखती रही। माचु पिचु इतनी खूबसूरत जगह है कि आपकी साँसों को रोक लेती है। और हाँ! इस मामले में कोको की पत्तियाँ मददगार साबित नहीं होगी।''

पेरू में, मेरी घड़ी पीछे की ओर चल रही थी। जितना संभव हो उतने पीछे। जब वह 4,000 साल पीछे गयी, तो मैंने खुद को लीमा के ''राल्फ लारको हेरेरा' संग्रहालय में पाया जहाँ मान-मर्यादा के बारे में हद से ज्यादा सोचने वाले अपनी आँखों को ढक लेंगे जबकि खुद को सदाचार के हिमायती मानने वाले निकास द्वार की ओर दौड़ पड़ेंगे। सातवीं सदी के सूची स्तंभ पर, 18वीं सदी के राजपाल की इमारत में बने इस निजी संग्रहालय में अनेक प्रदर्शनी-स्थान पाये जाते हैं लेकिन वहाँ का, श्रृँगारिक कुम्हारी संग्रह ही उत्सुक रसिकों को, बोगनविला से लदे उसके प्राँगण में ले आता है। श्रृँगारिक चित्र बने मिट्टी के बर्तनों के प्रदर्शनी स्थान में कोलंबियाई काल से पूर्व के श्रृँगारिक विषयवस्तु पर आधारित कुम्हारी की नुमाइश की जाती है। गुदा संभोग। जनाना से मर्दाना मुख मैथुन। चुंबन और प्यार करना। हस्त मैथुन। सहवास करते हुये मेंढक, चूहे, लामा। स्त्री और पौराणिक-पशु के बीच मैथुन क्रिया। इन सभी को हजारों साल पहले मिट्टी में, नज़ाकत के साथ ढाला

मसले किरिमदाने से चौबीस प्रकार के लाल रंग पाये जा सकते हैं। एक बूँद नींबू के रस से लाल रंग हल्का हो जाता है।

क्यूस्को के मुख्य चौक पर इंका की मूर्ति।

लीमा में कोको की पत्तियाँ बेचने वाला व्यक्ति।

यह जगह दानेदार है

पेरू में, उतनी ही आसानी से रंगबिरंगे दाने मिलते हैं जितनी आसानी से हम 60 तक की गिनती कर लेते हैं! इस दक्षिण अमरीकी देश में इतने सारे दानों का पाया जाना कोई घिसी पिटी या बनावटी भावुकता वाली बात नहीं है। पेरू में लगभग 60 प्रकार के मकई के दाने पाये जाते हैं। आम तौर पर, हर कहीं मिलने वाले पीले दाने नहीं। रंगारंग मकई के दाने – जामुनी, काले, नारंगी, सफेद, लाल, मिले-जुले रंग। ऊन को रंगने में मकई के दानों का उपयोग। मकई के दाने- उबले, भाप में पकाये गये, भुने गये। मकई के दाने– अल्पाहार, पेय, खाने में। पिसी मकई की गरी से बेक किया गया केक। पेरुवियाई लोग मकई को 1,200 BC से उगाते आ रहे हैं। मकई के दानों में सबसे प्रधान है चोक्लो; यह एक एंडीयन भुट्टा है जिसके अत्यधिक बड़े, उभरे, गोल दाने उत्तर अमरीकी भुट्टों से पाँच गुना बड़े होते हैं। इंकानी लोग (मध्य 15वीं सदी से मध्य 16वीं सदी) में इस दाने को भूनकर खाते थ। काँचा कहलाने वाला यह एक तरह से आजकल के हमारे पॉपकॉर्न का 'पूर्वज' है।

गया था और बाद में धरती की कोख से खोदकर बाहर निकाला गया। इन बर्तनों को सजावटी वस्तु के रूप में नहीं रखा जाता है। बल्कि तरल पदार्थों के लिये पोले मिट्टी के बर्तन तथा उसे उंडेलने के लिये शिश्न के आकार में टोंटी। विश्व के सबसे बड़े श्रृँगारिक कुम्हारी के संग्रहालय में बेहद सुस्पष्ट श्रृँगारिक छवियाँ दिखायी देती हैं।

संगी अस्थिपंजरों को पीछे छोड़कर, मैं पापास डे जुमाना पर (लीमा के दक्षिण में 400 किमी दूरी पर) नाज़का और पाल्पा शहरों के बीच बने UNESCO विश्व विरासत स्थल नाज़का लाइन्स के ऊपर घूमने, हैलीकॉप्टर में लगभग फुदक पड़ी। इस मरुस्थल पर लंबी सवारी के बाद तो एक तरह से जादू छाने लगा। बादामी भूदृश्य पर एक बड़ा रंगीन चित्र फलक उभर आया। विशालकाय ज्यामितीय रेखायें। एक राक्षसी आकार का पेलीकन पक्षी (जलसिंह)। एक गुनगुनाता पंछी। एक पेड़। लामायें। तेंदुये। बंदर। इंसान। बड़ी डिजाइनें – मानों धरती पर किसी दक्ष कलाकार ने खरोंचा हो। लगभग 500 BC तथा 500 AD के बीच बनाया गया नाज़का लाइन्स, 10,000 रेखाओं से बनाया गया था, जिनमें से

पुरातन मारास खारा झील।

कुछ 30 मीटर चौड़ी और 9 किमी लंबी थी इनमें सौ की तादाद में ज्यामीतीय रेखाओं, पशु-पक्षियों के 'जूमॉर्फिक' डिजाइनें, पेड़ों और फूलों के कुछ 'फाईटोमॉर्फिक' डिजाइनों सहित लगभग 300 भिन्न आकृतियाँ शामिल हैं। ये कोई छोटी रेखायें नहीं हैं जिन्हें जल्दबाजी में खरोचा गया हो। यहाँ एक कंडर (गीध) 440 फीट का है, मकड़ी 150 फीट की है, गुनगुनाता पक्षी 310 फीट का है। मैं हैलीकॉप्टर की खिड़की पर अपनी नाक रगड़ते हुये उस विराट चित्र फलक और ध्यान आकर्षित करने वाली पुरातन कला की ओर मुँह फाड़कर देखती रही।

मैं मारास के पुरातन खारी झीलों से गुजरती हुयी निकली जहाँ कुछ किस्से सुने कि किस तरह इंकानी जमाने के दौरान औरतें मकई के दानों को, मुँह में भरे लार के साथ चबाती थी और कटोरे में थूँक देती थीं। मुँह में इतनी लार भरी हो तो क्यों

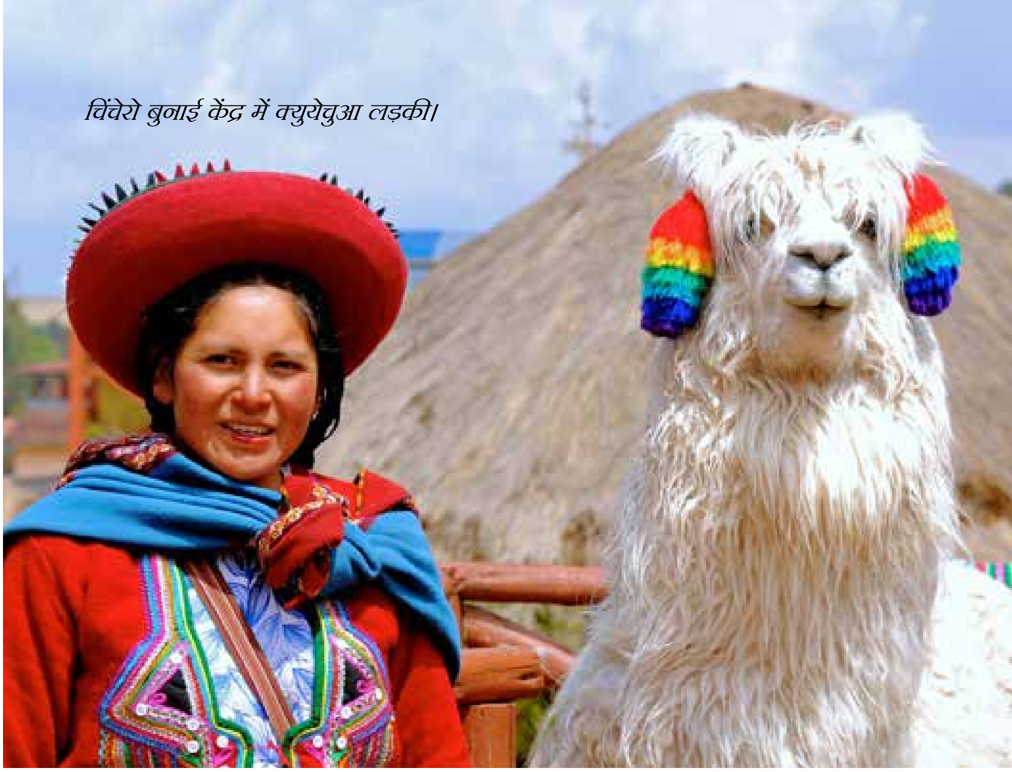

चिंचेरो बुनाई केंद्र में क्युयेचुआ लड़की।

इंकानी जमाने में औरतें लार से भरे मुँह में मकई के दाने चबाया करती थीं और कटोरे में थूँक देती थी ताकि खमीर चढ़ पाये।

कर यीस्ट (खमीर) की जरूरत होगी? इस लार से मकई से बने पेय चिचा पर खमीर चढ़ाई जा सकती थी जो खमीर चढ़ाये गये शराबों का 'पूर्वज' है। इंकानी बनने की कोशिश किये बिना मैं पेरू से वापस जाना नहीं चाहती। कम से कम थोड़ी सी इंकानी। चिनचेरो बुनाई केंद्र में, मैंने एक क्ययेचुआ लड़की से इंकानी तरकीबें सीखी। बालों को यूका की जड़ों से धोना। आलूओं को जमाकर, सुखाना जो दो दशकों तक भी तरोताजा रहे। माँस और ऊन के लिये अल्पाकाओं (भेड़ की नस्ल का जानवर) को पालना। अल्पाहार के रूप मे सेंके गये भुट्टे को खाना। पक्के लाल रंग के रंजक के लिये किरिमदाने (खाने को रंगने के लिये डाली जाने वाली चीज) का चूरा। एक मसले गये किरिमदाने से चौबीस तरह के लाल रंग मिल सकते हैं। नींबू के रस की एक बूँद हल्का लाल रंग ले आती है। एक चुटकी फिटकरी से गुलाबी रंग मिलता है। जामुनी भुट्टे को उबालकर सूत को जामुनी रंग में रंगाया जा सकता है। पीले रंग के लिये पीले फूल। नारंगी रंग के लिये मिट्टी का पाउडर।

आदीवासी मुखिया के लिबास में क्युयेचुआ का आदमी।

चित्र : प्रीति वर्मा लाल

कृष्णाप्रतीश एस द्वारा रुपांकन

जब रोटरी ने विधिपूर्वक करवाया एक विवाह

के टी पी राधिका

दुल्हन रितु कुमारी और सोनिया के साथ अरुण पालावत और उनकी पत्नी शशि पालावत।

रितु कुमारी के विवाह से मात्र एक सप्ताह पहले, जयपुर के वैशाली नगर की पवनपुरा कॉलोनी में गैस सिलेंडर फटने से आग लगने पर उसके छोटे से घर के जलने से अचानक उसके सपने टूट कर बिखर गए थे। उसके घर में सब कुछ, शादी के सजीले वस्त्रों से लेकर विवाह के लिए बचत किए गया पैसा सभी कुछ ही मिनट में एक मुट्ठी राख में तब्दील हो गया

हालांकि, रोटरी क्लब जयपुर मिड्टाउन, मंडल 3052 के रोटेरियनों के प्रयासों से रितु और उसकी बहन सोनिया को सांत्वना मिली। उन दोनों का विवाह एक ही मंडप में हुआ, जिस अवसर पर 1,200 मेहमान उपस्थित थे, जिसमें राजस्थान के सामाजिक न्याय मंत्री अरुण चतुर्वेदी, जयपुर शहर के महापौर अशोक लाहोटी और राजस्थान के लोकायुक्त एस एस कोठारी शामिल थे।

अपने पति के पास बैठी, रितु कहती है, "मेरी शादी 6 अप्रैल को तय हुई थी, परंतु हम हमारी सभी वस्तुएं आग में जल कर भस्म हो गई। कुछ वर्ष पहले मेरे पिता की मृत्यु हो गई थी और मेरी मां एक दैनिक मजदूर के रूप में काम करती है, इस घटना के बाद हमारे जीवन में पूर्ण रूप से ठहराव आ गया था। लेकिन रोटरी ने हमें इसे फिर से शुरू करने में मदद की। हमारी शादी भव्य तरीके से हुई और हमें बहुत सारे उपहार भी प्राप्त हुए।"

नवनिर्वाचित अध्यक्ष अरुण पालावत ने बताया, "जैसे ही स्थानीय समाचार पत्रों में खबर प्रकाशित हुई, हमारे क्लब सदस्यों में से कुछ ने परिवार का दौरा किया और बिना किसी विलंब के विवाह के लिए हमारी ओर से सभी मदद का आश्वासन दिया।" रोटेरियनों ने रितु की बहन सोनिया के लिए एक उपयुक्त वर ढूँढने में मदद की, जब परिवार ने कहा कि वे दोनों की शादी एक साथ करना चाहते हैं। रोटरियनों ने व्हाट्सएप समूह बनाया जिसके ज़रिये शादी के लिए साड़ी, सोने और चांदी के आभूषण, बर्तन, किराने का सामान और अन्य मिश्रित चीजें एकत्र करने में मदद मिली।

नवविवाहित जोड़े।

अगले छह दिनों तक, "हम सभी एक परिवार की तरह कॉलोनी में रहे और सुनिश्चित किया कि सब कुछ उचित प्रकार से संपन्न हो" पलावत कहते हैं, जिन्होंने "एक गर्वित पिता की तरह" रितु का कन्यादान भी किया। रोटेरियनों ने दोनों को दुल्हन के रूप में घर के आवश्यक सामान जैसे गैस स्टोव, बिस्तर, आलमारी, एलईडी टीवी, रेफ्रिजरेटर, कूलर और वाशिंग मशीन उपहार में दिया।

मंडल 3052 PDG अनिल अग्रवाल कहते हैं, "यह सेवा के लिए कृत-संकल्पित रोटरी का एक आदर्श उदाहरण था। ये छह दिन मेरे जीवन के सुनहरे दिन थे। हममें से कोई भी थका, प्यासा या भूखा महसूस नहीं किया। हम सभी उनकी शादी के दिन को यादगार दिन बनाने के लिए प्रतिबद्ध थे। और उनके चेहरे पर खुशी की चमक ने हमारे प्रयासों को सार्थक कर दिया।" ■

सही जिम, प्रशिक्षक, व्यायाम चुनिए

शीला नंबीयार

पिछले दो या तीन दशकों में फिटनेस उद्योग में क्रान्तिकारी परिवर्तन होते रहे है। हर गली के कोने में जिम खुल गए है, हर मोहल्ले में एक नया सामूहिक व्यायाम चल रहा है, उद्यान अब स्थानीय लोगों के इकट्ठा होकर कसरत करने के केंद्र बन गए है। प्रशिक्षकों, फिटनेस प्रबंधकों, भौतिक चिकित्सकों के लिए अधिक नौकरियाँ है और समय की मांग की एक बढ़ती जागरुकता है।

अधिकांश लोगों के लिए, विशेषरूप से शहरों में, फिटनेस केन्द्रों तक आसान पहुँच ने उन्हें कसरत करने के लिए प्रोत्साहित किया है, या मैं तो ऐसा मानना चाहूंगी!

क्या जिम विज्ञान एवं प्रशिक्षण तकनीकों में प्रगति के साथ समान गति से आगे बढ़ रहे है? क्या प्रशिक्षक आपके लिए अनुशंसित व्यायामों के बारे में सुविज्ञ विकल्पों को चुनने के काबिल है? क्या जिम सही प्रकार का प्रशिक्षण दे रहे है या क्या ये व्यायाम आपको नुकसान पहुँचा सकते है?

व्यायाम बताते समय या परहेज का परामर्श देते समय एक ही जैसे दृष्टिकोण का इस्तेमाल नहीं किया जा सकता। प्रत्येक व्यक्ति के दिमाग को विशिष्ट लक्ष्यों की आवश्यकता है और उसे उस प्रयोजन के लिए प्रशिक्षित किया जाना चाहिये, उम्र, लिंग, जीवनशैली, फिटनेस स्तर और फिटनेस के लिए समय की उपलब्धता, चिकित्सीय इतिहास और भी अनेक परिवर्तनशील कारकों को ध्यान में रखते हुए। यहाँ तक कि लक्ष्य निर्धारण भी व्यक्तिगत रूप से किया जाना चाहिए।

अधिकांश लोग आश्वस्त नहीं होते कि उनके क्या लक्ष्य होने चाहिये, उन लक्ष्यों तक पहुँचना तो छोड़ दीजिये। कभी-कभी "मैं एक मैराथन में दौड़ना चाहता हूँ" एक बड़ा लक्ष्य हो सकता है। फिर भी, ऐसी मान्यता है कि यदि व्यक्ति का धड़ बहुत बुरा है और/या पैरों में ताकत नहीं है, तो उस लक्ष्य की प्राप्ति के लिए उसे दौड़ने के लिए प्रशिक्षित करने से पहले उसे शरीर के उन अंगों को मजबूत बनाना पड़ेगा।

प्रशिक्षण - सैकड़ों व्यायाम है जो साध्य है, जो समान परिणाम दे सकते है। कुछ दूसरों से बेहतर है। कुछ दूसरों से सुरक्षित है। क्या आपको उन सभी को करने की आवश्यकता है? कौन से व्यायाम सुरक्षित है? कौन से व्यायाम आवश्यक है? कौन से व्यायाम प्रासंगिक है? एक व्यक्ति कैसे यह चुनाव करता है? आदर्श रूप से, एक प्रशिक्षक को यह सब करना आना चाहिए। हालाँकि सभी प्रशिक्षक नहीं कर पाते है। कभी-कभी मैं देखती हूँ कि तीव्र परिणाम की चाह में ग्राहकों को अनावश्यक, यहाँ तक कि हानिकारक, व्यायाम भी बताये जाते है।

एक गलत एवं अनुपयुक्त कसरत के प्रतिप्रभाव तुरंत सामने नहीं आते है। गलत उठक-बैठक या गलत दौड़ की तकनीक के कारण आपके घुटनो में हुई तकलीफ को सामने आने में सालों लग सकते है। इसका मतलब यह नहीं है कि किसी व्यक्ति को इन सभी कसरतों को एक साथ करने से बचना चाहिए। इसका मतलब बस इतना है कि इन चोट-पहुँचाने वाली गतिविधियों को करने से पूर्व और इन्हें करते वक्त, आपके प्रशिक्षक द्वारा चौकस प्रशिक्षण एवं सुधार की आवश्यकता होती है।

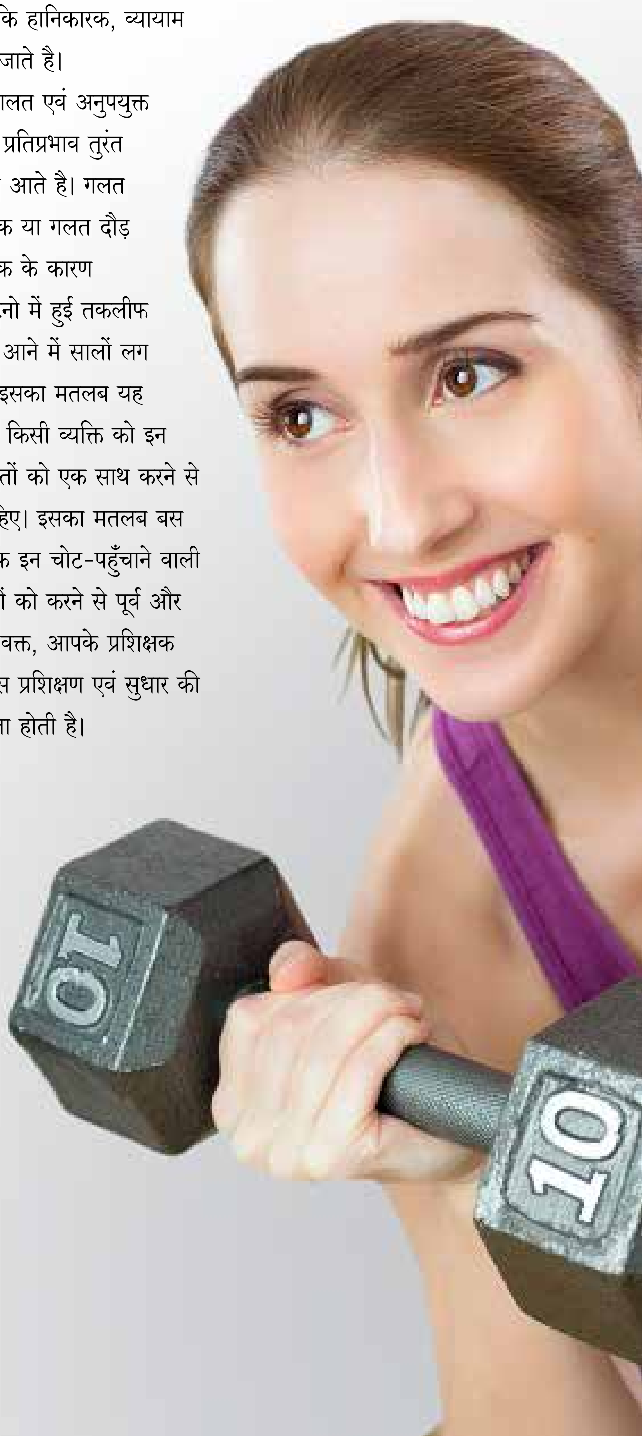

उदाहरण के लिए, लंबी अवधि में दौड़ घुटनो में चोट पहुँचा सकती है। इसलिए एक धावक के लिए यह आवश्यक है कि वह एक मजबूत प्रशिक्षण दिनचर्या में नियमित रूप से हिस्सा ले ताकि विशेषरूप से जांघ की एवं ग्लूटों (कूल्हे की मांसपेशियाँ) की मांसपेशियों को मजबूत बनाया जा सके जिससे कि घुटनों की सुरक्षा हो सके और वे दौड़ते समय झटके के भार को झेल सके।

उदाहरण के लिए, डेडलिफ्ट एक अद्भुत व्यायाम है जिसे करके हेमस्ट्रिंग (जांघों के पीछे की मांसपेशी) और ग्लूटों को मजबूत बनाया जाता है। डेडलिफ्ट करते समय, अनेक छोटी मुख्य बातों पर ध्यान देना महत्वपूर्ण है जैसे पीठ सीधी, रीढ़ सीधी, सर उठा हुआ रखना, एड़ी पर शरीर का भार डालना, डम्बेल या बारबेल को शरीर के जितना पास पकड़ सके उतना पकड़ना, और भी बहुत कुछ। यदि गलत ढंग से किया जाए, व्यायाम आपकी पीठ को नुकसान पहुँचा सकता है, उसी मांसपेशी को जिसे आप सुरक्षित करना एवं बनाना चाह रहे है। आप फिर पूछ सकते है, तो ऐसे व्यायाम को किया ही क्यों जायें? सही ढंग से करने पर लाभ चोट की संभावना पर भारी पड़ते है। डेडलिफ्ट शरीर के उन हिस्सों को संबोधित करता है है जिन्हें सबसे कम संबोधित किया जाता है, विशेषरूप से जब हम बड़े होते है... वह है पोस्टीरियर श्रृंखला या शरीर का पृष्ठ भाग।

व्यायाम के अनेक नए अंदाज़ जैसे क्रॉसफिट, बूट कैंप इत्यादि जिस विधि से किये जाते है वे चोट पहुँचा सकते है, जब तक कि उनका सावधानीपूर्वक निरीक्षण नहीं किया जायें एवं उन्हें सिखाया नहीं जाए। इसके बाद आपका शरीर अनेक मांसपेशियों को सम्मिलित करने वाली जटिल कसरतों को बिना चोट लगे करने के काबिल हो जायेगा।

यदि आपने अभी भार प्रशिक्षण शुरू किया है, सुनिश्चित कीजिये कि आगे की अधिक उच्च श्रेणी की कसरतों को करने से पूर्व एक मजबूत आधार बनाने के लिए आपको सभी मौलिक व्यायाम उचित ढंग से सिखा दिए गए है। जहाँ कहीं भी अपेक्षित हो सहायता का निवेदन कीजिए। यदि कुछ अच्छा महसूस नहीं होता है, रुक जाइये। तीव्र परिणामों को देखने की आपकी उत्सुकता में, चालबाज़ एवं अस्वास्थ्यकर उपायों के लालच में मत आइये।

लंबी अवधि में दौड़ घुटनो में चोट पहुँचा सकती है। इसलिए एक धावक को मजबूत प्रशिक्षण में नियमित रूप से हिस्सा लेना चाहिए ताकि जांघ की मांसपेशियों को मजबूत बनाया जा सके और घुटनों की सुरक्षा की जा सके।

सवाल पूछिए - यह आपका शरीर है; आपको समझने की जरूरत है कि वास्तव में आप कौन सी मांसपेशी पर कार्य कर रहे है। कसरत को उचित ढंग से करने के तरीकों को समझिये, और अधिक महत्वपूर्ण, इस बात को समझिये कि आप इसे किस प्रकार से गलत कर सकते है।

सही प्रशिक्षक एवं सही जिम चुनिए - चुनने के लिए अनेक विकल्प है और संभवतः आप संचालन सुविधा के लिए उसे चुनेंगे जो आपके घर के या आपके कार्यस्थल के निकट हो। एक जिम वास्तव में मशीनों एवं लोहे की छड़ो का मिश्रण है। यदि आप कसरतों एवं प्रशिक्षण की विधियों से पहले से ही परिचित है, तो आपको केवल उचित वातावरण वाली एक स्वच्छ जगह की आवश्यकता है। यदि आपने अभी शुरुआत की है, या कुछ कसरतों से परिचित नहीं है, या आपको प्रगति करने के लिए प्रोत्साहन की आवश्यकता है, फिर प्रशिक्षक अत्यावश्यक हो जाता है। प्रशिक्षक का रवैया उतना ही महत्वपूर्ण है जितना कसरत की तकनीकों का उसका ज्ञान। क्या वह अधिक ज़ोर देता/देती है, क्या वह जानती है कि कैसे कसरत में आपके शरीर के अनुकूल सुधार या परिवर्तन किया जाए, क्या वह प्रेरणादायक होने के साथ-साथ धैर्यवान भी है?

व्यायाम को आपको अधिक सेहतमंद बनाना चाहिए ना कि चोट प्रवृत्त। इसे ध्यान में रखते हुए, तीव्र परिणामों को अल्पतम समय में हासिल करने की कोशिश अच्छा विचार नहीं है, क्योंकि यह स्वयं चोट पहुँचा सकता है। एक सतर्क, धीमा और स्थिर मार्ग, जिसमें कसरत की विधि के प्रति सावधानी एवं ध्यान की आवश्यकता होती है, सुनिश्चित करेगा कि एक बेहतर शरीर बनाते समय आप चोट मुक्त रहे।

यह आपका शरीर है; आपको समझने की जरूरत है किआप कौन सी मांसपेशी पर कार्य कर रहे है। आप कौन सी मांसपेशी पर कार्य कर रहे है। कसरत को उचित ढंग से करने के तरीकों को समझिये,इस बात को समझिये कि आप इसे किस प्रकार से गलत कर सकते है।

लेखिका सेहत और जीवन शैली सलाहकार हैं। उन्होने दो पुस्तकें प्रकाशित की हैः Get Size Wise; Gain to Lose.
वेब साईट : drsheelanambiar.com

आपके गवर्नरों से मिलिये

रशीदा भगत और जयश्री

शिक्षण, उनकी प्राथमिकता

माउलिन पटेल, शेयर पूँजी,
रोटरी क्लब मेहसाणा, मंडल 3054,

अपने कार्यवर्ष के दौरान अपने मंडल 3054 (गुजरात और राजस्थान के कुछ हिस्सों सहित मंडल 3051 तथा 3052 के विलयन के बाद नवगठित) ''में अनेक क्षेत्रों पर संकेंद्रण करते हुये'', डीजी माउलिन पटेल प्रधानत: WinS पर ही ध्यान केंद्रित करेंगे। ''हमने राजस्थान सरकार के साथ समझौते पर हस्ताक्षर किया है जिसके अंतर्गत एक-सितारा वर्ग में हम 500 स्कूलों को गोद ले रहे हैं। और निश्चित ही हम दो-सितारा के लिये भी कोशिश करेंगे।'' वे गुजरात में 500 और स्कूलों की जिम्मेदारी ले रहे हैं। ''साक्षरता में हम एक जो बड़ा काम कर रहे हैं वह है स्कूलों को ई-पठन का सॉफ्टवेयर देना। जब तक मेरा कार्यवर्ष पूरा हो जायेगा, हम 25,000 स्कूलों को ई-पठन से सुसज्जित कर चुके होंगे।''

सदस्यता वृध्दि भी एक और संकेंद्रण का क्षेत्र है, ''हमारे पास इस वक्त 6,000 सदस्य हैं; 8 प्रतिशत की वृध्दि करना मेरा इरादा है; जितना बड़ा मंडल हो, विभाजन की संभावनायें उतनी ही ज्यादा हैं– मुझे लगता है 8-10 प्रतिशत की वृध्दि संभव लक्ष्य है।''

पटेल स्वीकार करते हैं कि उनका मंडल ''टीआरएफ को अंशदान देने के बाबत में बेहद कमजोर है क्योंकि आम तौर पर सभी परियोजनाओं को क्लबों तथा वैयक्तिक सदस्यों का समर्थन मिलता है और कभी कभार ही हम टीआरएफ से ग्लोबल ग्राँट के लिये आवेदन करते हैं। लेकिन हम करोड़ों रुपयों की बृहत परियोजनायें करते आ रहे हैं, जिनमें से कुछ परियोजनाओं की खबरें *रोटरी समाचार* में प्रकाशित की जा चुकी है।'' लेकिन वे टीआरएफ के लिये 500,000 डॉलर इकट्ठा करने के द्वारा कीर्तिमान स्थापित करने की उम्मीद करते हैं क्योंकि अब तक, ''हमने 200,000 या 250,000 डॉलर से ज्यादा इकट्ठा नहीं किया है। सो उस आंकड़े को दोगुना करने की कोशिश करेंगे।''

''हमारी परियोजनाओं के पैमाने की वजह से शायद हमारे मंडल की जन छवि सबसे बेहतरीन है। लेकिन हम उसे और भी बेहतर बनाने की कोशिश करेंगे,'' वे कहते हैं। वे खुश हैं कि मेहसाणा में BPL परिवारों के लिये रु 5 करोड़ की लागत पर एक अस्पताल बनाने का उनका सपना अब साकार होने को आ रहा है जहाँ भारी छूट के दर पर – रु 1,800-2,000 के दर के परीक्षण रु 300-400 में – रोगात्मक तथा जैव-रासायनिक परीक्षण कराये जायेंगे।■

वह रिकॉर्ड बनाना चाहते हैं

रुचिर जानी, सिविल इंजीनियर
रोटरी क्लब वापी रिवरसाइड, मंडल 3060,

उनका सफर 2004 में शुरू हो चुका था और रोटरी में आने से काफी पहले ही ये डीजी, इंटरेक्ट के अध्यक्ष और बाद में एक बेहद सक्रिय तथा तीव्र रोट्रेक्टर थे। ''और मै एक रोटरी परिवार से आता हूँ; मेरे पिता दो रोटरी क्लबों के अध्यक्ष रह चुके हैं,'' उन्होंने कहा।

डीजी माउलिन पटेल (बायें) और रुचिर जानी।

रशीदा भगत

कुछ ''अपेक्षित प्राथमिकताओं'' की ओर देखते हुये, रुचिर जानी का पहला लक्ष्य है अपने मंडल की ओर से टीआरएफ के लिये 1 मिलियन डॉलर इकठ्ठा करना। ''अब तक हमारे मंडल ने यह उपलब्धी हासिल नहीं की है और मुझे उम्मीद है हम उसे हासिल कर पायेंगे,'' वे विश्वास के साथ मुस्कुराते हैं। उनका एक और महत्वाकाँक्षी लक्ष्य है 25 नये क्लब शुरू करना और अपने मंडल में सदस्यता को 4,000 से 5,000 तक ले जाना। ''मैं जानता हूँ यह बेहद बडा लक्ष्य है, लेकिन हम इस दिशा में प्रयास कर रहे हैं।''

लेकिन एक परियोजना जिस पर वे जी जान लगाकर काम रहे हैं वह है रोटरी की जन छवि को बेहतर बनाना जिसमें सभी क्लबें हिस्सा लेंगे और इसके लिये वे 9-12 कक्षा के छात्रों के लिये एक बहुत बड़ी प्रश्नोत्तरी कार्यक्रम का आयोजन कर रहे हैं। ''हम तीन माह में एक बार प्रश्नोत्तरी और एक विशिष्ट परियोजना की योजना बना रहे हैं और हमारा लक्ष्य है गिन्नस विश्व कीर्तीमान सूची में जगह पाना,'' वे कहते हैं।

अपने मंडल के लिये योजित अनेक परियोजनाओं में एक होगी गुर्दे के मरीजों का इलाज। ''ग्लोबल ग्राँटों के जरिये हम डायलिसिस मशीनें खरीदने की, स्कूलों के लिये हाथ धोने की सुविधायें बनाने की योजना बना रहे हैं, और ''हम बड़ी तादाद में भागियों सहित युवा और मैत्री आदान प्रदान कार्यक्रम करने के विचार में हैं। जनवरी में मंडल असेंब्ली के दौरान रो इं के आगंता अध्यक्ष इयान राय्सली ने इस सिलसिले में ऐलान किया है। मैं इस साँस्कृतिक समूह आदान प्रदान कार्यक्रम में रोट्रेक्टरों को भी संबध्द कराना चाहूँगा,'' उन्होंने कहा।

जानी ने कहा, ''हमारे मंडल में शायद पहली बार हम इन्नर व्हील, रोट्रेक्टरों तथा इंटरेक्टरों का एक संयुक्त सम्मेलन आयोजित करने वाले हैं।'' ■

क्लबों को खुली छूट दूँगा; टीआरएफ के लिये 1 मिलियन डॉलर एकत्रित करूंगा

शिवशंकरन पी एम, रोटरी क्लब ईरोड, होटल मैनेजमेंट, मंडल 3202

मैं मेरी अपनी परियोजनायें करने के विचार में नहीं हूँ, इसके बजाय मैं अपने मंडल के क्लबों से रोटरी के छह मुख्य क्षेत्रों पर संकेंद्रण करने के लिये कहूँगा, जब कभी वे अपनी खुद की परियोजनायें चुनेंगे। मैं क्लबों को अपनी मर्जी से परियोजनायें चुनने की खुली छूट देना चाहता हूँ,'' कहते हैं डीजी शिवशंकरन। फैसला करने में उनकी मदद करने,वे उनके पदाधिकारियों को, रोटरी के प्रत्येक मुख्य क्षेत्र में भिन्न पैमाने की 10-15 परियोजनाओं के बारे में सुझाव देंगे।

एक होटल प्रबंधन व्यावसायिक, जो ईरोड में रेस्तराँ और होटल प्रबंधन संस्थान चला रहे हैं, वे 1998 में रोटरी का सदस्य बने। ''मैंने अपना खुद का कारोबार शुरू किया था और रोटरी में इसलिये आया क्योंकि मैं लोगों के साथ संपर्क बनाना चाहता था। और समुदाय को उसका कर्ज चुकाना भी चाहता था।'' उन्होंने कहा।

डीजी के रूप में अपनी प्राथमिकताओं के बारे में उनका कहना है कि उनके मंडल के अनेक क्लबें (कुल 131 क्लबें), 30 से कम सदस्यों के साथ कमजोर स्थिति में है। ''इस साल मेरा संकेंद्रण होगा कमजोर क्लबों को सशक्त बनाना तथा यह सुनिश्चित करना कि प्रत्येक क्लब में कम से कम 30 सदस्य हैं। सो उससे खुद ब खुद सदस्यता में बढ़ोतरी देखी जायेगी।''

उनकी एक और मुख्य प्राथमिकता है, टीआरएफ के लिये अंशदान को 1 मिलियन डॉलर तक बढ़ाना, ''ताकि समुदाय को लाभाँवित करने वाली अधिक ग्लोबल ग्राँट परियोजनायें कार्यांवित की जा सके।'' उन्होंने कहा उनके क्लब द्वारा अब तक जुटायी गयी अधिकतम रकम है 600,000 डॉलर; वह चंद सालों पहले की बात है और धीरे धीरे यह रकम कम होते गयी, ''150,000 डॉलर से कम, सो मैं उस दिशा में भी ध्यान दूँगा।''

रशीदा भगत

वे अपने मंडल में महिला सदस्यों की संख्या को 20 प्रतिशत बढ़ाने की दिशा में प्रयास कर रहे हैं। ''इस वक्त हमारा अनुपात मुश्किल से पाँच प्रतिशत है। मैं यह सुनिश्चित करना चाहूँगा कि वे समुदाय के भिन्न क्षेत्रों से आये यानि ना केवल रोटरी में दाखिल करायी गयी पुरूष रोटेरियनों की पत्नियाँ। अक्सर रोटेरियन पत्नियों को ले आने के द्वारा महिला सदस्यता संख्या को बढ़ाया जाता है।''

सो वे किस तरह रोटरी की ओर महिलाओं को आकर्षित करने की उम्मीद करते है?''हमारी परियोजनाओं, हमारे अच्छे कामों का प्रचार करने के द्वारा तथा महिला संगठनों में जाकर उचित, सेवा प्रवृत्त महिलाओं की तलाश करने के द्वारा। मैं अपने अध्यक्षों को ऐसा ही करने की सलाह दूँगा।'' ■

कैंसर का उपचार उनकी प्राथमिकता है

कैंसर का शुरुआती चरण में पता लगाने के लिए नियमित जाँच करवाने हेतु लोगों में मौजूद कम जागरूकता को लेकर वह बहुत अधिक चिंतित है। चिन्नादुरई अब्दुल्लाह कहते हैं, ''मैंने कैंसर की जाँच के लिए शिविरों के आयोजन की योजना बनायी है, विशेषरूप से ग्रामीण क्षेत्रों में जहाँ चिकित्सीय पहुँच ना के बराबर है।'' वह कारपोरेशन अस्पतालों के साथ एक समझौता ज्ञापन हस्ताक्षरित करने की प्रक्रिया में है ताकि गरीबों का मुफ्त में इलाज किया जा सके और जो वहन कर सकते हैं उनका रियायती दर पर इलाज किया जा सके, और साथ ही वह छह मंडलों में स्थायी चिकित्सालयों की स्थापना कर रहे हैं।

उनकी दूसरी प्राथमिकता पूरे मंडल में 8,000-10,000 पौधे लगाने की है। ''यहाँ 4,000 सदस्य हैं और मैंने प्रत्येक सदस्य से कम से कम दो पौधे लगाने की प्रार्थना की है।'' उनकी 7,000 यूनिट रक्त इकठ्ठा करने की भी योजना है - पहले दिन 3,500 यूनिट जब वह जिम्मेदारी लेंगे और बाकि जनवरी में। वह कहते हैं, ''हम इसे टुकड़ों में करेंगे क्योंकि हम एक बार में 3,500 यूनिट से ज्यादा खून संचित नहीं कर सकते।''

अब्दुल्लाह उनके मंडल में महिला सदस्यता को 5.4 प्रतिशत से बढ़ाकर 12 प्रतिशत करने के लिए और 40 से कम उम्र के 10 प्रतिशत रोटेरियनों को शामिल करने के लिए उत्सुक है। उनका लक्ष्य टीआरएफ के लिए 300,000 डॉलर इकठ्ठा करने का है और कुछ AKS दानकर्ताओं को शामिल करने का भी है।

वह 1998 से एक रोटेरियन है और वह यह गर्व के साथ बताते है कि उनका परिवार ''एक सच्चा रोटरी परिवार है; मेरी पत्नी, बेटी, बेटा, बेटा और बहु, भाई एवं बहन के बच्चे सभी रोटेरियन हैं।'' वह एक क्षण को याद करते है जब उनके क्लब ने एक दिल की सर्जरी प्रायोजित की थी जिसने एक 10 दिन की बच्ची की जान बचायी थी। अब्दुल्लाह आगे कहते हैं, ''वह अब दो वर्ष की है और उसके माता-पिता उसे अक्सर मुझसे मिलवाने लाते है। हर बार जब मैं उसे देखता हूँ वह दृश्य मेरे रोंगटे खड़े कर देता है और मैं रोटरी का धन्यवाद करता हूँ कि उसने मुझे एक बच्ची की ज़िंदगी बचाने का अवसर प्रदान किया।'' ■

डॉ चिन्नादुरई अब्दुल्लाह,
रेडियोलॉजिस्ट, रोटरी क्लब रामनाद, मंडल 3212

विवेक कुमार
प्रॉपर्टी ब्रोकर
रोटरी क्लब चाणक्य,
मंडल 3250,

उनका ध्यान, रोटरी की सार्वजनिक छवि में वृद्धि

रोटरी उनके खून में दौड़ती है, एक इंटरेक्टर, रोट्रेक्टर और 1994 से एक रोटेरियन रहते हुए, जब वह केवल 28 वर्ष के थे। उनके स्थापना दिवस पर टीआरएफ ट्रस्टी सुशील गुप्ता की उपस्थिति में विवेक कुमार एक बड़े दानकर्ता से एक धर्मादा दानकर्ता बनने वाले हैं।

वह कहते हैं, दो वाक़ये उनके दिल के करीब है। पहला, जब 1986 में एक रोट्रेक्ट प्रेसिडेंट रहते हुए, वह एक संगीत कार्यक्रम के माध्यम से एक अच्छी धनराशि इकठ्ठा करने में सहायक रहे और उस धन का इस्तेमाल बिहार के दरभंगा में भूकंप पीड़ितों को राहत पहुँचाने के लिए किया गया। और दूसरा, ''जब भी हम कन्या छात्राओं के लिए स्कूलों में शौचालयों का निर्माण करते है, मुझे एक संतोष की भावना महसूस होती है कि स्वच्छता के अलावा मैं उन्हें गोपनीयता एवं सुरक्षा प्रदान कर पा रहा हूँ।''

कुमार ने अध्यक्षों के उनके दल को समझा दिया है कि वे ''सार्थक परियोजनाएं करें जो आने वाले वर्षों में रोटरी की कीर्ति का गुणगान करेंगी। बालिका शिक्षा एवं वयस्क साक्षरता को बढ़ावा देना मेरे प्रमुख क्षेत्र है।'' उनकी साल में दो बार पत्रकार-सम्मेलन आयोजित करने की योजना है, उनके मंडल के 19 क्षेत्रों में से प्रत्येक में चार, ताकि समाज में रोटरी के कार्यों पर प्रकाश डाला जा सके।

उनका ध्यान युवा पीढ़ी के रोटेरियनों की संख्या में बढ़ोतरी करने का है और वर्तमान में मौजूद 3,800 सदस्यों को रोके रखने का है। उन्होंने टीआरएफ के लिए 500,000 डॉलर का लक्ष्य निर्धारित किया है। पटना में एक नवजात शिशु संरक्षण केंद्र की स्थापना, जमशेदपुर में कैंसर जाँच केंद्र और पटना के इंदिरा गाँधी इंस्टिट्यूट ऑफ़ मेडिकल साइंसेज में रोटरी ब्लड बैंक की स्थापना इस वर्ष की प्रमुख परियोजनाएं है। कुमार कहते हैं, ''ऐसी परियोजनाएं बड़ी संख्या में जरूरतमंद लोगो की सेवा करने के साथ-साथ रोटरी की सार्वजनिक छवि में वृद्धि करेंगी।'' ■

आस्था का अर्थशास्त्र

टी सी ए श्रीनिवास राघवन

1950 एवं 1960 के दशक के भारत के सबसे प्रभावी अर्थशास्त्रियों में से एक, स्वर्गीय प्रोफेसर के. एन. राज ने एक बार कहा था कि दुनिया में गाय ही एक बहुउपयोगी पशु है, घोड़े से भी अधिक उपयोगी।

ऐसा इसलिए क्योंकि एक गाय दूध का उत्पादन कर सकती है, जो कि एक उपभोग की वस्तु है; गोबर, जो कि एक मध्यवर्ती वस्तु है; और एक पूँजीगत वस्तु है, अर्थात्, खेतों के लिए एक प्राकृतिक ट्रेक्टर। उन्होंने कहा, केवल इतना ही नहीं, उस समय में गाय 'मशीन पैदा करने वाली मशीन' कहलाती थी, अर्थात्, और अधिक गाय।

स्पष्ट है कि, गाय के इस बहुउपयोगी पहलु को प्राचीन हिन्दुओं द्वारा पहचाना गया जिन्होंने इसे एक पवित्र पशु का दर्जा प्रदान किया। इसे एक माँ की तरह ही पूज्य समझा जाना था।

परन्तु वक्त और लहरें किसी का इंतज़ार नहीं करती, और 20वीं सदी के उत्तरार्ध में, मशीनी ट्रेक्टरों ने गाय को प्रतिस्थापित कर लिया और भारत की आधे से अधिक जनसंख्या ने गाय का दूध पीना बंद कर दिया क्योंकि यह महंगा पड़ता था। अधिकतर भारतीय अब भैंस का दूध पसंद करते हैं, या, नवीनतम तकनीक से पुनर्निर्मित पाउडर वाले दूध को। उसके साथ-साथ, केरोसिन एवं खाना बनाने की गैस की बढ़ती उपलब्धता ने भी गाय के आर्थिक महत्व को कम किया।

परन्तु इसके धार्मिक एवं आस्था-संबंधित महत्व को प्रतिस्थापित करना अधिक मुश्किल साबित हुआ है। और भाजपा सरकार के गाय को 'बचाने' के प्रयासों के पीछे यही कारण है।

परन्तु इसे किससे बचाएं? और किस लिए? क्या होता है जब आस्था अर्थशास्त्र से टकराती है? हम जल्द ही जानेंगे।

बुनियादी मुद्दा यह है: अगर वह गौ हत्या रोकने में सफल होती है, तो सरकार कैसे यह सुनिश्चित करेगी कि बूढ़ी होने पर यह किसान के लिए एक बड़ा आर्थिक बोझ ना बने?

हरीश दामोदरन, भारतीय ग्रामीण अर्थव्यवथा के एक विशेषज्ञ का ऐसा मानना था: आमतौर पर एक गाय जिसका वजन 300 किग्रा होता है को केवल उसके दैनिक शारीरिक प्रबंध के लिए 6-7 किग्रा धान या गेंहूँ का भूसा, 5 किग्रा हरी घास (ज्वार, बरसियम, गन्ने का ऊपरी भाग, इत्यादि) और 1-1.25 किग्रा गाढ़े मिश्रण (मुख्यतः सरसों, मूंगफली या कपास के बीज की रोटी) की आवश्यकता होती है। अगर पशु दूध का उत्पादन कर रहा है, तो प्रत्येक 1 लीटर के लिए उसे अतिरिक्त 400-500 ग्राम गाढ़ा मिश्रण खिलाना पड़ेगा। प्रति किग्रा के हिसाब से हरे चारे की 1.25-1.50 रुपये, भूसे की 5-6 रुपये और गाढ़े मिश्रण की 19-20 रुपये लागत लेते हुए, एक किसान को गाय को केवल जीवित रखने के लिए प्रतिदिन 60 रुपये से अधिक खर्च करने पड़ेंगे।

केवल एक गाय लिए यह 1,800 रुपये प्रति माह पड़ता है। अधिकतर किसानों के पास कम से कम तीन गाय होती हैं। तो उन्हें कम से कम 5,400 रुपये प्रति माह की आवश्यकता होती है। शहरी लोगों को यह बहुत अधिक नहीं लगेगा, परन्तु याद रखिये कि प्रति वर्ष प्रति एकड़ पर होने वाली औसत शुद्ध आय केवल 25,000 रुपये के आसपास है - या 2,000 रुपये प्रति माह।

दामोदरन कहते हैं, वे गायें जो 5-6 दुग्ध स्रवण के बाद उतनी दुधारू नहीं रहती, और बाँझ या खराब थन की समस्या वाली गायों को सबसे आखिरी में चराया जायेगा। वह आगे कहना ज़ारी रखते हैं कि नर पशुओं को तो और भी कम प्राथमिकता मिलेगी।

तो किसान को इन अनुत्पादक और आर्थिक दृष्टिकोण से अलाभकारी पशुओं के साथ क्या करना चाहिए? निःसंदेह, अनुत्पादक पशुओं की अनुत्तरित लागत ही गौ हत्या का प्रमुख कारण है।

दामोदरन पूछते हैं: वर्तमान में एक औसत पशु, मादा या नर, 8-9 वर्षों के बाद किसान के लिए अनुपयोगी हो जाता है, फिर चाहे वह 14-15 वर्ष तक क्यों ना जिए।

इस बुनियादी मुद्दे का आस्था के पास कोई उत्तर नहीं है। ना ही वह परवाह करती है। वह केवल गौ हत्या को रोकना चाहती है, इसमें शामिल आर्थिक मुद्दों पर ध्यान दिए बिना। वास्तव में, अगर गौशालाओं की स्थापना की जाए, तो राज्य सरकारों पर पड़ने वाले बोझ को देखने के लिए आपको केवल 60 रुपये प्रति दिन को 10 मिलियन गायों से गुणा करना होगा।■

Shekhar Mehta
Chair, RILM

Rotary India Literacy Mission

Literacy Focus

Aiming for Total Literacy & Quality Education

RILM Chair Shekhar Mehta in the TEACH booth at the Atlanta Convention.

TEACH at Atlanta

Showcasing the TEACH projects at the House of Friendship in the RI Convention at Atlanta was a significant milestone for RILM this year.

Termed as one of the best booths at the HOF, the TEACH stall attracted several senior Rotary leadership and delegates from all over America, Italy, Mexico, Nigeria, Uganda, Ghana, Nepal, Bangladesh and Pakistan. The programme reached out to those who wanted implement it in areas where literacy is a big challenge. The Happy School vertical had the maximum takers, along with Adult Literacy and E-learning programmes. We are hopeful that TEACH will lay the foundation for a revolution in global education and literacy.

The XPD road trip

An expedition across 24 countries in 70 days was undertaken by an all-women team comprising Meenakshi Arvind, Mookambikai Rathinam and Priya Raheja on a Tata Hexa car from Coimbatore. The road trip, promoting Rotary's Literacy drive, was flagged off by the HRD Minister Prakash Javadekar at the Rotary South Asia Literacy Summit held in Chennai. On June 6 the team reached London where they were welcomed by the Indian High Commissioner Dinesh Patnaik, Minister Coordinator A S Rajan and First Secretary Counsellor Balaji. The rallyists raised funds along the way and spread RILM's endeavour to achieve Total Literacy and quality education in India through the TEACH verticals.

The XPD team being given a warm welcome in the UK. Also seen PDG T George Sundararaj (extreme right).

Bikers spread the message

Rotarians Prashanth Babu and Shoba S Rao on a bike expedition.

Rotarians Prashanth Babu and Shoba S Rao from Rotary Bangalore Downtown, D 3190, embarked on a bike ride on May 13, 2017 from the RI Headquarters in Chicago, Illinois, rode across 22 States, covering 12,000 km over a period of 34 days, and arrived at the RI Convention in Atlanta. During their journey, the two Rotarians sensitised people about the plight of children who drop out of schools either due to lack of funds or basic facilities such as toilets, transport etc. They sought to curb the dropout rates and bring these children back to school.

Prashanth Babu is an entrepreneur; his association with Rotary dates back to 1993 via Globe Trotters Athletic Union. He was charter president of the Rotaract Club of Bangalore East End in 2000 and he became member of Rotary Bangalore Downtown in 2012.

Shoba S Rao started as an active Interactor, later joined the Rotaract Club of Bangalore East End and became a Rotarian of Rotary Bangalore Downtown in 2016. She works for Visteon Technical and Services Centre as Senior Software Design Engineer.

All the expenses incurred for the ride were borne by the two Rotarians. They believe strongly in sharing their combined good fortune to help those who have not had the same opportunities, and access to education that they and their child have had. They are often asked why they can't just donate the money spent on the trip to the cause, for which they say that raising awareness towards the cause will result in a long term and sustained benefits to the project.

One click to view your Asha Kiran child

More than 32,000 children are enrolled in the Asha Kiran centre for the bridge course. They are in process to get back to school. Each of them are tagged with 32,000 donors. Have you seen your sponsored child yet? Download the T-E-A-C-H App today and view your sponsored child with just one click.

Simple steps to download the T-E-A-C-H App

- Go to *Play Store*
- Search for '*TEACH* by RILM'
- Download the App

Go to *'My Asha Kiran'* and with just a click on it, you can view your sponsored child.

मंडल गति

रोटरी क्लब मन्नारगुड़ी मिड्टाउन - मंडल 2981

क्लब ने SBA मैट्रिक स्कूल में राष्ट्रीय विज्ञान दिवस पर एक विज्ञान प्रदर्शनी और संबंधित कार्यक्रमों का आयोजन किया। इस विषय में रुचि जगाने का एक बेहतर तरीका था और छात्रों ने इसका खूब आनंद उठाया, क्लब के अध्यक्ष KAS जगबाज सदिक ने कहा।

रोटरी क्लब विल्लुपुरम - मंडल 2982

विजया अस्पताल के साथ मिलकर क्लब ने VRP स्कूल में हृदय जाँच शिविर का आयोजन किया, जिसमें श्री वेंकटचलपति पॉलिटेक्निक कॉलेज और एड कॉलेज ऑफ नर्सिंग के रोट्रेक्टर्स ने सहयोग दिया। शिविर में 500 से अधिक लोगों की जांच की गई।

रोटरी क्लब वुय्युरु - मंडल 3020

फ्लोरा इंग्लिश मिडियम स्कूल में भारत बायोटेक के सहयोग से एक टाइफाइड टीकाकरण शिविर आयोजित किया गया था। इस विद्यालय के लगभग 200 छात्रों को इस रोग के विरुद्ध प्रतिरक्षित किया गया। इस अवसर पर क्लब की अध्यक्षा जे श्यामला देवी अन्य रोटेरियनों के साथ उपस्थित थी।

रोटरी क्लब अकोला - मंडल 3030

यह क्लब निर्धन परिवारों की महिलाओं को व्यावसायिक और कौशल विकास कार्यक्रम उपलब्ध कराता है। कम्प्यूटर अकाउंटिंग में एक दर्जन से अधिक महिलाएं प्रशिक्षण प्राप्त कर रही हैं। पाठ्यक्रमों का उद्देश्य स्कूलों और कॉलेजों से निकलने के बाद युवा महिलाओं की रोजगार क्षमता में सुधार करना है।

विधियाँ

रोटरी क्लब भुज फ्लेमिंगो- मंडल 3051

क्लब ने भुज में 75 लाख रुपये की लागत से एक श्मशान घाट का निर्माण किया। TRF ट्रस्टी अध्यक्ष कल्याण बनर्जी ने यह सुविधा वंचित लोगों को अपने स्वर्गवासी परिजनों के अंतिम संस्कार को पर्यावरण के अनुकूल तरीके से करने के लिए समर्पित किया।

रोटरी क्लब जयपुर कोहिनूर - मंडल 3052

जयपुर से 40 किमी दूर, बस्सी तहसील के पास भोजपुरा गांव में सरकारी सीनियर सेकेंडरी स्कूल में विन्स परियोजना के एक भाग के रूप में क्लब द्वारा पानी के टैंक, इलेक्ट्रिक मोटर और हाथ धोने की सुविधा के साथ शौचालय स्थापित किया गया।

रोटरी क्लब उधमपुर - मंडल 3070

क्लब ने रोटरी आई और ENT अस्पताल में एक नेत्र शिविर का आयोजन किया। इस शिविर में आस-पास के गांवों के 21 मरीजों का मोतियाबिंद का ऑपरेशन किया गया और इंट्रा-ओक्यूलर लेंस प्रदान कर उनकी आंखों की ज्योति को वापस लौटाने में मदद की गई।

रोटरी क्लब समाना - मंडल 3090

रोटेरियनों ने सती माता मंदिर सिलाई सेंटर के निर्धन छात्रों को DG संजय गुप्ता और मंडल सचिव विनोद चामरा की उपस्थिति में सिलाई मशीनें प्रदान की गईं। परियोजना लाइफलाइन के अंतर्गत, क्लब ने BPL परिवार की चार वर्षीया संजना के हृदय की शल्यचिकित्सा का खर्च वहन किया।

रोटरी क्लब जोधपुर पद्मिनी- मंडल 3053

बच्चों के लिए बरकतउल्लाह खान स्टेडियम में एक 'जूनियररन' आयोजित किया गया था जिसका उद्देश्य उनमें शारीरिक गतिविधियों की कमी के कारण बचपन में मोटापा और संबंधित बीमारियों के बारे में जागरूकता उत्पन्न करना था। लगभग 2,500 से अधिक बच्चों ने निधि एकत्र करने वाले कार्यक्रम में भाग लिया, और प्राप्त निधि का उपयोग सरकारी स्कूलों को हैप्पी स्कूलों में परिवर्तित करने के लिए किया गया।

मंडल गति

रोटरी क्लब बॉम्बे क्वीन सिटी- मंडल 3141

क्लब ने बारादेवी नगर स्कूल के छात्रों के लिए तीन वर्षीय कौशल विकास पाठ्यक्रम, भविष्ययान का उद्घाटन किया। इससे 120 छात्रों को लाभ होगा, जिन्हें कंप्यूटर साक्षरता, संवादात्मक अंग्रेजी और जीवन कौशल में प्रशिक्षित किया जाएगा।

रोटरी क्लब नवी मुंबई हिल साइड- मंडल 3142

मंडल गवर्नर चंद्रशेखर कोल्वेकर ने बेलापुर के क्लब में एक मधुमेह देखभाल केंद्र का उद्घाटन किया। केंद्र पर परामर्श और रक्त शर्करा के परीक्षण की सुविधा भी उपलब्ध होगी।

रोटरी क्लब पणजी रिवेरा- मंडल 3170

पंजिम में युवा छात्रावास में 100 वंचित और विकलांग बच्चों के लिए एक त्रि-दिवसीय RYLA कार्यक्रम 'सहितम' शीर्षक के अंतर्गत आयोजन किया गया। संसाधन व्यक्तियों द्वारा विभिन्न प्रकार के प्रशिक्षण सत्रों के दौरान बच्चों में नेतृत्व कौशल का निर्माण करने की प्रेरणा दी गई।

रोटरी क्लब तिरुपुर साउथ- मंडल 3202

सामान्य जनता में अंगदान के प्रति जागरूकता उत्पन्न करने के लिए क्लब द्वारा केरल में तिरुपुर से कन्नूर तक एक कार रैली का आयोजन किया गया। इस उद्देश्य के बारे में लोगों को शिक्षित करने के लिए लगभग 5,000 जागरूकता पत्रक रैली के मार्ग में वितरित किया गया।

रोटरी क्लब जम्मालामदुगु- मंडल 3160

क्लब ने विभिन्न सरकारी स्कूलों के छात्रों के मध्य स्टेशनरी सामग्री और दोपहर के भोजन का सेट वितरित किया। बच्चों को स्वस्थ और संतुलित आहार के बारे में सिखाने के लिए रोटेरियनों ने स्कूलों में एक स्वास्थ्य वार्ता का भी आयोजन किया।

विधियाँ

रोटरी क्लब चेन्नई पोर्ट सिटी- मंडल 3230

क्लब ने अपने थैलेसीमिया उपचार परियोजना के लिए निधि एकत्र करने के उद्देश्य से एक सांस्कृतिक कार्यक्रम का आयोजन किया। रोटेरियनों ने अपोलो हॉस्पिटल्स में एक बच्चे के उपचार का खर्च भी वहन किया और शहर में सरकारी स्टैनले अस्पताल में 500 बेड्शीट दान की।

रोटरी क्लब जमशेदपुर, पश्चिम, - मंडल 3250

रोटेरियनों ने ग्रामीणों में एनीमिया की जांच के लिए बिरसा बस्ती में एक स्वास्थ्य शिविर का आयोजन किया। उन्होंने ग्रामीणों को विटामिन दवाइयां वितरित की साथ ही उन्हें पौषक आहार लेने की सलाह दी।

रोटरी क्लब कोरबा - मंडल 3261

Rtn अजय शेषा ने TEACH पहल के माध्यम से युवा सशक्तिकरण के लिए एक साइकिल रैली का आयोजन किया। सात सदस्यी टीम ने सात राज्यों को कवर करते हुए 35 दिनों में 2,166 किलोमीटर तय करते हुए दिल्ली तक की यात्रा पूरी की। इस प्रयास के कारण उनका नाम गोल्डन बुक ऑफ रिकॉर्ड्स में एक समूह में सबसे लंबी साइकिल रैली के लिए दर्ज किया गया।

रोटरी क्लब बेरहामपुर - मंडल 3262

ग्रीष्म ऋतु की तीव्र गमी से यात्रियों राहत देने के लिए क्लब ने शहर के कुछ व्यस्तम स्थानों पर ठंडे पानी का बूथ स्थापित किया। प्रत्येक बूथ की लागत रुपये 60,000 से रुपये 70,000 है।

रोटरी क्लब कबितीर्थ कलकत्ता - मंडल 3291

ऑटोमोबाइल एसोसिएशन ऑफ़ ईस्टर्न इंडिया के सहयोग से, क्लब द्वारा आयोजित रक्तदान शिविर में करीब 160 यूनिट रक्त एकत्र किया गया। शिविर का आयोजन थैलेसीमिया रोगियों की सहायता के लिए किया गया था। रोटेरियनों ने रोग से पीड़ित बच्चों को उपहार प्रदान किये।

वी मुत्तुकुमारण द्वारा संकलित;
एल गुनाशेकरण द्वारा रुपांकन

नेपाल का पुनर्निर्माण

टीम रोटरी न्यूज़

जब 2015 में विनाशकारी भूकंप ने नेपाल को हिलाया, तब से मंडल 3292 के रोटरियन इस हिमालयी देश के सबसे अधिक प्रभावित लोगों के पुनर्निर्माण और पुनर्वासन में जुटे हुए थे। ऐसी ही एक रोटरी की पहल थी काव्रेपलान्चोक जिले के दो गाँवों - चौर्बेसी और रायोबरी - को एकीकृत आदर्श गाँवों के रूप में पुनर्निर्माण करने की, जिसे फिर ग्रामीणों को 11 अप्रैल को सौंप दिया गया।

काठमांडू से 54 कि.मी. उत्तर-पूर्व में स्थित चौर्बेसी और रायोबरी गाँव नेपाल के सबसे अधिक प्रभावित गाँवों में से थे। गृह मंत्रालय के अनुसार, काव्रेपलान्चोक ज़िले में भूकंप के कारण 318 लोगों की मृत्यु हुई एवं 1,179 घायल हुए। 49,993 घर पूर्णतः बर्बाद हो गए थे और 23,714 घर क्षतिग्रस्त हो गए थे।

पी डी जी गण तीर्थ मन सक्या (बाएं से दूसरे) और केशव कुंवर (बाएं से चौथे) घरों के निर्माण समारोह में ।

आईपीडीजी केशव कुंवर ने कहा, ''पुनर्वासन प्रक्रिया को तीन चरणों में पूर्ण किया गया थापहले चरण में, हमारे रोटरी क्लबों धूलीखेल और कावरे-बनेपा के माध्यम से, हमने तात्कालिक राहत जैसे खाने की बाल्टियाँ, पानी के फ़िल्टर, गरम कपड़े और दवाइयाँ प्रदान की। दूसरे चरण में 51 अस्थायी आवास बनाये गए; दीर्घकालिक पुनर्वासन अंतिम चरण था जिसमें गाँवों में 69 कम लागत वाले स्थायी भूकंप-रोधी घरों का निर्माण किया गया।'' 11 दिसंबर, 2015 को, घरों की आधारशिला रखी गयी। सभी घर राष्ट्रीय पुनर्निर्माण प्राधिकरण नेपाल' के मानकों के अनुरूप थे। प्रत्येक घर में चार कमरे, एक पृथक शौचालय एवं एक स्नानघर था।

रोटरी द्वारा निर्मित एक भूकंप प्रतिरोधी घर।

इन आदर्श गाँवों में पानी की टंकियां, एक पम्पिंग मशीन, सार्वजनिक पानी के नल, एक बहु-उद्देशीय हॉल, शमशान और एक विद्युत जनरेटर प्रदान किया गया था। पचास घरों में बायो-गैस सुविधा और गाँव तक एक तीन कि.मी. का रास्ता बनाया गया। कुंवर ने कहा, इन भूकंप-रोधी मकानों के निर्माण के लिए 6,200 डॉलर की लागत से साठ ग्रामीणों को राजगीरी एवं बढ़ईगिरी के काम के लिए प्रशिक्षित किया गया। कुल मिलाकर, परियोजना की लागत 478,953 डॉलर थी, जिसमें से लगभग 197,400 डॉलर, मंडल द्वारा दिए गए थे। बाकि का पैसा रोटरी क्लब पेट्रोस्की, मंडल 6290, यूएस, रोटरी क्लब एडवर्ड्सटाउन, मंडल 9520, ऑस्ट्रेलिया और कई अन्य गैर-सरकारी संगठनों द्वारा आया। रोटरियनों ने उन परिवारों की आमदनी के लिए प्रत्येक परिवार को सात फलों के पौधे दिए।■

Please pay your *Rotary News* Dues at the earliest

to enjoy uninterrupted supply. Please note that *Rotary News* subscription is mandatory and defaulting clubs can be suspended by RI.

List of defaulting clubs and the club dues details on our website ***www.rotarynewsonline.org***

Rotary

Rotary at a glance

Rotarians : 12,39,940

Clubs : 35,709

Districts : 534

Rotaractors : 2,33,312*

Clubs : 10,144*

Interactors : 4,95,857*

Clubs : 21,559*

RCC members: 2,16,315*

RCC : 9,405*

* As on April 3, 2017

Membership in India, Sri Lanka, Pakistan, Bangladesh, Nepal, Bhutan and Maldives

As on June 1, 2017

RI Zone	RI District	Rotary Clubs	No of Rotarians	Women Rotarians	Rotaract	Interact	RCC
5	2981	112	4,554	189	55	222	172
5	2982	65	2,860	84	56	109	41
5	3000	119	5,302	442	249	569	114
4	3011	73	3,293	594	46	99	28
4	3012	86	3,714	770	62	118	55
5	3020	88	4,314	217	109	459	353
4	3030	101	5,547	695	74	275	156
4	3040	90	2,166	252	51	109	135
4	3051	66	2,513	194	49	147	336
4	3052	61	3,917	884	40	143	134
4	3053	68	2,781	416	16	35	93
4	3060	98	4,092	398	58	111	128
4	3070	108	3,177	277	66	152	54
4	3080	77	3,417	205	64	208	106
4	3090	80	2,146	75	33	36	122
4	3100*	72	1,721	70	10	72	146
6	3110	112	3,892	210	52	49	102
6	3120	75	3,037	288	36	50	50
4	3131	130	5,615	1,021	88	262	73
4	3132	103	4,269	421	59	153	121
4	3141	88	5,542	1,053	110	240	87
4	3142	78	2,992	425	60	180	67
5	3150	98	3,584	337	89	221	108
5	3160	66	2,336	105	20	44	81
5	3170	128	5,616	362	51	282	159
5	3181	71	3,221	214	28	168	102
5	3182	79	3,396	260	27	265	92
5	3190	148	5,846	693	134	336	48
5	3201	140	5,228	312	91	120	46
5	3202	131	5,058	248	94	420	40
5	3211	135	4,420	254	11	85	121
5	3212	98	3,984	204	106	260	126
5	3220	71	1,979	245	80	190	79
5	3230	150	6,415	544	171	457	316
6	3240	87	3,053	350	58	142	143
6	3250	98	3,764	618	37	198	176
6	3261	70	2,358	226	16	101	42
6	3262	90	3,245	367	41	71	73
6	3271	75	1,437	205	44	16	13
6	3272	136	2,675	449	36	36	36
6	3281	195	5,693	776	221	79	184
6	3282	128	3,700	273	128	33	40
6	3291	148	3,872	672	62	126	572
6	3292	115	4,518	676	114	106	106
	Total	**4,407**	**1,66,259**	**17,570**	**3,102**	**7,554**	**5,376**

**Non-districted* *Source: RI South Asia Office*

संध्या राव

हम सब समय के यात्री हैं

अपने किसी प्यारे को बूढ़ा होता देखना दर्दनाक है, हालांकि वह जीवन की हमारी अपनी यात्रा पर भी रोशनी डालता है।

यह सच है। उम्र बिन बताए ही आगे बढ़ लेती है। आप आज सोलह के हैं, और कल आपका 60वाँ होगा और एक दिन आप हतप्रभ से सोचेंगे कि आखिर सब कुछ कहाँ चला गया। आप ज़िन्दगी में बिताये अपने वर्षों में यह याद करने की कोशिश करते हैं कि आपके सच्चे दोस्त कौन हैं, और आप परिवार के कुछ भेद खुलने पर कैसे ज़ार-ज़ार रोये थे, और क्या आप अपने कुछ सपने पूरे करने के लिए कुछ बचत कर पाए हैं। आप सिर्फ़ अपने बच्चों के बड़े होने का इंतज़ार करते हैं कि कब वे बड़े हों, अपने पैरों पर खड़े हों और आप अपना जीवन वापस पा सकें। इस पूरे दौर में आपका जीवन आगे बढ़ता रहता है, अनवरत, निष्ठुरता से, और माता-पिता वृद्ध होते जाते हैं।

देखिये, आपने कितनी लम्बी दूरी तय कर ली, यूँ ही जगहों से गुज़रते हुए और लोगों, ज़िन्दगियों और अनुभवों को आपस में पिरोते हुए, तूफ़ान और कहानियाँ पैदा करते हुए, अलविदाओं के साथ यादें पीछे छोड़ते हुए। अभिवादन अचानक होते हैं, उनकी पहले से जानकारी नहीं होती, लेकिन उनमें भरपूर आशा और आकांक्षाएं होती हैं। विदाई अंतिम और सदैव के लिये होती है।

कभी, दरअसल कुछ समय पहले ही, मैं 16 वर्ष की थी और 16 की आयु में मुझे मेरी माँ जो 38 की थीं, सब बातों की जानकार और पूरी तरह माँ लगती थीं। एक बच्चे, टीनेजर (किशोरी) और युवती के रूप में देखी माँ की उस छवि के पीछे छुपी व्यक्ति को उस साँचे से बाहर निकलते हुए मैंने बहुत-बहुत बाद में देखा। इस दौरान एक ओर जहाँ कई राष्ट्रों ने आज़ादी पा ली थी, लोगों ने खो दी थी। सरकारें उभरीं और डूबीं, और फ़िर उभरीं, नये निराले रूपों में। नेताओं ने रोशनी दिखाई और फ़िर धुँधला गए, कुछ ओझल हो गए, कुछ शक्तिशाली पदों पर चिपके हुए हैं। नयी खोज, नये गृह, नयी किताबें, नये गाने, नये ब्रैंड, नये स्टार। आबादी हदें पार कर रही है। टेक्नोलॉजी ने नित नये आयाम खड़े किये हैं, और कल्पना से परे की सम्भावनाएँ।

आगे बढ़ो

ऐसा लगता है कि मानो पूरा ब्रह्मांड कह रहा हो, चलो वृद्ध महिला, खिसक लो, तुम्हारा वक्त पूरा हुआ और अब मैं *द बीटल्स* के गाने की मानिंद पूछना चाहती हूँ, "Will you still need me, will you still feed me, when I'm 64?" (क्या तुम्हें मेरी तब भी ज़रूरत होगी, क्या तुम मुझे तब भी खिलाओगे जब मैं 64 वर्ष की हो जाऊंगी?)। निश्चित रूप से यह एक लंबी दूरी है। मुझे लगता था कि मैं वहाँ कभी पहुँचूंगी ही नहीं, 25 तक नहीं, 35 तक नहीं, 60 तक तो कतई नहीं! नहीं, इतना लम्बा सफ़र मेरे लिए नहीं था मुझे बिल्कुल साइमन और गार्फ़ुंकल के एक गाने की तरह लगता था जिसे मैं इन स्तंभों में पहले भी बाँट चुकी हूँ, "Can you imagine us years from today,/ Sharing a park bench quietly/ How terribly strange to be seventy."(क्या तुम कल्पना कर सकते हो हमें सालों बाद, खामोशी से एक बेंच बाँटते हुए, कितना ज़्यादा अजीब लगता है सत्तर का होना)।

ख़ैर, *द बीटल्स* अब साथ में संगीत की रचना नहीं करते, और अब तो एसएंडजी भी उम्र होने पर अलग हो चुके हैं। संगीत रह गया है।

यह सब जानने के बाद भी हम यही मानते हैं कि बुढ़ापा तो बड़ों के लिए है। मेरी माँ एक वक्त में अपने पिता की बेहद लाड़ली थीं। वे तब भी सभी चार-पाँव वाले जंतुओं से प्रेम करती थीं, आज भी करती हैं। वे गायों और बकरियों और हिरणों और कुत्तों और बिल्लियों और, एक बार तो एक नेवले के भी, बीच बड़ी हुई थीं। वे तमिलनाडु के छोटे गाँवों और क़स्बों में रही थीं, और उन्होंने अपने जीवन का एक लंबा हिस्सा सत्यमंगलम में गुज़ारा जो आज सिर्फ़ डाकुओं के नाम से जाना जाता है, लेकिन तब अपने जंगलों और चंदन के वृक्षों के लिए मशहूर था। उन्होंने स्वतंत्रता के लिए गाँधीजी का आह्वान सुना और अपने भाई के साथ उन्होंने चरखे पर रुई के गोलों को काता। वे अपने दादाजी, जो कि पुलिस में थे, के अति रुचिपूर्ण क़िस्सों को अभिभूत और अचंभित हो कर सुना करती थीं। वहीं मेरी बहन, चचेरे-ममेरे भाई-बहन और मैं उनकी बेटी, यानी मेरी नानी, की अतिशयोक्ति से भरपूर कहानियाँ पूरे विश्वास के साथ सुनते थे।

एक सादगी भरे, सुखद ग्रामीण वातावरण से उठाकर मेरी माँ को 10 या 11 वर्ष की आयु में एक अच्छे स्थापित बोर्डिंग स्कूल में डाल दिया गया। मेरी माँ ने बिना किसी विरोध के चुपचाप अपने नये जीवन को स्वीकार लिया, अभी तक बिल्कुल अंजान अंग्रेज़ी भाषा को भी। उन्होंने कॉलेज में भी काफ़ी अच्छा प्रदर्शन किया और छात्र यूनियन की प्रेसिडेंट बन गयीं। फ़िर हुई उनकी शादी, एक ऐसे परिवार में जो वह भाषा बोलता

युवा अपनी युवावस्था का इतना आनंद उठाते हैं, उन्हें उठाना ही चाहिये। क्योंकि युवावस्था अल्पकालिक है, वक़्त इस ही पल का है, फ़िर वह चला जाता है।

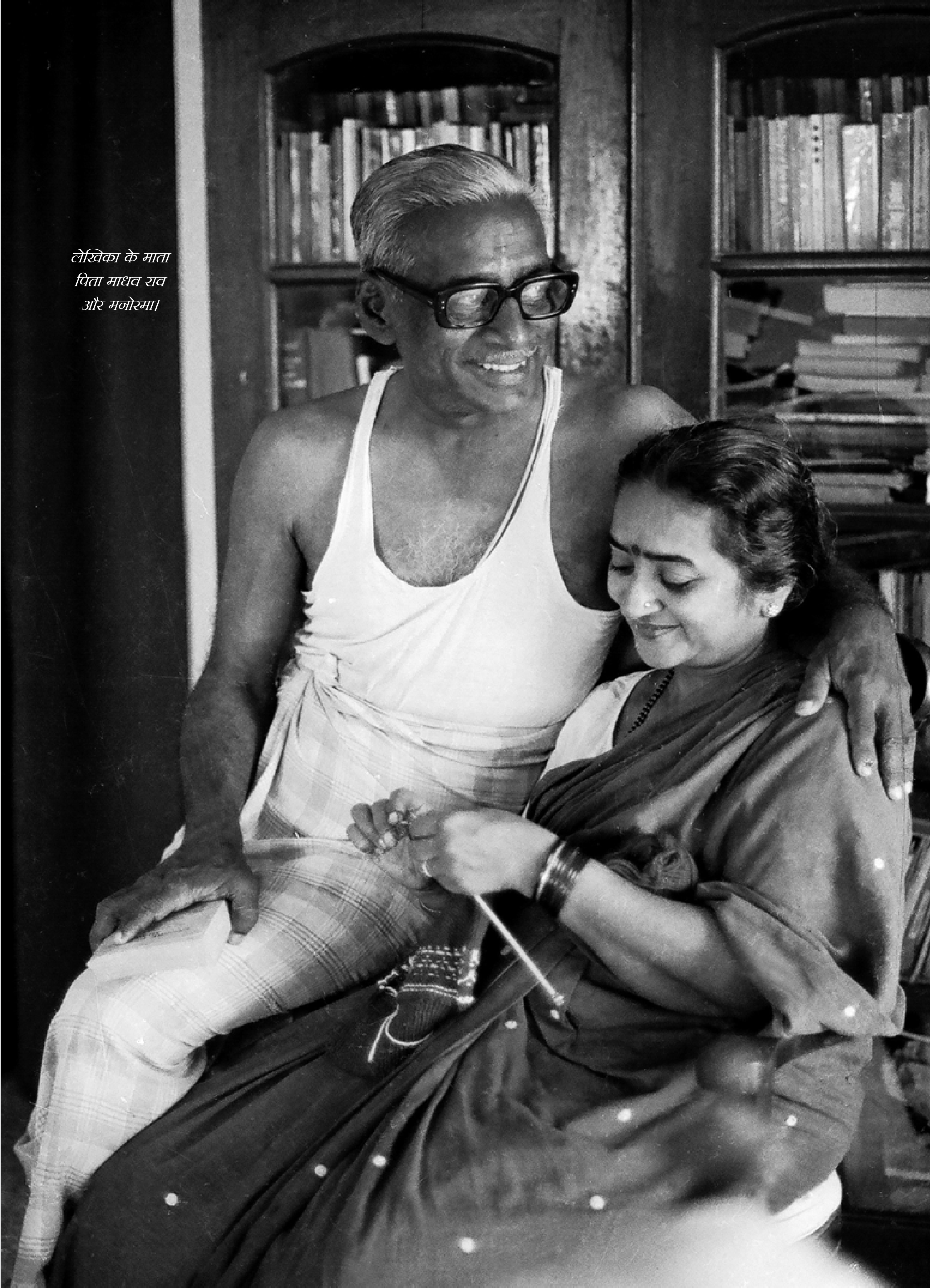

लेखिका के माता
पिता माधव राव
और मनोरमा।

था जो उन्होंने तब तक सुनी भी नहीं थी। उन्हें शादी और पति से जुड़े कई मुद्दों में खुद को ढालना पड़ा और कुछ पर समझौते करने पड़े जैसे खाना बनाना, घर की देखभाल करना, बच्चे, तबादले, पैसे, नई जगहें, काम करना, सब बातों का ख्याल रखना आदि आदि।

वे जल्दी ही इतना बड़ा व्यक्तित्व हो गईं कि पूरे परिवार उनके पँखों तले समा गए, बिल्कुल वैसे ही जैसे अपने समय में उनकी माँ और सास थीं। वे हिम्मती थीं, फ़ैसले ले सकती थीं, सकारात्मक सोच रखती थीं और जीवन में विश्वास रखती थीं।

ज़िन्दगी को स्वीकारने की कोशिश

आज माँ की उम्र 83 वर्ष है, जो हमारे वक़्त के मुताबिक ज़्यादा नहीं है, लेकिन सालों से सबका ध्यान रखने ने धीरे-धीरे उन पर बुरा असर किया है और आज उनकी नाज़ुक हालत देखकर कलेजा मुँह को आता है। जब आप युवा होते हैं तो आप भविष्य की ओर उत्सुकता से देखते हैं। जब आप बूढ़े हो जाते हैं तो आप पीछे मुड़ कर अतीत को देखते हैं। लेकिन जब अतीत और भविष्य वर्तमान की सफ़ेद रोशनी में घुल जाते हैं, तो ऐसा लगता है कि आप सिर्फ़ समय-यात्रा कर सकते हैं। इस यात्रा में न कोई छाया है, न कोई सलेटी रंग। सिर्फ़ एक सफ़ेद रोशनी है जो आपको एक क्षण से दूसरे क्षण ले जाती है, जहाँ ज़िंदगी और उसमें जो कोई भी लोग थे, एक अपरिभाषित चमक में धुँधला जाते हैं। कुछ ऐसे भी पल होते हैं जब वक़्त बँट जाता है और यादों और भावनाओं को घुलने और मिलने की इजाज़त दे देता है। लेकिन वे क्षणिक होते हैं।

अंग्रेजी के कवि विलियम वर्ड्सवर्थ ने फ्राँस की क्रांति के संदर्भ में लिखा था, उस भोर में ज़िंदा रहना परमानंद था, लेकिन युवा रहना तो बिल्कुल स्वर्ग था। यह निश्चित्त रूप से सत्य है। युवा होना ही अपने आप में एक उत्तम बात है। इस बात में कोई आश्चर्य नहीं होना चाहिये कि युवा अपनी युवावस्था का इतना आनंद उठाते हैं, उन्हें उठाना ही चाहिये। क्योंकि युवावस्था अल्पकालिक है, वक़्त इस ही पल का है, फ़िर वह चला जाता है। हम जानते हैं क्योंकि हम यह सब अपने इर्द-गिर्द देखते हैं। इसलिये, बुज़ुर्गों से बात किया कीजिये। ज़्यादा ज़रूरी है उनकी कहानियाँ सुना कीजिये। वे अद्वितीय हैं और वे सच्चे हैं और वे तब भी आपकी स्मृति में जीवित रहेंगे जब शारीरिक अवशेष ग़ायब हो जाएंगे ।

और अगली बार जब वृद्ध शब्द सुनने में आए तो आप वाइन को याद कीजियेगाः वह जितनी पुरानी होती है, उतनी ही स्वादिष्ट भी होती है। या अचारों कोः उन्हें मसालों के मिश्रण में जितना ज़्यादा रखा जाएगा, उनकी सुगंध उतनी ही मधुर होगी।

हमेशा की तरह विलियम शेक्सपियर एंटनी एंड क्लियोपैट्रा में क्लियोपैट्रा का सटीक वर्णन करते हैं आयु उसे कुम्हला नहीं सकती, न ही रिवाज़ उसकी विविधता को नीरस बना सकते हैं। ज़िन्दगी में वर्षों को जोड़ना सिर्फ़ वृद्ध होना नहीं है, यह तो सबसे न्यूनतम बात है, क्योंकि आप 'बूढ़े' होते हुए भी 'युवा' हो सकते हैं और 'युवा' होते हुए भी 'बूढ़े' हो सकते हैं । ज़िन्दगी में वर्षों को जोड़ना तो उन अनुभवों से संबंधित है जो आपके रक्त को गरम रखते हैं और उस बुद्धिमता से जो आपके मस्तिष्क को ऊर्जा देती है। युवा लोग इन्हें पाने की कितनी भी कोशिश क्यों न कर लें, उन्हें ये नहीं मिल सकते, क्योंकि उनके पास वर्षों की जागीर जो नहीं है।

आप जन्म लेते हैं, आप जीते हैं और आप समय-यात्रा करते हैं यह सब मस्तिष्क का एक खेल है, एक माइंड गेम, है न?

स्रोत: बिज़नेसलाइन ऑन कैंपस (BLoC), बी-स्कूलवालों के लिए एक वेब स्रोत।

Subscribe NOW!

for Rotary News Print Version & e- Version

For the Rotary year 2017 – 2018

As concerned citizens of the world, those of you who are alarmed at the degradation of the environment and slaughter of trees, kindly opt for our e-Version.

Annual Subscription India

Rs.420

Print version ☐ e- Version ☐

No. of copies

Rotary News (English) ☐

Rotary Samachar (Hindi) ☐

For every new member the pro-rata is Rs 35 a month.

Please attach the TYPED list of individual members with their complete address and PIN Code. Intimate language preference (English / Hindi) against each member's name. Please do not send the Semi-annual Report for address list.

Rotary Club of .... RI District ....

Name of the President/Secretary ....

Address ....

....

....

City .... State .... PIN ☐☐☐☐☐☐

STD Code .... Phone: Off. .... Res. ....

Mobile ....E-mail ....

Cheque/DD No. .... Dated .... for Rs. ....

Drawn on ....

in favour of "**ROTARY NEWS TRUST**" payable at CHENNAI is enclosed.

Date: President/Secretary

Mail this form to:

Rotary News Trust, Dugar Towers, 3rd Floor, 34, Marshalls Road, Egmore, Chennai 600 008.
Tamil Nadu, India. Ph: 044 4214 5666, e-mail: rotarynews@rosaonline.org

Subscription norms

1. Subscription is for the Rotary year (July to June).
2. **It is mandatory for every Rotarian to subscribe to a Rotary magazine.**
3. The annual subscription for the magazine is Rs 420 per member.
4. Subscription for the full year must be sent in July, in the prescribed form.
5. Those joining after July can pay only for the remaining Rotary year at Rs 35 an issue.
6. Subscription account of the club with *Rotary News* is a running account and does not cease at the end of June every year.
7. Names of all members, with their complete postal address with **PIN CODE** must be typed and sent along with the form and DD/cheques payable at par.
8. Copies of Semi Annual Report **SHOULD NOT** be sent as address list.
9. Language preference (English or Hindi) should be stated alongside member's name.
10. **Members, please ensure that your name is included in the Subcribers' list that your club sends us. Often, names of members who have paid their subscription, are left out from the club list.**
11. Clubs must inform *Rotary News* about reduction in number of members, if any, before or in May. Please help reduce wastage of copies.
12. Clubs are liable to pay for the number of magazines we despatch according to the list available at Rotary News Trust.
13. Unpaid dues of the club will be shown as outstanding against the club. Any payment received subsequently will be adjusted against earlier dues.
14. **Clubs with subscription arrears will be notified to RI and may face possible suspension.**
15. We are in the process of tallying our subscriber list with RI membership from India.
16. If you want to switch to *The Rotarian*, please do so. But inform us **immediately** to avoid receipt of *Rotary News*. Or else your club will have to pay for it.

बिल गेट्स के साथ रो इं लीडर

माइक्रोसॉफ्ट के संस्थापक बिल गेट्स, RI अध्यक्ष जॉन जर्म, RIPE इयान राय्सली, RIPN सैम ओवोरी और रो इं महासचिव जॉन ह्यूको (चरम बायें) के साथ रो इं निदेशक गण।

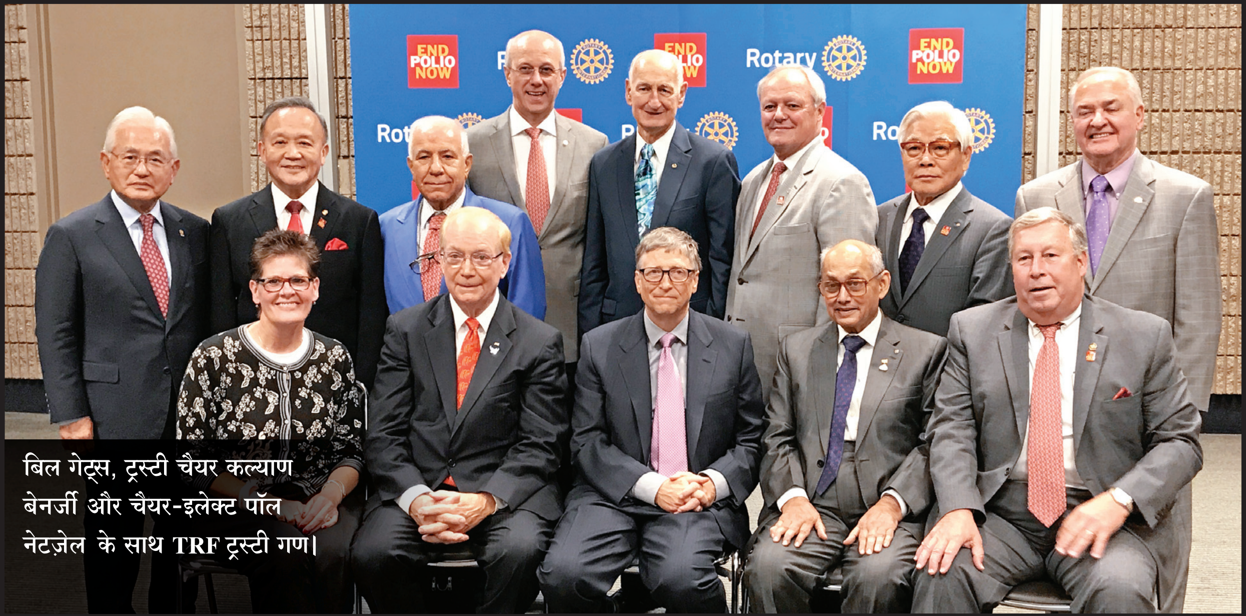

बिल गेट्स, ट्रस्टी चैयर कल्याण बेनर्जी और चैयर-इलेक्ट पॉल नेटज़ेल के साथ TRF ट्रस्टी गण।

रशीदा भगत

एटलांटा सम्मेलन चैयर बेरी मेटहेसन (बीच में) के साथ उनके दाएं टोरंटो सम्मेलन 2018 के चैयर, गोरडन मकइनएली और उनके बाएं हम्बुर्ग सम्मेलन 2019 के चैयर जॉन ब्लॉउन्ट।

REGN. NO. TN/CCN/359/2015-2017 LICENSED TO POST WITHOUT PREPAYMENT NO.TN/PMG(CCR)/WPP-421/2015-2017
REGISTERED WITH REGISTRAR OF NEWS PAPERS FOR INDIA TNHIN/2001/5271 ROTARY SAMACHAR PUBLISHED ON 1ST OF EVERY MONTH